Established 1865

पायनियर

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

Follow us on:
www.dailypioneer.com
@thedailypioneer
dailypioneer
dailypioneer

RNI N0. UPHIN/2010/36547 | वर्ष-16 | अंक-47 | लखनऊ, शुक्रवार, 5 दिसंबर 2025 | पृष्ठ-12, मूल्य 6 रुपये | (नगर संस्करण)

दो दिन के भारत दौरे पर दिल्ली पहुंचे रूस के राष्ट्रपति

पीएम मोदी ने की पुतिन की अगवानी

एजेंसी। नई दिल्ली

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन बृहस्पतिवार शाम को दो दिन के दौरे पर नयी दिल्ली पहुंचे। इस यात्रा का उद्देश्य लगभग आठ दशक पुरानी भारत-रूस साझेदारी को और मजबूत करना है, एक ऐसी साझेदारी जो जटिल भू-राजनीतिक माहौल के बावजूद स्थिर बनी हुई है। हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति का स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को होने वाली 23वीं भारत-रूस शिखर वार्ता को लेकर बेहतर माहौल बनाने के उद्देश्य से आज शाम पुतिन के लिए एक निजी रात्रिभोज की मेजबानी की।

दोनों पक्षों के बीच व्यापार के क्षेत्रों सहित कई समझौते होने की उम्मीद

दोनों नेताओं के बीच होने वाली वार्ता का मुख्य विषय रक्षा संबंधों को मजबूत करना, भारत-रूस व्यापार को बाहरी दबाव से सुरक्षित रखना और छोटे मॉड्यूलर संयंत्रों में सहयोग की संभावनाओं की तलाश जैसे मुद्दों पर केंद्रित होगा। इस बैठक पर पश्चिमी देशों द्वारा करीबी नजर रखे जाने की संभावना है। रूसी नेता का नयी दिल्ली का लगभग 27 घंटे का दौरा इसलिए और भी अहम हो गया है क्योंकि यह भारत-अमेरिका संबंधों में तेजी से आ रही गिरावट की पृष्ठभूमि में हो रहा है।

बैठक के बाद दोनों पक्षों के बीच व्यापार के क्षेत्रों सहित कई समझौते होने की उम्मीद है। दोनों नेताओं के बीच बैठक से पहले शुक्रवार सुबह राष्ट्रपति भवन में पुतिन का औपचारिक स्वागत किया जाएगा। बैठक हैदराबाद हाउस में होगी, जहां मोदी राष्ट्रपति पुतिन और उनके प्रतिनिधिमंडल के लिए भोज का आयोजन करेंगे और इस दौरान कई मुद्दों पर चर्चा भी होगी। मामले से परिचित लोगों के अनुसार, पुतिन सुबह राजघाट भी जाएंगे। बैठक के बाद पुतिन रूसी सरकारी प्रसारक का नया इंडिया चैनल भी शुरू करेंगे, जिसके बाद वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा उनके सम्मान में दिए जाने वाले राजकीय भोज में शामिल होंगे। रूसी नेता के शुक्रवार रात करीब नौ बजे भारत से रवाना होने की संभावना है।

सम्मान में रात्रिभोज का आयोजन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सम्मान में एक निजी रात्रिभोज की मेजबानी की। पुतिन की यात्रा ऐसे वक्त हो रही है जब भारत और अमेरिका के बीच संबंध तनावपूर्ण हैं। रूसी राष्ट्रपति की यात्रा का मकसद समग्र द्विपक्षीय रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी को विस्तार देना है। मोदी और पुतिन के बीच शुक्रवार को होने वाली शिखर वार्ता में रक्षा सहयोग बढ़ाने, द्विपक्षीय व्यापार को बाहरी दबावों से सुरक्षित रखने और छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर के क्षेत्र में संभावित सहयोग पर विशेष ध्यान दिए जाने की संभावना है। माना जा रहा है इस वार्ता पर पश्चिमी देशों की पैनी निगाह रहेगी।

यूक्रेन संघर्ष पर भी बातचीत संभव

रूस के राष्ट्रपति के कार्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि पश्चिमी प्रतिबंधों के मद्देनजर भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल की खरीद में कुछ समय के लिए गिरावट आ सकती है, लेकिन उन्होंने साथ ही कहा कि मॉस्को आपूर्ति बढ़ाने के लिए कदम उठा रहा है। शिखर सम्मेलन में पुतिन द्वारा मोदी को यूक्रेन संघर्ष समाप्त करने के अमेरिका के प्रयासों से अवगत कराए जाने की भी संभावना है। भारत लगातार कहता रहा है कि युद्ध खत्म करने का रास्ता केवल संवाद और कूटनीति से होकर गुजरता है। मोदी और पुतिन की बातचीत के बाद दोनों देशों के बीच कई समझौतों पर हस्ताक्षर होने की संभावना है।

प्रधानमंत्री ने नौसेना दिवस पर दी बधाई

नौसेना अदम्य साहस व दृढ़ संकल्प का पर्याय

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को नौसेना दिवस पर बल के कर्मियों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि भारतीय नौसेना अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प का पर्याय है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में यह भी कहा कि हाल के वर्षों में नौसेना ने आत्मनिर्भरता और आधुनिकीकरण पर ध्यान केंद्रित किया है और इससे हमारी सुरक्षा व्यवस्था की मजबूती में वृद्धि हुई है। चार दिसंबर को नौसेना दिवस, 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका की याद दिलाता है।

हमारे तटों की सुरक्षा करते हैं भारतीय नौसैनिक

भारतीय नौसेना की मिसाइल बोट्स ने ऑपरेशन ट्राइडेंट के तहत कराची बंदरगाह पर जोरदार हमला किया था। नौसेना के सभी कर्मियों को नौसेना दिवस की शुभकामनाएं। हमारी नौसेना अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प का पर्याय है। वे हमारे तटों की सुरक्षा करते हैं और हमारे सामुद्रिक हितों को बनाए रखते हैं। हाल के वर्षों में हमारी नौसेना ने आत्मनिर्भरता और आधुनिकीकरण पर ध्यान केंद्रित किया है। इससे हमारी सुरक्षा व्यवस्था और सुदृढ़ हुई है। उन्होंने हाल के एक अवसर को भी याद किया जब उन्होंने भारत के स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर नौसेना कर्मियों के साथ समय बिताया था।

भारत को कई चीतों का घर होने पर गर्व

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने कहा कि प्रोजेक्ट चीता खोई हुई पारिस्थितिक विरासत को पुनर्जीवित करने का एक प्रयास है व उन्होंने वन्यजीव प्रेमियों से आग्रह किया कि वे चीतों को उनकी पूरी भव्यता में देखने के लिए भारत आएं। अंतरराष्ट्रीय चीता दिवस पर एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने सभी वन्यजीव प्रेमियों और संरक्षणवादियों को शुभकामनाएं दीं। तीन साल पहले हमारी सरकार ने इस शानदार पशु की सुरक्षा और उस पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल करने के उद्देश्य से प्रोजेक्ट चीता शुरू किया था जिसमें यह फल-फूल सके।

संक्षिप्त समाचार

जजों की आयु सीमा बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं : सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में कहा कि देश की विभिन्न अदालतों में न्यायाधीशों की पद पर बने रहने की आयु सीमा बढ़ाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। उच्च सदन में विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने प्रश्नकाल के दौरान भाजपा के संजय सेठ द्वारा पूछे गये एक प्रश्न के उत्तर में यह बात कही। सेठ ने पूरक प्रश्न पूछते हुए सरकार का ध्यान दिलाया कि सरकार द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में उठाये गये विभिन्न कदमों से देश में नागरिकों की औसत आयु सीमा बढ़ गयी है। सेठ ने कहा कि अमेरिका में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश आजीवन सेवा देते हैं, जबकि ब्रिटेन, बेल्जियम, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया आदि देशों में इनकी आयु 70 वर्ष तक होती है। उन्होंने कहा कि भारत में जिला अदालतों में न्यायाधीशों की आयु सीमा 60 वर्ष, उच्च न्यायालयों में 62 वर्ष और उच्चतम न्यायालय में 65 वर्ष है। उन्होंने सरकार से जानना चाहा कि अदालतों में लंबित मामलों की बड़ी संख्या को देखते हुए क्या वह न्यायाधीशों की पद पर बने रहने की आयु सीमा बढ़ाने पर विचार कर रही है।

बाबरी बनाने का ऐलान करने वाला टीएमसी विधायक सस्पेंड

कोलकाता/बहरामपुर। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी मस्जिद के निर्माण की घोषणा करके विवाद खड़ा करने वाले भरतपुर के विधायक हुमायूं कबीर को बृहस्पतिवार को पार्टी से निलंबित कर दिया। पिछले कुछ वर्षों में पार्टी के आंतरिक मामलों समेत विभिन्न मुद्दों पर विवादित बयान देकर चर्चा में रहे कबीर ने कहा था कि छह दिसंबर को बेलडांगा में मस्जिद की आधारशिला रखी जाएगी। छह दिसंबर 1992 को अयोध्या में बाबरी मस्जिद ढहा दी गई थी। तृणमूल के वरिष्ठ नेता फिरहाद हाकिम ने निलंबन की घोषणा करते हुए कहा कि कबीर का व्यवहार ऐसे समय में घोर अनुशासनहीनता है, जब पार्टी राज्य में शांति और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए काम कर रही है।

ईडी ने उत्तर प्रदेश के तीन शहरों में छापे मारे

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बृहस्पतिवार को झारखंड पोंजी योजना में धन शोधन जांच के तहत उत्तर प्रदेश के तीन शहरों में छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि इस योजना के तहत जमाकर्ताओं से 300 करोड़ रुपये की ठगी करने का आरोप है। मैक्सीजोन पोंजी योजना से संबंधित मामले में नोएडा, गाजियाबाद और मेरठ में कम से कम 20 परिसरों की तलाशी ली जा रही है। यह योजना कथित तौर पर दो लोगों चंद्र भूषण सिंह और प्रियंका सिंह ने शुरू की थी। झारखंड पुलिस द्वारा कुछ महीने पहले गिरफ्तार किए जाने के बाद से दोनों आरोपी अभी न्यायिक हिरासत में हैं।

दबाव कम करने के लिए बढ़ाएं स्टॉफ

एजेंसी। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने मतदाता सूचियों के समयबद्ध विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में जुटे बूथ स्तरीय अधिकारियों पर कामकाज का अत्यंत दबाव होने के आरोपों से जुड़ी याचिका पर गौर करते हुए बृहस्पतिवार को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को और अधिक कर्मचारियों को तैनात करने का निर्देश दिया है ताकि बीएलओ के कामकाज के घंटो में कमी लाई जा सके। शीर्ष अदालत टीवीके की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें निर्वाचन आयोग को यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि समयबद्ध तरीके से ड्यूटी न निभाने के लिए बीएलओ के खिलाफ प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत कोई दंडात्मक कार्रवाई न की जाए। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने टीवीके की ओर से पेश वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन की दलीलों पर गौर किया कि कुछ निर्देश जारी किए जाने की आवश्यकता है क्योंकि चुनाव आयोग के अधिकारियों की ओर से दबाव डाले जाने के कारण कई बीएलओ की मौत हो चुकी है।

कम किए जाएं घंटे

अदालत ने आदेश में कहा कि राज्य सरकारें चुनाव निर्वाचन के अधीन अतिरिक्त कर्मचारियों को तैनात करने की आवश्यकता पर विचार कर सकती हैं ताकि कामकाज के घंटे आनुपातिक रूप से कम किए जा सकें। पीठ ने कहा कि यदि किसी कर्मचारी के पास एसआईआर ड्यूटी से छूट मांगने का कोई विशिष्ट कारण है, तो राज्य सरकार का संबंधित अधिकारी ऐसे अनुरोधों पर मामलों के आधार पर विचार कर सकता है और उस कर्मचारी की जगह किसी अन्य को तैनात कर सकता है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह का शुभारंभ

महापुरुष,संस्कृति व परंपराएं राष्ट्र की पहचान

पायनियर समाचार सेवा। गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह-2025 के शुभारंभ अवसर पर स्वदेश, स्वधर्म व राष्ट्रीय स्वाभिमान का जिक्र किया और कहा कि जब भी हम संकट में होते हैं या कोई राष्ट्रीय चुनौती होती है तो महापुरुषों के चित्र, उनके शौर्य व पराक्रम नई ऊर्जा देते हैं। महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी, गुरु गोविंद सिंह, रानी लक्ष्मीबाई समेत सीमाओं की रक्षा करते हुए बलिदान देने वाले भारत मां के बहादुर जवान देश के लिए प्रेरणा हैं।

महंत दिग्विजयनाथ महाराज ने 1932 में गोरखपुर में की थी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना : गोरक्षपीठाधीश्वर

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्र की पहचान वहां की संस्कृति, परंपराएं और महापुरुष होते हैं, यह एक-दूसरे से जुड़े हैं। राष्ट्र की संस्कृति समाप्त हो जाए तो राष्ट्र अपनी एकात्मता व पहचान को खो देता है। संस्कृति उन राष्ट्रीय मूल्यों से बनती है, जिन्हें समय-समय पर अलग-अलग युगांतकारी घटनाओं ने संबल और शक्ति दी। जिन्हें विभिन्न पर्वों के माध्यम से पूरा भारत बिना भेदभाव के आत्मसात करता है। पर्व में मतभेदों को समाप्त करके हम 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की अभिव्यक्ति को प्रदर्शित करते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब भी हम संकट में होते हैं तो महापुरुषों के शौर्य व पराक्रम नई ऊर्जा देते है। महंत दिग्विजयनाथ महाराज द्वारा 1932 में गोरखपुर में स्थपित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह-2025 का शुभारंभ उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट योगेंद्र डिमरी (से.नि.) ने किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष के रूप में कार्य करने वाले स्मृतिशेष प्रो. यूपी सिंह व अन्य दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद अगले छह वर्ष के अंदर होने वाले शताब्दी महोत्सव के कार्यक्रम के साथ बढ़ रहा है। ऐसे में शिक्षा परिषद व संस्थाओं के सामने 100 वर्षों की इस यात्रा के आत्ममंथन का अवसर है। यह समारोह इस पर आत्मावलोकन का अवसर प्रस्तुत कर रहा है कि छात्र के सर्वांगीण विकास, समाज व राष्ट्र के प्रति हमने अपनी भूमिका का निर्वहन किस रूप में किया है। हमारे संस्थापकों ने छात्र-छात्राओं के सामने महाराणा प्रताप के रूप में आदर्श रखा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण, अपनी संकल्पना और भावना को बढ़ाने के लिए संस्थापकों ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की। समारोह में महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, जिला पंचायत अध्यक्ष साधना सिंह, कुलपति प्रो. पूनम टंडन, प्रो. जेपी सैनी, प्रो. रविशंकर सिंह, डॉ. सुरेंद्र सिंह, विधायक फतेह बहादुर सिंह, विपिन सिंह, महेंद्र पाल सिंह, इंजी. सरवन निषाद, प्रदीप शुक्ला, विधान परिषद सदस्य डॉ. धर्मेंद्र सिंह, रतनपाल सिंह, पूर्व महापौर अंजू चौधरी आदि मौजूद रहे।

शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थाएं बने मॉडल : योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महंत दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज द्वारा शोध पत्रिका 'दिग्विजयम' और महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज द्वारा 'मिशन मंझरिया' के विमोचन का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एक ओर शिक्षित बेरोजगारों की फौज खड़ी होती है तो दूसरी तरफ निरक्षरता की लंबी खाई दिखाई पड़ती है। महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज को इसमें योजक की भूमिका में दिखाई दिया है। यहां के शिक्षा संकाय के छात्रों द्वारा गांव को शत-प्रतिशत साक्षर बनाने के लक्ष्य को बढ़ाने की दिशा में गोद लिया गया, उन्होंने इसे मॉडल स्टडी के रूप में प्रस्तुत किया। सीएम योगी ने कहा कि शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थाओं को मॉडल स्टडी का माध्यम बनना ही होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारतीय संस्कृति में किसी भी मनुष्य के लिए अयोग्य शब्द नहीं कहा गया है। अयोग्य मतलब उसकी मनुष्यता पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर रहे हैं। यदि कोई व्यक्ति अयोग्य है तो इसका मतलब कोई योजक नहीं है। उन्होंने कहा कि अयोग्यता-निरक्षरता शैक्षिक समाज पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। सीएम योगी ने परिषद के सभी शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थाओं द्वारा सेवा भाव के कार्यों का जिक्र किया।

नागर विमानन महानिदेशालय के नए नियमों से ऑपरेशन प्रभावित,डीजीसीए ने एयरलाइन से मांगा जवाब

लखनऊ एयरपोर्ट पर हंगामा, इंडिगो की उड़ानों में देरी से आक्रोश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/नई दिल्ली

अमौसी स्थित लखनऊ एयरपोर्ट पर गुरुवार को यात्रियों का गुस्सा फूट पड़ा। इंडिगो विमान सेवाओं की कई उड़ानें कल रात से ही लगातार लेट होने के कारण यात्रियों में भारी नाराजगी देखी गई। लंबे इंतजार और एयरलाइन की तरफ से कोई स्पष्ट अपडेट न मिलने पर यात्रियों ने एयरलाइन के खिलाफ नारेबाजी भी की।

परिचालन संकट गहराया, हजारों यात्री हो रहे परेशान

इंडिगो की कई घरेलू उड़ानें निर्धारित समय से कई-कई घंटे लेट चल रही हैं। कई उड़ानों की स्थिति भी स्पष्ट नहीं हो सकी। देर रात से फ्लाइट कैंसल या री-शेड्यूल होने की आशंका में यात्रियों को एयरपोर्ट पर ही रुके रहना पड़ रहा है। इससे यात्रियों में आक्रोश बढ़ा। यात्रियों ने आरोप लगाया कि इंडिगो की ओर से न तो मैसेज भेजा गया और न ही काउंटर पर कोई ठोस जानकारी दी जा रही है। कई यात्रियों ने बताया कि वे एयरपोर्ट पर मौजूद हैं, लेकिन एयरलाइन की तरफ से न कोई घोषणा की गई और ना ही वैकल्पिक इंतजाम किए गए। फ्लाइट में देरी से परेशान यात्रियों ने एयरलाइन प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की। एयरलाइन इंडिगो में परिचालन व्यवधान लगातार तीसरे दिन बृहस्पतिवार को भी जारी रहने से 300 से अधिक घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को रद्द कर दिया गया जबकि कई उड़ानें देर से रवाना हुईं। इस वजह से हजारों यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने कहा कि दोपहर तक दिल्ली में इंडिगो की 95, मुंबई में 85, हैदराबाद में 70 और बेंगलुरु में 50 उड़ानें रद्द की गईं। अन्य हवाई अड्डों पर भी उड़ानें रद्द होने और देरी से संचालित होने की बात सामने आई है। देश के छह प्रमुख हवाई अड्डों- दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद के संयुक्त आंकड़ों के आधार पर एयरलाइन की समयपालन दर बुधवार को गिरकर 19.7 प्रतिशत पर आ गई जबकि दो दिसंबर को यह 35 प्रतिशत थी। समय पर उड़ानों के संचालन के लिए चर्चित इंडिगो के उड़ान प्रबंधन में आई इतनी बड़ी गिरावट पर यात्रियों के साथ विमानन क्षेत्र के हितधारक भी सवाल उठा रहे हैं।दरअसल उड़ान ड्यूटी की सीमा तय करने वाले नए एफडीटीएल नियम लागू होने के बाद से ही एयरलाइन चालक दल की कमी का सामना कर रही है। नए नियमों के तहत पायलटों के लिए साप्ताहिक विश्राम समय बढ़ाया गया है और रात में लैंडिंग की संख्या सीमित की गई है ताकि उड़ान सुरक्षा को मजबूत किया जा सके। पायलट निकाय फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स (एफआईपी) और एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएलपीए) ने इस समस्या के लिए इंडिगो को ही जिम्मेदार ठहराते हुए कहा है कि एयरलाइन के पास नियम लागू होने से पहले तैयारी के लिए दो साल का समय था लेकिन उसने भर्ती प्रक्रिया को धीमा रखा। इसके साथ ही पायलट संगठनों ने डीजीसीए से अनुरोध किया है कि एयरलाइंस को तब तक मौसमी उड़ान समय-सारणी की मंजूरी न दी जाए जब तक वे चालक दल की पर्याप्त उपलब्धता का प्रमाण न दें।

इंडिगो ने बुधवार को अपने बयान में कहा था कि उसकी परिचालन समस्याएं कई कारणों से पैदा हुई हैं जिनमें 'तकनीकी गड़बड़ियां, शीतकालीन उड़ान समय-सारणी के बदलाव, प्रतिकूल मौसम, बढ़ती भीड़भाड़ और नए रोस्टरिंग नियम' शामिल हैं। इंडिगो ने कहा है कि वह इस परिचालन समस्या पर काबू पाने के लिए शुक्रवार तक उड़ानों का संतुलित समायोजन करने जा रही है जिसमें कुछ उड़ानों को रद्द करने के साथ कुछ उड़ानों को पुनर्निर्धारित किया जाएगा। इस बीच, इंडिगो की मूल कंपनी इंटर ग्लोब एविएशन का शेयर बीएसई में 2.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ 5,466.55 रुपये पर आ गया।

देशभर में 300 उड़ानें रद

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो में परिचालन व्यवधान लगातार तीसरे दिन बृहस्पतिवार को भी जारी रहने से 300 से अधिक घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को रद्द कर दिया गया जबकि कई उड़ानें देर से रवाना हुईं। इस वजह से हजारों यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने कहा कि दोपहर तक दिल्ली में इंडिगो की 95, मुंबई में 85, हैदराबाद में 70 और बेंगलुरु में 50 उड़ानें रद्द की गईं। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने उड़ानों में हो रही भारी देरी और रद्दीकरण को गंभीरता से लेते हुए एयरलाइन से विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा है।

बीजापुर में टॉप लीडर समेत 18 नक्सली ढेर

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में बुधवार को सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ के बाद बृहस्पतिवार सुबह तक छह अन्य नक्सलियों के शव बरामद किए गए। इलाके में अभियान अभी भी जारी है।पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इसके साथ ही मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों की संख्या बढ़कर 18 हो गई है। इस मुठभेड़ में राज्य पुलिस की इकाई जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के तीन जवानों की भी मृत्यु हुई है। बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. ने बताया कि करीब 12 घंटे तक रुक-रुक कर हुई गोलीबारी के बाद, बुधवार देर शाम तक 12 नक्सलियों के शव बरामद किए गए। सुंदरराज ने बताया कि इलाके में तलाश अभियान के दौरान बृहस्पतिवार सुबह तक छह और शव बरामद किए गए और इसके साथ ही मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों की संख्या 18 हो गई। सुंदरराज ने पट्टिलिंगम ने कहा कि मारे गए नक्सलियों में से एक की पहचान मोडियामी वेल्ला के रूप में हुई है, जबकि बाकी मृत नक्सलियों की पहचान की जा रही है। उन्होंने बताया कि वेल्ला माओवादियों की पीएलजीए की कंपनी नंबर दो के कमांडर के तौर पर सक्रिय था और सुरक्षाबलों पर हमलों की कई घटनाओं में शामिल था।

पायनियर
लखनऊ, शुक्रवार, 5 दिसंबर 2025

भारतीय मूल्यों और संस्कारों पर आधारित शिक्षण संस्थान की स्थापना, सच्ची राष्ट्रसेवा : योगेंद्र डिमरी

पायनियर समाचार सेवा। गोरखपुर

गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक-सप्ताह समारोह 2025 का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, लेफ्टिनेंट जनरल योगेंद्र डिमरी जी (से.नि.) शामिल हुए। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए लेफ्टिनेंट जनरल योगेंद्र डिमरी ने छात्र-छात्राओं को महाराणा प्रताप के अनुकरणीय जीवन से प्रेरणा लेने और जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए अनुशासन, साहस, समर्पण, समानता और प्रतिबद्धता के मूल्यों को अपनाने लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने कहा कि देशभक्ति केवल सीमा पर साहस दिखाना ही नहीं बल्कि इमानदारी से अपने कर्तव्य का पालन करना, पर्यावरण की रक्षा, लोक कल्याण और समाज का एक अच्छा नागरिक बनना भी वास्तविक देशभक्ति है। उन्होंने कहा कि आप सभी सौभाग्यशाली हैं कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के माध्यम से आप सफलता के इन मूल्यों का संस्कार प्राप्त कर रहे हैं।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक-सप्ताह समारोह 2025 के उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन गोरखपुर में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए लेफ्टिनेंट जनरल योगेंद्र डिमरी (से.नि.) ने अंग्रजों के शासन और स्वतंत्रा संघर्ष के दौरान भारतीय संस्कारों और शिक्षा मूल्यों पर आधारित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना और उसके निरंतर राष्ट्रसेवा में योगदान देने की सरहाहना की एवं शिक्षा परिषद के संस्थापकों के प्रति आभार और सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जब देश में अग्रेंजी शासन और अंग्रेजियत का बोलबाला था ऐसे में 1916 में काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी और 1932 में महाराणा प्रतापा शिक्षा परिषद की गोरखपुर में नींव रखना भारतीयता और राष्ट्र की सच्ची सेवा थी।

उन्होंने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक महंत दिग्विजय नाथ, राष्ट्र संत महंत अवेद्यनाथ व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं शिक्षा परिषद के सभी शिक्षकों राष्ट्रसेवा के इस संकल्प को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया। उद्घाटन अवसर पर छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा ही महाराणा प्रताप का जीवन हम सबके लिए अनुकरणीय है किस प्रकार उन्होंने अकेले, अन्य राजपूत राजाओं के सहयोग के बिना भी शक्तिशाली मुगल साम्राज्य की अवज्ञा की और आत्मबलिदान, त्याग और समर्पण के मूल्यों की अमर गाथा हम सबके लिए ये प्रस्तुत की। यही कारण था कि 17वीं शताब्दी में छत्रपति शिवाजी महाराज हो या 19वीं, 20वीं शताब्दी के राष्ट्र के क्रांतिकारियों ने उनसे प्रेरणा प्राप्त की।

महाराणा प्रताप के जीवन से हमें अनुशासन, ईमानदारी, समर्पण और प्रतिबद्धता के जिन मूल्यों की शिक्षा मिलती है वो ही आपको जीवन में सफल बनाएंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि आप सभी सौभाग्यशाली हैं कि महाराणा प्रताप शिक्षण संस्थान में आप इन मूल्यों और संस्कारों को प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि देशभक्ति केवल देश की सीमा पर साहस दिखाना ही नहीं, इमानदारी से अपने कर्यव्यों का निर्वहन करने, पर्यावरण संरक्षण, लोक कल्याण और अच्छा नागरिक बनान सच्ची देशभक्ति हैं। अपने जीवन के व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि सेना भी ऐसे नौजवानों को चुनती है जो जीवन में अनुशासन, समर्पण और कर्तव्यपालन को सर्वोपरी मानते हैं। अनुशासन ही सफलात की सीढ़ी है। उन्होंने शिक्षा परिषद की प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं को भागीदारी करने के लिए भी प्रेरित किया और कहा की हार और जीत निर्णायक नहीं है प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करना सबसे जरूरी है। असफलता से निराश होने की जरूरत नहीं है, असफलता ही हमें सफलता का मार्ग दिखाती है। उन्होंने सचिन तेंदुलकर के जीवन का प्रसंग और परिणाम की चिंता किए बगैर कर्व्यपालन करने के भागवत गीता के श्लोक-कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन को अनुकरणीय बताया। साथ ही उन्होंने तेजी से बदल रही तकनीकि, एआई, रोबोटिक्स के प्रति भी छात्रों को सजग रहने को कहा।

उन्होंने बताया कि आने वाले समय में केवल एक मजबूत चरित्र और सही तकनीक की समझ ही सफलता दिलाएगी। लेकिन हमें ये याद रखना है कि विजय मैदान में नहीं मन पर होती है, शक्ति हथियार में नहीं संस्कार में होती है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद से जुड़े शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों ने निकाली शोभायात्रा

पायनियर समाचार सेवा। गोरखपुर

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह-2025 में गुरुवार को गोरक्षनगरी में 'समूचा हिंदुस्तान' उमड़ पड़ा। एक तरफ उत्साह, उमंग से लबरेज युवाओं ने भारतीय संस्कृति, अनुशासन व विरासत के सम्मान का संदेश दिया तो दूसरी तरफ भारत के शौर्य, पराक्रम के साथ ही सम्मान के प्रतीक महापुरुषों के प्रति श्रद्धा निवेदित की। गोरखपुर की सड़कों पर युवाओं ने अनुशासन का अद्भुत समन्वय प्रस्तुत किया। भारत की सांस्कृतिक धरोहरों, तकनीकी विकास, सुरक्षा व महापुरुषों की विचारधारा संग भारतीय वेशभूषा संग निकली शोभायात्रा ने सभी को अपनी ओर आकर्षित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट योगेंद्र डिमरी (से.नि.) ने दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय की शोध पत्रिका 'दिग्विजयम' और महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज, जंगल धूषड़ द्वारा 'मिशन मंझरिया' की संक्षिप्त रिपोर्ट का विमोचन किया। समारोह स्थल पर पहुंचने के उपरांत एनसीसी के कैडेट्स ने मुख्य अतिथि को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। मुख्य अतिथि ने पुस्तिका पर अपने विचार भी लिखे। मुख्यमंत्री व मुख्य अतिथि ने 'विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश @2047' प्रदर्शनी का अवलोकन किया। समारोह स्थल पर 9000 से अधिक विद्यार्थी मौजूद रहे। समारोह के शुभारंभ समारोह में महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज की छात्राओं ने सरस्वती वंदना व कुलगीत प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि ने शोभायात्रा के शुभारंभ की घोषणा की।

स्वस्थ मिट्टी से ही सुरक्षित रहेगा धरती मां और जीवों का स्वास्थ्य

- कृषि विज्ञान केंद्रों, कृषि विश्वविद्यालयों और कृषि प्रक्षेत्रों पर आयोजित होंगे वैज्ञानिक-किसान संवाद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विश्व मृदा दिवस के अवसर पर शुक्रवार को आयोजित होने वाले कार्यक्रम के लिए प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने किसानों से अपील की है कि वे अपने खेतों की मिट्टी का स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से मृदा जांच अवश्य कराएं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ मृदा मानव स्वास्थ्य, प्रकृति और पर्यावरण के लिए अत्यंत आवश्यक है। यह हमारे भोजन की गुणवत्ता निर्धारित करती है और पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मिट्टी की जांच से हमें पता चलता है कि कौन से पोषक तत्व आवश्यक हैं, जिससे किसान अंधाधुंध उर्वरक के प्रयोग से बच सकते हैं। मृदा स्वास्थ्य को बचाए रखने के लिए हमें संतुलित मात्रा में खाद और उर्वरकों का उपयोग करना चाहिए और फसल चक्र अपनाना चाहिए। यह सावधानियां भविष्य में न केवल उत्पादन की लागत को कम करेंगी बल्कि जमीन की उर्वरता को भी लंबे समय तक सुरक्षित रखेंगी, जिससे आने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ और उपजाऊ भूमि मिल सकेगी।

विश्व मृदा दिवस के अवसर पर, प्रदेश भर में मृदा स्वास्थ्य स्तर में सुधार लाने के विषय पर कृषक वैज्ञानिक संवाद एवं राज्य स्तरीय कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन के तहत मृदा के स्वास्थ्य स्तर विषय पर एक संगोष्ठी की जाएगी। साथ ही, फसलों में समेकित पोषक तत्वों के प्रयोग के महत्व विषय पर कृषकों से संवाद किया जाएगा, और मृदा उर्वरता स्तर बनाए रखने हेतु मॉडल विकसित कराए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान, कृषि विश्वविद्यालयों तथा सम्बद्ध विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा वर्तमान मृदा स्वास्थ्य की स्थिति तथा सुधार विषय पर प्रस्तुति की जाएगी। व्यापक जागरूकता के लिए, जनपद से सम्बन्धित समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों पर क्षेत्रीय कृषकों को आमंत्रित करके प्रशिक्षित एवं जागरूक कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त, मृदा परीक्षण के सजीव प्रदर्शन के लिए विभिन्न स्टॉलों के माध्यम से भी जागरूकता कार्यक्रम कराया जाएगा। इस कार्यक्रम के व्यापक आयोजन के लिए कृषि विभाग द्वारा प्रदेश भर के 89 कृषि विज्ञान केंद्रों, सभी कृषि विश्वविद्यालयों तथा कृषि प्रक्षेत्रों पर किसानों के साथ संवाद स्थापित करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। कृषि निदेशालय, लखनऊ के ऑडोटोरियम में मृदा स्वास्थ्य एवं प्रबंधन विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। समस्त कृषि विश्वविद्यालयों एवं सम्बद्ध कृषि विज्ञान केन्द्रों पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। समस्त राजकीय कृषि प्रक्षेत्रों पर अपर कृषि निदेशक (बीज एवं प्रक्षेत्र) के माध्यम से कार्यक्रम के आयोजन के लिए समस्त जिला कृषि अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

अरुण प्रताप सिंह बने राजपूत करणी सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष

पायनियर संवाददाता। लखनऊ

देश के प्रति समर्पण का भाव रखने वाले व्यक्तित्व के धनी अरुण प्रताप सिंह को राजपूत करणी सेना के उपाध्यक्ष बनाया गया है। उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी प्रदेश के अध्यक्ष दुर्गेश सिंह 'दीपू' एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना ने अरूण प्रताप सिंह को दी है। समाज में सक्रियता, लोकप्रियता और राष्ट्र के प्रति समर्पण भावना को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी एनजीओ प्रकोष्ठ लखनऊ महानगर के संयोजक एवं मां गायत्री जन सेवा संस्थान के अध्यक्ष अरुण प्रताप सिंह को राजपूत करणी सेना उत्तर प्रदेश का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। अरुण प्रताप सिंह अमेठी जनपद की गौरीगंज विधानसभा सीट से आते हैं। लेकिन उनकी कर्मभूमि लखनऊ रही है क्योंकि उन्होंने भारतीय जनता पार्टी में रहकर विभिन्न दायित्वों का निर्वहन किया है एवं एक वरिष्ठ समाजसेवी के रूप में लखनऊ ही नहीं बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश में अपनी अमिट छाप छोड़ी हैं। सभी के सुखःदुख में वह सदैव खड़े रहते हैं।

समाज के प्रति उनके समर्पण भाव को देखते हुए राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष दुर्गेश सिंह दीपू द्वारा अरुण प्रताप सिंह को नियुक्ति पत्र देकर स्वागत अभिनंदन किया गया। अरुण प्रताप सिंह के चाहने वाले एवं उनके टीम के सभी लोगों ने बहुत खुशी जाहिर किया है एवं बधाइयां देने के लिए लोग आवास पर पहुंच रहे हैं।

सूर्यवंश की राजधानी में सौर ऊर्जा को बढ़ावा दे रही योगी सरकार

- पूरा अयोध्या मंडल बन रहा सौर ऊर्जा मंडल

पायनियर समाचार सेवा। अयोध्या

पीएम नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सूर्यवंश की राजधानी अयोध्या सौर ऊर्जा सिटी के रूप मे विकसित हो रही है। अयोध्या मंडल में इसका बड़ा असर दिख रहा है। बड़ी संख्या में लोग सौर ऊर्जा कनेक्शन ले रहे हैं। इस वर्ष अब तक अयोध्या मंडल के लगभग 33269 लोग पंजीकरण करा चुके हैं, जबकि 16 हजार से अधिक लोग कनेक्शन ले चुके हैं। सबसे अहम बात यह है कि रजिस्ट्रेशन कराने और कनेक्शन लेने में बाराबंकी वासी अव्वल हैं, जबकि दूसरे स्थान पर रामनगरी अयोध्या है।

बिजली की बढ़ती आवश्यकताओं को देखते हुए केंद्र सरकार ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का शुभारंभ किया है। इससे लोगों को उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए आवश्यकता के अनुरुप बिजली मिल सकेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या को सोलर सिटी बनाने के लिए घोषणा की थी। इसके लिए यूपीनेडा की ओर से अयोध्या मे 40 मेगावाट का सोलर प्लांट स्थापित किया गया है। इसके अलावा घर-घर सौर ऊर्जा स्थापित किया जा रहा है। इस योजना का प्रसार प्रचार करने के लिए सोलर सखी द्वारा डोर टू डोर कैंपेन भी चलाया जा रहा है। सोलर रूफटॉप संयंत्रों की स्थापना के लिए प्रति किलोवॉट 10 वर्गमीटर छाया रहित छत की आवश्यकता होती है। एक किलोवॉट के रूफटॉप संयंत्र से औसतन प्रतिदिन 4-5 यूनिट बिजली का उत्पादन होता है।

संयंत्र से उत्पादित विद्युत का उपयोग भवन स्वामी द्वारा करने के उपरांत अवशेष विद्युत ग्रिड में चली जाती है। इसका नेटमीटरिंग के माध्यम से विद्युत बिल में संबंधित डिस्कॉम द्वारा समायोजन किया जाता है।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवासीय भूखण्ड सं0 1, रकबा 3600 वर्गफिट जो खसरा सं0-293 के भाग पर निर्मित है, स्थित-ग्राम-अहिबरनपुर, वार्ड त्रिवेणी नगर, लखनऊ का मूल विक्रय विलेख जो श्रीमती आरती पाण्डेय द्वारा मुख्तारेआम लाल मणि पाण्डेय द्वारा श्रीमती शशि गुप्ता के पक्ष में निष्पादित है जो कार्यालय उपनिबंधक द्वितीय लखनऊ में बही 1 जिल्द 1486 पृष्ठ 204-222 क्रमांक 6107 पर दिनांक 25.07.1997 को पंजीकृत है जो कि वर्तमान स्वामिनी श्रीमती नीरज सिंह द्वारा दिनांक 21.11.2025 को शाम 5 बजे से 6 बजे के बीच अलीगंज मार्केट में कहीं खो गया है जो बहुत खोजने पर भी नहीं मिला इसका किसी भी व्यक्ति/संस्था द्वारा प्रयोग पूर्णतः गैरकानूनी व शून्य होगा। उपरोक्त सम्पत्ति सरजू प्रसाद बाजपेई द्वारा आई0सी0आई0सी0आई0 एच.एफ.सी. से लोन के सापेक्ष बन्धक की जायेगी। यदि किसी भी व्यक्ति/संस्था को उपरोक्त विक्रय विलेख प्राप्त हुआ हो अथवा इस संदर्भ में कोई आपत्ति या हित है तो साक्ष्य व दस्तावेजो के साथ इस सूचना के प्रकाशन से 7 दिन के अन्दर अधोहस्ताक्षरी से सम्पर्क करें।
श्री अमित कुमार सिंह राठौर, अधिवक्ता, पता-चेम्बर 7, यू0जी0एफ0, कृष्णा टावर, चकबस्त रोड, कैसरबाग, लखनऊ। मो0-9559811119

पीएनबी बैंक व श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के बीच समझौता

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पंजाब नैशनल बैंक और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के बीच सैलरी अकाउंट के लिए ऐतिहासिक समझौते का शुभारंभ चंपत राय श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव और पंजाब नैशनल बैंक के अंचल प्रमुख मृत्युंजय के गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस समझौते के तहत ट्रस्ट के सभी कर्मचारियों को वेरिएंट्स के प्रीमियम सैलरी अकाउंट विशेष सुविधाओं के साथ प्रदान किए जाएंगे। शून्य बैलेंस सुविधा, सभी वेरिएंट्स में न्यूनतम बैलेंस की कोई अनिवार्यता नहीं होगी। ओवरड्राफ्ट एवं क्रेडिट कार्ड, सैलरी के आधार पर त्वरित ओवरड्राफ्ट, क्रेडिट कार्ड लिमिट सैलरी के 1-2 गुना तक, लाइफटाइम फ्री क्रेडिट कार्ड, ट्रेडिंग सुविधा भी मिलेगी। अंचल प्रमुख ने कहा कि यह समझौता राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कर्मचारियों को सुरक्षित, सरल, आधुनिक और सम्मानजनक बैंकिंग अनुभव प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपने कॉर्पोरेट कार्यालय में 'बैंकेबिलिटीज दिव्यांगजन की क्षमताओं पर विश्वास' थीम के तहत एक विशेष समारोह प्रायोजित करते हुए अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस 2025 मनाया। यह पहल कर्मचारियों और समाज के एक बड़े वर्ग के बीच जागरुकता लाने, समावेशन की कार्य-संस्कृति को बढ़ावा देने और दिव्यांगजन (पीडब्ल्यूडी) के सशक्तिकरण की दिशा में बैंक द्वारा किए गए निरंतर प्रयासों को दर्शाती है। इस कार्यक्रम में बीना वाहिद, कार्यपालक निदेशक, बैंक ऑफ बड़ौदा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में स्टाफ कर्मचारियों द्वारा एक जागरूकता नाटिका प्रस्तुत की गई तथा कुछ प्रेरक दिव्यांग शख्सियतों जैसे सुष्मिता बी बुबना, सीईओ, एसेंट नेटवर्क्स और संस्थापक मीडिया एंटरप्राइजेस-फैयदा तथा प्रेरणा ढोने, राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता, व्हीलचेयर बास्केटबॉल को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में दृष्टिबाधित बैंड 'बांसुरी ब्लिस' द्वारा एक मनमोहक प्रस्तुति दी गई और सेल्फ एस्टीम फाउंडेशन फॉर द डिसेबल्ड के दिव्यांग कलाकारो द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की एक प्रदर्शनी भी प्रदर्शित की गई। बीना वाहिद, कार्यपालक निदेशक, बैंक ऑफ बड़ौदा ने कहा, 'अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस' हमें स्मरण कराता है कि प्रत्येक व्यक्ति के भीतर अपार क्षमताएं निहित है।

डायबिटीज प्रजनन स्वास्थ को भी प्रभावित करती है : डॉ. मधुलिका

प्रयागराज। हाल के वर्षों में यह बात साफ़ हो गई है कि टाइप 2 डायबिटीज सिर्फ एक मेटाबॉलिज्म की दिक्कत नहीं है। यह प्रजनन स्वास्थ को भी प्रभावित करती है। डॉ. मधुलिका सिंह, फर्टिलिटी स्पेशलिस्ट, बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ, प्रयागराज बताते हैं कि कई बार जो बात नजरअंदाज हो जाती है, वह है खून में बढ़ती हुई शक्कर की मात्रा की परेशानी, गिरते टेस्टोस्टेरॉन का स्तर और पुरुषों की फर्टिलिटी के बीच छिपा हुआ यह त्रिकोण। असिस्टेड रिप्रोडक्शन (जैसे आईयूआई या आईवीएफ) पर विचार कर रहे दंपत्तियों के लिए इस त्रिकोण को समझना बहुत जरूरी है। अनियंत्रित डायबिटीज वाले पुरुषों में रीप्रोडक्टिव क्षमता में स्पष्ट बदलाव देखे गए हैं। एक बड़े अध्ययन में, जिसमें 20,000 से ज्यादा मोटापे से ग्रस्त पुरुषों और 1,300 से अधिक डायबिटिक पुरुषों को शामिल किया गया, यह पाया गया कि डायबिटीज वाले पुरुषों में वीर्य आयतन, शुक्राणु की संख्या और गतिशीलता उन पुरुषों की तुलना में कम थी जिन्हें डायबिटीज नहीं थी।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

मेरा नाम भागवत प्रसाद है जो की त्रुटिवश मूल कागजो में भागवत प्रसाद गुप्ता लिख गया है आज से मुझे भागवत प्रसाद के नाम से जाना पहचाना जाए भागवत प्रसाद S/O राधा कृष्ण गुप्ता ए.921/2 सेक्टर ए, मीना मार्केट इन्दिरा नगर, लखनऊ-226016 उ०प्र०

भाजपा अध्यक्ष की तैनाती सूबे के लिए बड़ा राजनीतिक संकेत

पार्टी महिला कार्ड चलेगी या सामाजिक संतुलन, बस कुछ ही दिनों का इंतजार

संजय धीमान। लखनऊ

सूबे में भाजपा का नया अध्यक्ष कौन होगा? पार्टी महिला कार्ड को लेकर चलेगी या फिर सामाजिक संतुलन पर ध्यान देगी, बस कुछ ही दिनों का इंतजार है। भाजपा अध्यक्ष की तैनाती सूबे के लिए बड़ा राजनीतिक संकेत होगा। महिला चेहरा उतार कर चुनाव से पहले आधी आबादी को बड़ा संदेश देगी, या फिर जातीय समीकरणों को देखते हुए किसी अनुभवी नेता को आगे लाएगी, इस पर सभी की नजरें टिकी हैं। पार्टी सूत्रों की माने तो बस 15 दिनों के अंदर कयासों के दौर समाप्त होने की संभावना है।

आगामी पंचायत चुनाव और 2027 विधानसभा चुनावों को लेकर भाजपा सजग है, सियासी गलियारें में इस बात की चिंता अवश्य है कि भाजपा यूपी में प्रदेश अध्यक्ष का ताज किसे पहनाती है। हालांकि संगठन में किसी प्रकार की कोई हलचल नजर नहीं आ रही है। हां यह अवश्य चर्चा का विषय है कि भाजपा या तो किसी महिला को या फिर किसी ओबीसी चेहरे को सूबे की कमान दे सकती है। महिला के बारे में यह कयास लगाए जा रहे कि अभी तक भाजपा ने किसी भी महिला को यूपी की कमान नहीं दी है ऐसे में महिला को भी प्राथमिकता दी जा सकती है, दूसरा ओबीसी चेहरा इसलिए हो सकता है कि भाजपा पश्चिमी यूपी को साधना चाहती है। पश्चिमी यूपी में किसान वोट बैंक मजबूत है।

सूबे में भाजपा के संगठनात्मक चुनावों की प्रक्रिया तेज होने के बाद कयास लगाए जा रहे है कि प्रदेश

अध्यक्ष का ऐलान 14 दिसंबर तक हो जायेगा। गौरतलब है कि प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी की कार्यकाल समाप्ति के बाद यह पद खाली है, और नए चेहरे को कमान सौंपने की कवायद चल रही है। खास बात यह है कि इस बार चर्चा सिर्फ नामों की नहीं, बल्कि इस संभावना की भी है कि भाजपा यूपी में पहली बार किसी महिला को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर बड़ा राजनैतिक संदेश दे सकती है। राजनीतिक हलकों में माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में जो भी चेहरा चुना जाएगा, वह सिर्फ यूपी को ही नहीं बल्कि पड़ोसी राज्यों के जातीय और चुनावी समीकरणों को भी छुएगा। कुछ महीने पहले राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने यूपी के तमाम बड़े नेताओं से राय ली थी। सीएम योगी आदित्यनाथ से लेकर दोनों डिप्टी सीएम, प्रदेश महामंत्री, मंत्रियों और संगठन पदाधिकारियों की राय पहले ही हाईकमान को भेजी जा चुकी है। कयासो के बीच भाजपा ने 33 फीसदी महिला आरक्षण की बात कही है और कई चुनावों में महिलाओं ने पार्टी को भारी समर्थन दिया है। बिहार इसका जीता-जागता उदाहरण है। ऐसे में यूपी में महिला प्रदेश अध्यक्ष बनाना पार्टी का मास्टरस्ट्रोक माना जा सकता है। रेस में तीन महिला नेताओं के नाम सबसे आगे बताए जा रहे हैं और खास बात यह है कि तीनों पिछड़े या दलित वर्ग से आती हैं। रेखा वर्मा, दो बार सांसद, संगठन में मजबूत पकड़ भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और उत्तराखंड की सह-प्रभारी हैं। संगठन और सत्ता दोनों में अनुभव रखने वाली रेखा वर्मा ने कई महत्वपूर्ण पदों की कमान संभाल चुकी हैं। पिछड़े वर्ग से आने के कारण भाजपा के सामाजिक समीकरण फिट करती हैं। साध्वी निरंजन ज्योति अपने आप में फायरब्रांड नेता है और केंद्र में मंत्री भी रह चुकीं है। महिला और ओबीसी चेहरा होने के कारण इनके नाम पर पार्टी गंभीरता से विचार कर सकती है। तीसरी प्रियंका रावत हैं जो दलित समाज से आने के कारण चर्चा में है। भाजपा अगर दलित महिला चेहरा आगे लाना चाहती है तो प्रियंका रावत एक मजबूत विकल्प मानी जा रही हैं। दूसरी तरफ पुरुष नेताओं की लंबी लाइन भी मुकाबले में हैं, अगर पार्टी महिला अध्यक्ष की ओर नहीं जाती है तो पिछड़े, सामान्य और दलित वर्ग से कई दिग्गज नाम भी कतार में हैं। पिछड़े वर्ग से केशव प्रसाद मौर्य, भूपेंद्र सिंह चौधरी, बीएल वर्मा, पंकज चौधरी, स्वतंत्र देव सिंह और अमरपाल मौर्य जैसे नाम सक्रिय चर्चा में हैं। सामान्य वर्ग में ब्रजेश पाठक, दिनेश शर्मा, हरीश द्विवेदी, श्रीकांत शर्मा, महेश शर्मा और सतीश गौतम जैसे नेताओं के नाम सामने आ रहे हैं। दलित वर्ग से विद्यासागर सोनकर, रामशंकर कठेरिया और बेबी रानी मौर्य भी रेस में हैं।

सार्वजनिक सूचना

अधोहस्ताक्षरी अपने मुवक्किल एल.आई.सी. हाउसिंग फाइनेन्स लि0, लखनऊ के निर्देशानुसार एल.आई.सी.एच.एफ.एल. एरिया आफिस शाहनजफ रोड, लखनऊ की ओर से सर्कुलर नं0-422/एनेक्जर-ई एल.आई.सी. एच.एफ.एल. के अन्तर्गत सूचित करता है कि गिरधारी पुत्र स्व0 ननहे के द्वारा मो0 अय्यूब खान पुत्र मो0 इदरीस खान के पक्ष में निष्पादित विक्रय अनुबन्ध पत्र दिनांक-08.11.1995 जो उपनिबन्धक लखनऊ मे बही सं0-1, जिल्द सं0-632, पृष्ठ सं0-25/40, क्रमांक-4882 पर दर्ज है व विक्रय विलेख दिनांक-03.06.1997 जो उपनिबन्धक लखनऊ मे बही सं0-1, जिल्द सं0-1207, पृष्ठ सं0-199/208, क्रमांक-4629 पर दर्ज है जो भूखण्ड खसरा सं0-1092, रकबा 6669 वर्गफिट स्थित-अमेठिया सलेमपुर, परगना-काकोरी, जिला-लखनऊ के सम्बन्ध मे है वर्तमान स्वामिनी श्रीमती सन्नोबर शबाना सिद्दीकी व कुरतुलइन युसुफ से उपरोक्त विक्रय अनुबन्ध पत्र व विक्रय विलेख खो गया है जो उनके अधिपत्य मे नही है। चूंकि मो0 जहीरूद्दीन द्वारा एल.आई.सी. हाउसिंग फाइनेन्स लि0 मे गृह ऋण के लिये आवेदन किया है तथा उक्त ऋण हेतु उक्त भूखण्ड/भवन के सम्बन्ध मे उक्त मूल विक्रय अनुबन्ध पत्र दि0-08.11.1995 व विक्रय विलेख दिनांक 03.06.1997 को बन्धक किया जाना है।
अतः जिस किसी व्यक्ति को उक्त मूल विक्रय अनुबन्ध पत्र दि0-08.11.1995 व विक्रय विलेख दिनांक-03.06.1997 उससे सम्बन्धित सम्पत्ति हेतु कोई दावा करना हो तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 15 दिनो की अवधि के अन्दर अपना दावा अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत कर सकता है। अन्यथा उक्त अवधि पूर्ण हो जाने पर यह मान लिया जायेगा कि उपरोक्त सम्पत्ति समस्त भारों विवादों व दायित्वों से मुक्त है तथा बन्धकर्ता तथा सम्पत्ति बन्धकदार के विरूद्ध कोई भी दावा व आपत्ति शून्य व अप्रभावी होगी।
हरित शुक्ला (एडवोकेट), 54-55, श्याम विहार, टाटा मोटर्स के पीछे, ढावा, लावण्या हॉस्पिटल के पास, देवा रोड, लखनऊ-226028, मो0- 9839128935, ईमेल-harilshukla@lawyer.com

अवैध बांग्लादेशी, रोहिंग्या पर महापौर का कड़ा प्रहार

15 दिन में शहर खाली करने का आदेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजधानी लखनऊ में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों के खिलाफ गुरुवार को महापौर सुषमा खर्कवाल के नेतृत्व में बड़े स्तर पर अभियान चलाया गया। लंबे समय से क्षेत्रीय लोगों से मिल रही शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए महापौर नगर निगम और ETF टीम के साथ गुडंबा थाना क्षेत्र के शंकरपुरवा प्रथम वार्ड (बहादुरपुर) पहुंचीं, जहां बड़ी संख्या में अवैध झुग्गी-झोपड़ियां बसी थीं।

जैसे ही महापौर का काफिला मौके पर पहुंचा, कई युवक वहां से भाग निकले, जबकि कुछ महिलाएं झोपड़ियों में छिपने लगीं। टीम द्वारा आधार कार्ड, एनआरसी प्रमाणपत्र और वैध पहचान पत्र मांगे गए, लेकिन अधिकांश लोग कोई दस्तावेज़ प्रस्तुत नहीं कर सके। इस पर महापौर ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि बिना वैध पहचान और अनुमति के किसी भी विदेशी को लखनऊ में रहने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

कार्रवाई के दौरान अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, ज़ोनल सेनेटरी अधिकारी अजीत राय, नगर निगम अधिकारी एवं ETF टीम मौजूद रहे। जांच के दौरान क्षेत्र में खड़ी 50 अवैध ठेलियों को जब्त कर लिया गया। वहीं कूड़ा ढोने में अवैध रूप से उपयोग की जा रही दो टाटा मैजिक वाहनों को सील कर दिया गया। महापौर ने निर्देश दिया कि इन वाहनों पर भारी जुर्माना लगाया जाए और गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाए। मौके पर ही बिजली विभाग के SDO को बुलाकर महापौर ने निर्देश दिया कि सभी अवैध बिजली कनेक्शनों को तत्काल काटा जाए। उन्होंने कहा कि बिना अनुमति बिजली का उपयोग गंभीर अपराध के साथ-साथ सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा भी है।

वैध दस्तावेज़ प्रस्तुत करें : महापौर

महापौर सुषमा खर्कवाल ने वहां मौजूद लोगों को साफ शब्दों में चेतावनी दी कि 15 दिनों के भीतर वैध दस्तावेज़ प्रस्तुत करना होगा, अन्यथा क्षेत्र को खाली करना अनिवार्य होगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि लखनऊ में कोई भी अवैध बस्ती बर्दाश्त नहीं की जाएगी और इसी तरह का अभियान आगे भी जारी रहेगा।

स्थानीय लोगों ने सराहा अभियान

स्थानीय निवासियों ने महापौर के अभियान की सराहना करते हुए कहा कि इस कार्रवाई से क्षेत्र में सुरक्षा, सफाई और कानून व्यवस्था में सुधार होगा। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि आगामी 15 दिनों तक क्षेत्र में विशेष निगरानी रखी जाए, ताकि बांग्लादेशी और रोहिंग्या दोबारा यहां आकर न बस सकें। यह अभियान आने वाले दिनों में और भी सख्ती के साथ जारी रहने की संभावना है।

घर से लापता युवती का शव तालाब में मिला

काकोरी। काकोरी थाना क्षेत्र के ग्राम बेहटा में गुरुवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब गांव के तालाब में एक युवती का शव तैरता हुआ मिला। मृतका की पहचान रेनू (26) पुत्री लक्ष्मण रावत के रूप में हुई है, जो बुधवार शाम से लापता थी। परिजनों ने रात में ही उसकी गुमशुदगी की जानकारी स्थानीय लोगों को देकर खोजबीन शुरू कर दी थी, लेकिन देर रात तक कोई पता नहीं चल सका।

गुरुवार सुबह करीब 6:30 बजे कुछ ग्रामीणों ने घर के पीछे स्थित तालाब में एक शव देखा। परिजनों को सूचना दी गई तो उन्होंने पहुंचकर मृतका की पहचान रेनू के रूप में की। घटना की जानकारी मिलते ही काकोरी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल की। परिजनों के अनुसार, रेनू बचपन से मिर्गी की बीमारी से पीड़ित थी और उसकी मानसिक स्थिति भी सामान्य नहीं रहती थी। आशंका जताई जा रही है कि रात में उसे मिर्गी का दौरा पड़ा होगा और वह अनजाने में तालाब की ओर चली गई, जहां गिरने से उसकी डूबकर मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

काकोरी पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला दुर्घटना का प्रतीत हो रहा है। गांव में शांति व्यवस्था सामान्य है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

'ऑटो लुटेरा गैंग' का पर्दाफाश

चार आरोपी गिरफ्तार, ऑटो-रिक्शा व नगदी बरामद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रभारी निरीक्षक शिवानंद मिश्रा के अनुसार आरोपी अभ्यस्त अपराधी हैं और पहले भी कई छोटी घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। गंभीर घटना की शिकायत मिलते ही पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कुछ ही घंटों में गैंग को पकड़ लिया।

लखनऊ। मड़ियांव पुलिस ने सवारियों को लूटने वाले शातिर ऑटो गैंग को दबोचते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गैंग देर रात ऑटो में सवारियों को बिठाकर उनके साथ मारपीट कर मोबाइल छीन लेता था तथा यूपीआई के माध्यम से उनके खातों से हजारों रुपये ट्रांसफर करा लेता था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना में प्रयुक्त ऑटो, मोबाइल फोन और नकदी बरामद की है।

जानकारी के मुताबिक सीतापुर निवासी पीड़ित योगेंद्र की तहरीर पर 2 दिसंबर को मुकदमा दर्ज किया गया था। योगेंद्र ने बताया कि सीतापुर रोड चंद्रा ढाल पर सवारी का इंतज़ार करते समय ऑटो पर सवार चार युवकों ने उसे बैठा लिया। कुछ दूर जाते ही आरोपियों ने तेज़ म्यूजिक बजाकर उसका मोबाइल छीन लिया और धमकाकर 28,000 रुपये अपने साथी के खाते में ट्रांसफर करा लिए। साथ ही जेब में रखे 2,000 रुपये भी लूट लिए। 3 दिसंबर को आईआईएम तिराहे पर चल रहे चेकिंग अभियान के दौरान पीड़ित के खाते से हुए ऑनलाइन ट्रांजैक्शन की जानकारी के आधार पर पुलिस को अहम सुराग मिला। जांच में पता चला कि पैसे अमित कुमार के खाते में भेजे गए थे। पूछताछ में अमित ने बताया कि उसका पड़ोसी हिमांशु उससे खाते में पैसे लेने को कहता था। इसी आधार पर पुलिस ने गिरोह के चारों सदस्यों हिमांशु, सुमित शर्मा, वीरू और इमरान को गिरफ्तार कर लिया। मड़ियांव पुलिस लगातार अपराधियों के खिलाफ अभियान चला रही है और मड़ियांव से इससे पहले भी कई शातिर चोर और लुटेरे जेल जा चुके हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सफेद-नीले रंग का ऑटो, एक मोबाइल फोन और 14,400 रुपये बरामद किए हैं।

तीन वर्षों से न्यायिक अभिरक्षा से फरार आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कृष्णा नगर पुलिस ने किशोरी संग दुष्कर्म मामले में न्यायिक अभिरक्षा से तीन वर्षों से फरार चल रहे आरोपित को गुरुवार को उसके घर से गिरफ्तार कर विधिक प्रक्रिया पूरी करते हुए न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। कृष्णा नगर इंस्पेक्टर पीके सिंह ने बताया कि वर्ष 2015 में 13 वर्षीय किशोर संग दुष्कर्म मामले में पिता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर आरोपित राहुल कुमार पुत्र भाईलाल निवासी नन्दनगर नटखेड़ा को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था जेल से वह जमानत पर रिहा चल रहा था। वर्ष 2023 फरवरी माह में पेशी दौरान पॉक्सो न्यायिक मजिस्ट्रेट ने आरोपित को दोषसिद्ध करते हुए फैसला सुनाया था और गिरफ्तारी के आदेश जारी किए थे जहां से दोषसिद्ध आरोपित कोर्ट को चकमा देते हुए फरार हो गया था और ट्रेन द्वारा दिल्ली चला गया जहां तीन वर्षों तक छुप कर रह रहा था बुधवार को वह दिल्ली से अपने घर पहुंचा जिसे मुखबिर की सूचना पर घर से ही घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया गया।

बंद मकान से 1.50 लाख नगदी व गहने चोरी

आलमबाग। आशियाना थाना क्षेत्र में चार दिन पूर्व बेखौफ चोरों दिनदहाड़े एक मकान में घुस ताला तोड़ नगदी व कीमती आभूषण चोरी कर फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने जांच के बाद बुधवार को मुकदमा दर्ज कर लिया है। आशियाना क्षेत्र के शारदा नगर रतनखंड में रहने वाले अनिल कुमार सिंह के अनुसार वह एक निजी स्कूल में कार्यरत है। चार दिन पूर्व बीते 29 नवंबर को वह कोर्ट गए थे और उनकी पत्नी रीना और बेटा प्रद्युम्न उसी दिन वैवाहिक आयोजन में सम्मिलित होने पैतृक गांव हरदोई चले गए थे शाम करीब 7बजे वह घर वापस लौटे तो देखा कि घर के सारे ताले तोडे गये है और कमरों व सारे रुम का पूरा सामान बिखरा पड़ा है। चोरों ने घर पर रखी 1.50 लाख नगदी एवं कीमती जेवरात चोरी कर फरार हो गए है। आशियाना इंस्पेक्टर छत्रपाल सिंह ने बताया कि घर के सामने ही मकान में सीसी कैमरा लगा है जिसमें चोरों की फुटेज कैद हुई है पीड़ित की शिकायत पर चोरी की धारा में मुकदमा दर्ज कर फुटेज आधार पर चोरों का तलाश किया जा रहा है।

ससुरालीजनों ने नवविवाहिता को घर से खदेड़ा

आलमबाग। कृष्णा नगर थाना क्षेत्र के रहने वाली एक युवती का विवाह वर्ष 2024 मार्च माह में मानकनगर के ओशो नगर में हुआ था। आरोप है कि शादी में भरपूर दान दहेज लेने के बाद भी दहेज के पति ससुरालीजन ननद नंदोई प्रताड़ित करते रहते थे जेठ अक्सर उसके साथ छेड़छाड़ और अश्लील हरकत किया करते थे। आरोप है कि शनिवार की सुबह पति सास जेठ नंद नंदोई ने उसे खूब मारापिटा जिसकी जानकारी पीड़िता ने अपने मायके वालो को दी। मायके वाले जब पुलिस संग उसके ससुराल पहुंचे तो सास ने सारे जेवर उतरवा कर अपने कब्जे में लेकर उसे धक्का दे ससुराल से बाहर निकाल दिया। पीड़िता ने अपने मायके वालो संग कृष्णा नगर थाने पर पहुंच पति समेत सास ससुर ननद नंदोई जेठ के खिलाफ शिकायत की है। कृष्णा नगर इंस्पेक्टर पीके सिंह ने बताया कि पीड़िता के शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है।

महोत्सव में पंजाबी डांस एवं घूमर नृत्य ने बांधा समा

आलमबाग। आशियाना के स्मृति उपवन में आयोजित हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव की सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ गुरुवार को आयोजक अरुण प्रताप सिंह, गुंजन वर्मा, रनवीर सिंह एवं हेमू चौरसिया ने दीप प्रज्वलित कर किया। सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत गणेश वंदना से हुई। आजकी सांस्कृतिक संध्या में कलाकारों ने पंजाबी डांस एवं घूमर नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम में समा बांध दिया। इसके अलावा नृत्य मंथन एवं गीत संगीत में मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गईं। कार्यक्रम के अंत में सुर ताल संगम के गीतों ने सभी का मन मोह लिया। आयोजक अरुण प्रताप सिंह द्वारा सभी कलाकारों एवं प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मंच का संचालन विजय गुप्ता द्वारा किया गया।

शाओमी इंडिया ने रेडमी 15C,5G किया लॉन्च

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शाओमी इंडिया ने मंगलवार को अपना नया स्मार्टफोन Redmi 15C 5G भारतीय बाजार में पेश किया। कंपनी ने इसे स्लीक डिजाइन, बड़े डिस्प्ले और लंबी चलने वाली बैटरी वाला स्मार्टफोन बताते हुए कहा कि यह काम और मनोरंजन–दोनों जरूरतों को पूरा करेगा लॉन्च के दौरान शाओमी इंडिया के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर अनुज शर्मा ने कहा कि कंपनी का लक्ष्य यूज़र्स को आसान और भरोसेमंद स्मार्टफोन अनुभव देना है। उन्होंने बताया कि 15उ5ऋका आकर्षक बड़ा डिस्प्ले, पूरे दिन चलने वाली बैटरी और रिफाइंड रॉयल डिजाइन नए ज़माने के उपयोगकर्ताओं की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

हत्या के मामले में तीन हिरासत में

लखनऊ। जानकीपुरम थाना क्षेत्र के यशोदापुरम सेक्टर आई में बुजुर्ग महिला के साथ लूट और हत्या के मामले में जानकीपुरम पुलिस और उत्तरी क्राइम टीम ने बृहस्पतिवार को तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। इसमे एक आईएस अधिकारी का नौकर भी बताया जा है। बुधवार की रात नीलिमा श्रीवास्तव (74) की लूट करने बाद गला दबाकर हत्या कर दी गयी थी। मृतका नीलिमा के घर मे 14 घण्टे तक घर मे छुपा रहा हत्यारा मंगलवार को दोपहर में करीब 12:20 बजे घर मे घुसा और लूटपाट करने के बाद उनका गला दबाकर हत्या करने के बाद देर रात करीब 2.33 बजे साल ओढ़कर बाहर निकल गया।

Piramal Finance

पीरामल फाइनेंस लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय पता: यूनिट नं. 601, 6वीं मंजिल पीरामल अमिटी बिल्डिंग, पीरामल अगस्त्य कॉर्पोरेट पार्क, कमानी जंक्शन, फायर स्टेशन के सामने, एलबीएस मार्ग, कुर्ला (पश्चिम), मुंबई-400070
सीआईएन: L65910MH1984PLC032639, वेबसाइट : www.piramalfinance.com

मांग सूचना

[illegible]

उधारकर्ता/गारंटर्स का नाम / ऋण कोड	मांग सूचना की तिथि और राशि साथ में एन पी ए की तिथि	सुरक्षित सम्पत्ति का पता (अचल सम्पत्ति)
(कानपुर शाखा का एलसी सं. 24000002260) जेन आलम (उधारकर्ता) शमा अजीम (सह उधारकर्ता 1)	14-11-2025/ रु. 24,64,855/- (रु. चौबीस लाख चौसठ हजार आठ सौ पचपन मात्र) एनपीए (03-11-2025)	प्लॉट सं. 3, एरिया कार्पेट एरिया 2396.16 वर्ग फीट, अराजी सं. 99मी दहेली सुजानपुर कानपुर उत्तर प्रदेश -208011
(कानपुर शाखा का एलसी सं. XPLLN0000004D4A) जेन आलम (उधारकर्ता) शमा अजीम (सह उधारकर्ता 1)	14-11-2025/ रु. 5,13,513/- (रु. पांच लाख तेरह हजार पांच सौ तेरह मात्र) एनपीए (03-11-2025)	प्लॉट सं. 3, एरिया कार्पेट एरिया 2396.16 वर्ग फीट, अराजी सं. 99मी दहेली सुजानपुर कानपुर उत्तर प्रदेश -208011
(अलीगढ़ शाखा का एलसी सं. [illegible]) हरिओम (उधारकर्ता) [illegible] कुमार बघेल (सह उधारकर्ता 1) सुनीता (सह उधारकर्ता 2)	14-11-2025/ रु. 20,58,097/- (रु. अट्ठाईस लाख अट्ठावन हजार सत्तानवे मात्र) एनपीए (03-11-2025)	मकान नं. 1547, (पुराना मकान नं. 832) क्षेत्रफल 580.82 वर्ग फुट (65.16 वर्ग गज) पुलिया नं. 5 विष्णु गुप्त कॉलोनी मोहल्ला मोहन नादराई रोड कासगंज परगना बिलराम तहसील और जिला कासगंज एटा के पास गंडा नाला-एटा उत्तर प्रदेश -207001 में स्थित है
(अलीगढ़ शाखा का एलसी सं. XPLLN0000008ADA) हरिओम (उधारकर्ता) [illegible] कुमार बघेल (सह उधारकर्ता 1) सुनीता (सह उधारकर्ता 2)	14-11-2025/ रु. 6,90,298/- (रु. छह लाख नब्बे हजार दो सौ अट्ठानवे मात्र) एनपीए (03-11-2025)	मकान नं. 1547, (पुराना मकान नं. 832) क्षेत्रफल 580.82 वर्ग फुट (65.16 वर्ग गज) पुलिया नं. 5 विष्णु गुप्त कॉलोनी मोहल्ला मोहन नादराई रोड कासगंज परगना बिलराम तहसील और जिला कासगंज एटा के पास गंडा नाला-एटा उत्तर प्रदेश -207001 में स्थित है
(लखनऊ - एलएसएल मार्ग शाखा का एलसी नं. [illegible]) इदरीश (उधारकर्ता) [illegible] (सह उधारकर्ता 1)	14-11-2025/ रु. 36,80,429/- (रु. छत्तीस लाख अस्सी हजार चार सौ उनतीस मात्र) एनपीए (03-11-2025)	प्लॉट सं. 149, 1800 वर्ग फुट तक का क्षेत्रफल, [illegible] गांव खसरा सं. 849 का भाग लखनऊ एलएसएल मार्ग उत्तर प्रदेश-226021 में स्थित
(लखनऊ-एलएसएल मार्ग शाखा का एलसी नं. XPLLN0000003D3C) इदरीश (उधारकर्ता) [illegible] (सह उधारकर्ता 1)	14-11-2025/ रु. 1,46,167/- (रु. एक लाख छियालीस हजार एक सौ सड़सठ मात्र) एनपीए (03-11-2025)	प्लॉट सं. 149, 1800 वर्ग फुट तक का क्षेत्रफल, [illegible] गांव खसरा सं. 849 का भाग लखनऊ एलएसएल मार्ग उत्तर प्रदेश-226021 में स्थित
(मथुरा शाखा का एलसी सं. [illegible]) दीपक अग्रवाल (सह उधारकर्ता 1) अग्रवाल (उधारकर्ता) [illegible]	14-11-2025/ रु. 21,47,279/- (रु. इक्कीस लाख सैंतालीस हजार दो सौ [illegible] मात्र) एनपीए (03-11-2025)	प्लॉट क्षेत्रफल 209.02, मौजा सलेमपुर [illegible] तहसील जिला मथुरा, खसरा सं. 164, उत्तर प्रदेश में स्थित
[illegible]	[illegible]	[illegible]

उधारकर्ता/गारंटर्स का नाम / ऋण कोड	मांग सूचना की तिथि और राशि साथ में एन पी ए की तिथि	सुरक्षित सम्पत्ति का पता (अचल सम्पत्ति)
[illegible]	14-11-2025/ रु. 32,24,220/- [illegible] एनपीए (03-11-2025)	500 वर्ग फुट 46.468 [illegible]
[illegible] BLSA0005AB15) [illegible]	14-11-2025/ रु. 21,69,762/- [illegible] एनपीए (03-11-2025)	[illegible]
[illegible]	14-11-2025/ रु. 28,87,249.29/- [illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]

[illegible]

दिनांक: 05.12.2025, स्थान: उत्तर प्रदेश

हस्ता/- (प्राधिकृत अधिकारी) पीरामल फाइनेंस लिमिटेड

सीएमओ ने स्वास्थ्य संस्थानों का किया औचक निरीक्षण

प्राइवेट क्लीनिकों में छाया सन्नाटा

❖ लापरवाही पर फार्मासिस्ट का वेतन काटने के निर्देश

पायनियर संवाददाता। सकरन (सीतापुर)

जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. सुरेश कुमार ने गुरुवार को विकास खंड सकरन क्षेत्र के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई अनियमितताएँ सामने आईं, जिन पर सीएमओ ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कार्यवाही के निर्देश दिए। उनके दौरे की सूचना मिलते ही क्षेत्र के अधिकांश प्राइवेट क्लिनिक और झोलाछाप डॉक्टरों ने अपने प्रतिष्ठान बंद कर दिए।

सुबह करीब 11 बजे सीएमओ सबसे पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) रेवान पहुंचे। यहां की व्यवस्थाएँ देखने के बाद वे सामान्य रूप से संतुष्ट दिखे, लेकिन फार्मासिस्ट आलोक कुमार के गैरहाजिर मिलने पर उन्होंने अधीक्षक डॉ. आनंद मित्रा को 15 दिन का वेतन काटने का निर्देश दिया।इसके बाद सीएमओ किरतापुर स्थित उपकेंद्र हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पहुँचे और वहां की स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। तत्पश्चात टीम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सांडा पहुँचे, जहां पंजीकरण कक्ष का निरीक्षण करते हुए सीएमओ ने कर्मचारी प्रदीप कुमार को ऑनलाइन पंजीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रदीप द्वारा नेट की समस्या बताने पर सीएमओ ने तत्काल वाईफाई की व्यवस्था कराने का आदेश दिया। सीएमओ ने दवा वितरण कक्ष, दवा भंडारण कक्ष, नेत्र चिकित्सक कमल किशोर के रजिस्टरों तथा मातृत्व सुरक्षा केंद्र की भी विस्तृत जांच की। स्टाफ नर्स रेशमा की कार्यशैली से असंतुष्ट होते हुए उन्होंने आवश्यक सुधार निर्देश दिए। वहीं परिवार नियोजन कक्ष बंद मिलने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की और प्रसव कक्ष तथा जननी सुरक्षा वार्ड की गहन जांच की। निरीक्षण के बाद सीएमओ ने डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मचारियों की बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान सीएचसी अधीक्षक डॉ. आनंद मित्रा, डॉ. सुनील यादव, डॉ. पी.सी. यादव, डॉ. आदि अंत वर्मा सहित पूरा स्टाफ मौजूद रहा। सीएमओ के निरीक्षण की सूचना फैलते ही क्षेत्र के अधिकांश प्राइवेट क्लिनिक और झोलाछाप डॉक्टरों ने अपने क्लीनिक बंद कर लिए, जिससे इलाके में दिनभर चर्चा का माहौल बना रहा।

मनरेगा कार्यों में धांधली पर सख्त हुए डीसी मनरेगा

❖ समीक्षा बैठक के बाद की गोशाला का निरीक्षण

पायनियर संवाददाता। सकरन (सीतापुर)

विकास खंड सकरन में मनरेगा कार्यों की धीमी गति और मिली शिकायतों को लेकर प्रशासन अब सख्त हो गया है। गुरुवार को जिलाधिकारी के निर्देश पर डीसी मनरेगा चंदन देव पांडेय ने ब्लॉक परिसर में कर्मचारियों के साथ समीक्षा बैठक की और विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली। बैठक के बाद उन्होंने सकरन खुर्द स्थित गोशाला का स्थलीय निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान डीसी मनरेगा ने गोवंशों को ठंड से बचाने के लिए अलाव जलवाने, बोरी उढ़ाने और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गायों की सुरक्षा और देखभाल में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

फर्जी हाजिरी और फर्जी भुगतान पर सख्त चेतावनी

बैठक में डीसी मनरेगा ने खुलासा किया कि ग्राम पंचायतों में मनरेगा कार्यों के नाम पर फर्जी हाजिरी लगाने और बिना कार्य कराए ही भुगतान कराने की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। उन्होंने साफ कहा कि इस प्रकार की गड़बड़ियों में शामिल लोगों के खिलाफ जांच कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी ब्लॉक कर्मचारियों को विकास कार्यों में तेजी लाने, पारदर्शिता बनाए रखने और समयबद्ध तरीके से मनरेगा योजनाओं को पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इस मौके पर खंड विकास अधिकारी श्रीश कुमार गुप्ता, अवर अभियंता सुभाष चंद्र वर्मा, एपीओ विकास श्रीवास्तव, लिपिक रामकिशोर मिश्रा सहित ब्लॉक के सचिव, टीए और अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

गन्ना उतराई में अवैध वसूली का खेल, किसानों ने किया विरोध

दो दिन से बंद पड़ी तौल, ट्रॉलियों की लगी लंबी कतारें

पायनियर संवाददाता। सकरन (सीतापुर)

ऊंचगांव स्थित दि किसान सहकारी मिल महमूदाबाद के गन्ना क्रय केंद्र पर अवैध वसूली और मनमानी अपने चरम पर है। उतराई के नाम पर किसानों से प्रति ट्राली 150-160 रुपये की मांग किए जाने का आरोप इतना बढ़ गया कि किसानों ने भुगतान से इनकार कर दिया। इसके बाद कांटा इंचार्ज ने तौल ही बंद कर दी। दो दिनों से किसानों की ट्रॉलियाँ केंद्र पर खड़ी-खड़ी सूख रही हैं, लेकिन जिम्मेदारों की तरफ से कोई सुनवाई नहीं हो रही।

किसान सचिन दीक्षित ने बताया कि उतराई को लेकर लंबे समय से अवैध वसूली हो रही है। ''150 से 160 रुपये तक की जबरन वसूली की जाती है। विरोध किया तो तौल रोक दी गई,'' उन्होंने कहा। किसान राकेश मौर्य का कहना है कि रुपये न देने पर सीधे तौल बंद कर दी जाती है। ''अधिकारियों को फोन किया, पर कोई कॉल रिसीव तक नहीं कर रहा,'' वे बोले।

किसान रामसनेही ने बताया कि दो दिनों से ट्रॉलियाँ क्रय केंद्र पर फंसी हैं और गन्ना सूख रहा है। कई किसानों—रामलाल बारी, रमेश मौर्या, हलधर तिवारी, श्री केशन, ईश्वरदीन, विनोद सहित—ने तौल तुरंत शुरू कराने और अवैध वसूली पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

अधिकारियों की चुप्पी, किसानों की बेबसी : गन्ना आयुक्त और जिलाधिकारी के आदेश के बावजूद केंद्र पर उतराई बंद नहीं की गई थी। बुधवार को जब किसानों ने अवैध वसूली का विरोध किया तो कांटा इंचार्ज ने तौल ठप कर दी, जिससे किसानों का गुस्सा और बढ़ गया।

ट्रॉलियों में भरा गन्ना खराब होने की कगार पर है, जबकि किसान खुले आसमान के नीचे दो दिनों से इंतजार कर रहे हैं।

गन्ना विभाग की सफाई :इस संबंध में बातचीत के दौरान गन्ना सीडीओ प्रभात सिंह ने कहा, ''तौल रुकने की सूचना मिली है। जो मजदूर उतराई कर रहे थे, वे वहां से भाग गए हैं। जल्द ही अन्य मजदूर भेजकर तौल शुरू कराई जाएगी।''

किसान इससे संतुष्ट नहीं दिख रहे और मांग कर रहे हैं कि अवैध वसूली के दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी मनमानी दोबारा न हो सके।

परिवहन विभाग का सख्त एक्शन

नियम विरुद्ध चल रहीं तीन बसें सीज, कई पर चालान

पायनियर संवाददाता। सीतापुर

परिवहन विभाग द्वारा बसों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष जांच अभियान के तहत गुरुवार को हरगांवझनैपालापुर मार्ग पर बड़ी कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान लखनऊ की दिशा में जा रही तीन बसों को परमिट शर्तों का उल्लंघन करते पाए जाने पर खैराबाद में सीज कर दिया गया।

एआरटीओ प्रशासन सर्वेश चतुर्वेदी ने बताया कि पिछले कुछ समय से स्लीपर बसों और डग्गामार वाहनों द्वारा नियमों की अनदेखी की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। यात्रियों की सुरक्षा और परिवहन व्यवस्था में अनुशासन कायम रखने के लिए विभाग ने विशेष अभियान चलाया है। अभियान के तहत अब तक 14 बसों का चालान किया गया है, जबकि 9 बसों को सीज किया जा चुका है। इन कार्रवाइयों से विभाग को करीब 3 लाख 5 हजार रुपये का राजस्व प्राप्त होगा। पकड़ी गई बसों में बिना निर्धारित टिकटों के फुटकर सवारियों को बैठाया जा रहा था और परमिट नियमों के उलट संचालन किया जा रहा था, जो यात्रियों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है।

विभागीय टीम ने मौके पर सभी दस्तावेजों की जांच करते हुए संबंधित ऑपरेटरों के खिलाफ विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी नियमों का उल्लंघन करने वाले बस संचालकों पर इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि सुरक्षित और सुव्यवस्थित सार्वजनिक परिवहन सुनिश्चित किया जा सके। अभियान के दौरान परिवहन निगम के ए.आर.एम. राकेश कुमार भी मौजूद रहे।

द्वारका पेपर मिल कटीली में दूसरे दिन भी उबाल!

सीतापुर। द्वारका पेपर मिल कटीली में चल रहा श्रमिकों का गुस्सा थमने का नाम नहीं ले रहा है। लगातार दूसरे दिन गुरुवार को भी श्रमिकों का जोरदार धरना जारी रहा। मौके पर लेबर इंस्पेक्टर हिमानी भारद्वाज पहुंचीं और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने धरना स्थल पर मौजूद 128 कर्मचारियों से नाम, पता और बकाया वेतन संबंधी फॉर्म भरवाए व आश्वासन दिया कि श्रमिकों की उचित मांगों पर जल्द कार्यवाही की जाएगी।

किसान मज़दूर संघर्ष मोर्चा के संयोजक पिंदर सिंह सिद्धू ने बताया कि श्रमिक लंबे समय से मिल बंद होने के कारण आर्थिक संकट झेल रहे हैं। मिल के पार्टनरों के बीच चल रहे आंतरिक मतभेद की वजह से कई महीनों से उत्पादन ठप है, जबकि यहां लगभग 500 लोग नौकरी पर निर्भर हैं। संगठन ने मिल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मिल मालिक न तो ऑफिस में मिल रहे हैं, न ही श्रमिकों की समस्या सुनने को तैयार हैं।

शिक्षा और समाज सुधार पर केंद्रित जलसा इस्लाहे मुआशरा सम्पन्न

❖ उलेमा ने कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता और इस्लामी तालीम पर दिया जोर

पायनियर संवाददाता। तंबौर (सीतापुर)

कस्बे की पानी की टंकी के नीचे बुधवार की रात आयोजित जलसा इस्लाहे मुआशरा में उलेमा-ए-इकराम ने बड़ी संख्या में मौजूद लोगों को समाज सुधार, शिक्षा और इस्लामी तालीम के महत्व पर विस्तार से बताया। बाहर से आए प्रतिष्ठित उलेमा ने मुसलमानों से अल्लाह और उसके रसूल के बताए हुए रास्ते पर चलने की अपील की।

जलसे में मुख्य अतिथि के रूप में मेरठ से पधारे हजरत मौलाना मो. खालिद साहब मौजूद रहे, जबकि जलसे की सदारत हाफिज मो. अतीक ने की। जलसा की निज़ामत मुफ़्ती मो. रहिक हनफ़ी ने संभाली। कार्यक्रम की शुरुआत कारी सुमामा इलाहाबादी की तिलावत-ए-कुरआन पाक से हुई, जिसके बाद हाफिज अमीरुल हसन, कारी ज़ीशान जहांगीराबादी और तारीख जमील कन्नौजी ने नात-ए-पाक पेश की। अपनी प्रभावी तकरीर में मौलाना खालिद साहब ने कहा कि समाज में बढ़ रही कुरीतियों का मुख्य कारण शिक्षा की कमी है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि ''दिनी और दुनियावी, दोनों तरह की तालीम हासिल करने से इंसान सही रास्ता अपनाता है और समाज स्वयं सुधरता है।'' उन्होंने दहेज प्रथा को इस्लाम में हराम बताते हुए इससे दूर रहने की अपील की। मौलाना अखलाक ने कहा कि इस्लाम में हर पुरुष और स्त्री पर इल्म हासिल करना फर्ज है। इसलिए मुस्लिम समाज को शिक्षा के प्रति और अधिक जागरूक होना चाहिए। वहीं मौलाना तौफीक साहब ने महिलाओं की तालीम पर जोर देते हुए कहा कि ''अगर हमारी महिलाएं शिक्षित होंगी तो समाज तेजी से आगे बढ़ेगा।'' इस मौके पर अबुल खैर नदवी, कारी परवेज, कारी तनवीर, मौलाना अबुल हसन, मौलाना मो. अनस, मौलाना नूर आलम, कारी बिलाल, कारी अब्दुल हलीम, कारी लुकमान कमर, कारी सहाबुद्दीन, मौलाना ताहिर सहित अन्य उलेमा ने भी अपने कलाम पेश किए। जलसे को सफल बनाने में हाफिज हस्सान असरफ, हाफिज मो. गुफरान नूरी, हाफिज मो. कैफ नूरी, हाफिज खुर्शीद आलम, कारी शाबान फुरकानी, मो. कामिल, हाफिज मो. शादाब, मो. शाबान मंसूरी, मो. तुफैल गौरी, मो. अदनान आदि ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम देर रात तक चलता रहा और बड़ी संख्या में लोगों ने शांति, शिक्षा और समाज सुधार का संदेश लेकर जलसे का समापन किया।

घरेलू विवाद में विवाहिता ने तेज़ाब पीकर दी जान, पुलिस जांच में जुटी

पायनियर संवाददाता। सीतापुर

कमलापुर थाना क्षेत्र के शिवपुरी गांव में गुरुवार को दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां घरेलू विवाद से क्षुब्ध एक विवाहिता ने कथित तौर पर बैटरी में भरा तेज़ाब पीकर आत्महत्या कर ली। अस्पताल ले जाने के बावजूद महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना से पूरे गांव में हड़कंप मच गया और मासूम बच्चे के सिर से मां का साया उठ गया।

जानकारी के अनुसार, 25 वर्षीय संगीता की शादी करीब पांच वर्ष पूर्व गांव निवासी विमलेश से हुई थी। बताया जाता है कि बुधवार देर रात पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी।

परिजनों के मुताबिक, रात में विवाद बढ़ा जरूर, लेकिन मामला शांत हो गया। गुरुवार सुबह पति विमलेश खेत पर काम करने के लिए चला गया। इसी बीच संगीता ने घर में रखी बैटरी से तेज़ाब निकालकर पी लिया।

परिवार वालों ने महिला की बिगड़ती हालत देख उसे तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर संगीता को जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। डॉक्टरों के अनुसार तेज़ाब के प्रभाव से उसके आंतरिक अंग बुरी तरह झुलस गए थे।

घटना की सूचना पर कमलापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों से पूछताछ की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की आधिकारिक पुष्टि हो सकेगी। प्रथम द्रष्टया मामला घरेलू विवाद के चलते उठाए गए आत्मघाती कदम का लग रहा है। पुलिस पूरे प्रकरण की गंभीरता से जांच कर रही है।

संत माता देवी सत्या का महाप्रयाण दिवस श्रद्धापूर्वक सम्पन्न

❖ हजारों श्रद्धालुओं ने किया दर्शन व प्रसाद ग्रहण

पायनियर संवाददाता। लहरपुर (सीतापुर)

श्री अनामी ज्योति आश्रम में संत माता देवी सत्या जी का महाप्रयाण दिवस गुरुवार को बड़े ही श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। सुबह कार्यक्रम का शुभारंभ श्री सत्येश्वर महादेव के रुद्राभिषेक से हुआ। उसके बाद देशभर से आए डंडी स्वामियों का विधिवत पूजन किया गया। इसके पश्चात श्री सीताराम संकीर्तन का अखंड जप प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम के तहत सत्येश्वर महादेव और हवन कुंड पर ध्वजारोहण किया गया, जिसे श्री अनामी ज्योति आश्रम सेवा संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष तथा राजकोट (गुजरात) के प्रमुख चिकित्सक डॉ. अतुल पंड्या के नेतृत्व में सम्पन्न किया गया।

सायंकाल गो-धूलि बेला में महादेव की आरती की गई। इस अवसर पर आयोजित विशाल भंडारे में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुँचकर महाप्रसादी ग्रहण की।

पूरे कार्यक्रम का संचालन वैदिक मंडल के आचार्य रजनेश त्रिवेदी और संदीप त्रिवेदी द्वारा वैदिक विधानों के साथ सम्पन्न कराया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से—अध्यक्ष डॉ. अतुल पंड्या, वरिष्ठ ट्रस्टी सतीश कुमार चौहान, प्रबंधक एडवोकेट मारुत पुरी, शैलेश गौर, प्रोफेसर मणिरत्न तिवारी, पत्रकार/एडवोकेट समीर पुरी, श्वेता तिवारी, भारती, प्रियंका सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। अंत में प्रबंधक मारुत पुरी ने सभी आगंतुकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

डीएम ने मछरेहटा बीडीओ कार्यालय का किया निरीक्षण

पायनियर संवाददाता। सीतापुर

जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. ने गुरुवार को मछरेहटा स्थित खंड विकास अधिकारी कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जनसुनवाई रजिस्टर, आईजीआरएस रजिस्टर, आरएफ रजिस्टर सहित कई महत्वपूर्ण अभिलेखों का गहन अवलोकन किया और जिम्मेदार अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जनसुनवाई रजिस्टर में प्रत्येक फरियादी का मोबाइल नंबर अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाए तथा निस्तारण के बाद फरियादी से फीडबैक लेना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों (एस एच जी) से जुड़े अभिलेख भी देखे और जानकारी ली कि विभिन्न समूह किस-किस योजना पर कार्य कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने आरएफ पटल बाबू को निर्देश दिया कि रजिस्टर में यह भी अंकित किया जाए कि किन समूहों को कितना भुगतान किया जा चुका है।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने दूरभाष पर स्वयं सहायता समूह की एक सदस्य से बात कर उनके कार्यों और भुगतान की स्थिति के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी भी प्राप्त की।

सहायक विकास अधिकारी पटल के निरीक्षण में उन्होंने ग्राम पंचायतों की स्थिति, शौचालयों की प्रगति और मनरेगा कार्यों की जानकारी हासिल की। उन्होंने निर्देशित किया कि एडीओ पंचायत, सचिवों के साथ नियमित बैठकें करें और कार्यों की समीक्षा सुनिश्चित करें। निरीक्षण के समय एडीओ पंचायत संदीप कुमार, खंड विकास अधिकारी राजेश तिवारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

कोडिनयुक्त सिरप का काला कारोबार बेनकाब

❖ ड्रग विभाग की बड़ी कार्रवाई, बालाजी फार्मा संचालक पर मुकदमा दर्ज झ्र मेडिकल कारोबारियों में हड़कंप

पायनियर संवाददाता। सीतापुर

जिले में कोडिनयुक्त सिरप की अवैध बिक्री और इसके दुरुपयोग के बढ़ते मामलों के बीच ड्रग विभाग ने एक और बड़ा खुलासा किया है। शहर कोतवाली क्षेत्र स्थित मेसर्स श्री बालाजी फार्मा पर शिकंजा कसते हुए संचालक राजेश श्रीवास्तव के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है। यह कार्रवाई जिले में चल रहे नशा रोकथाम अभियान के तहत अब तक की सबसे सख्त कार्रवाई मानी जा रही है।

ड्रग इंस्पेक्टर अनीता कुरील ने बताया कि हाल ही में किए गए औचक निरीक्षण में फर्म संचालक बिक्री से संबंधित आवश्यक बिल, स्टॉक रजिस्टर और अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सके। विशेष रूप से कोडिनयुक्त खांसी सिरप की बिक्री के वैध कागजात न दिखा पाना गंभीर अनियमितता पाई गई। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया कि फर्म से बिना बिल के नशीले तत्वों वाले सिरप की सप्लाई की जा रही थी, जिससे इसकी अवैध खपत और दुरुपयोग की आशंका और गहरी हो गई।

जांच टीम के अनुसार, फर्म का संचालन जेल रोड स्थित शिव मार्केट से किया जा रहा था—जहां पहले भी संदिग्ध दवा आपूर्ति की शिकायतें मिल चुकी हैं। नशीली दवाओं की बिना अभिलेख बिक्री ड्रग एंड कॉस्मेटिक एक्ट का स्पष्ट उल्लंघन है और यह सीधे तौर पर युवा वर्ग में नशे की लत को बढ़ावा देने वाले गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है।

ड्रग इंस्पेक्टर ने कहा कि किसी भी फर्म के लिए हर बिक्री और स्टॉक का पूरा रिकॉर्ड रखना अनिवार्य है, लेकिन मौके पर एक भी आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराया गया।

इसी आधार पर राजेश श्रीवास्तव के खिलाफ कोतवाली में मुकदमा पंजीकृत कराया गया है।

विभागीय सख्ती के बाद जिले भर के मेडिकल कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है। अधिकारियों ने स्पष्ट संदेश दिया है कि बिना लाइसेंस, बिना बिल या अवैध तरीके से संचालित किसी भी दवा व्यवसाय पर अब लगातार कड़ी कार्रवाई होगी। नशीली दवाओं के नेटवर्क पर प्रहार करने के लिए अभियान और तेज किया जा रहा है।

सीतापुर में कोडिनयुक्त सिरप की अवैध सप्लाई के इस ताज़े खुलासे ने जिले में दवा आपूर्ति तंत्र की संवेदनशीलता और निगरानी व्यवस्था की चुनौतियों को एक बार फिर उजागर कर दिया है।

सुरेश राही के घर के पीछे मिले संदिग्ध तेंदुए के पगचिह्न

पायनियर संवाददाता। सीतापुर

कोतवाली देहात क्षेत्र के पंचमपुरवा में गुरुवार दोपहर अफरा-तफरी मच गई, जब कारागार राज्य मंत्री सुरेश राही के घर के ठीक पीछे जंगली जानवर के पगचिह्न मिलने की सूचना वन विभाग तक पहुंची। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर दौड़ी और इलाके का गहन निरीक्षण किया।

प्रारंभिक जांच में विशेषज्ञों ने पगचिह्नों को तेंदुए का होने की आशंका जताई है, जिसके बाद पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई है। शहर की सीमा में तेंदुए की संभावित मौजूदगी ने वन विभाग और सुरक्षा एजेंसियों दोनों की चिंताएं बढ़ा दी हैं।

वन विभाग ने खतरे को गंभीर मानते हुए कई जगहों पर ट्रैप कैमरे लगाए हैं, ताकि जंगली जानवर की गतिविधियों की पुष्टि की जा सके। टीम ने बताया कि पगचिह्न की बनावट और गहराई तेंदुए से मेल खाती है। साथ ही, जंगल की दिशा में एक पिंजरा भी लगाया गया है, ताकि जानवर को सुरक्षित तरीके से पकड़ा जा सके।

ग्रामीणों को सतर्क रहने की कड़ी सलाह दी गई है। विभाग की टीम लगातार गांव और आसपास के खेतों में कॉम्बिंग कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक तेंदुआ प्रत्यक्ष रूप से दिखाई नहीं दिया है, लेकिन पगचिह्नों के आधार पर खतरे से इनकार नहीं किया जा सकता।

पगचिह्न राज्य मंत्री के घर के पास पाए जाने से सुरक्षा एजेंसियां भी तुरंत सक्रिय हो गई हैं। पुलिस ने एहतियातन क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी है और स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए है। अधिकारी कह रहे हैं कि जल्द ही पिंजरा लगाकर पकड़ने की प्रक्रिया तेज की जाएगी।

इलाके में फैलती दहशत के बीच ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे रात में अकेले खेतों की ओर न जाएं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत वन विभाग या पुलिस को दें।

चिकित्सक पर हमला, लूटी सोने की चेन

❖ सरेनी थाना क्षेत्र में नकाबपोश लुटेरों का आतंक

पायनियर संवाददाता। लालगंज, रायबरेली

सरेनी थाना क्षेत्र में लूट की वारदातें बढ़ गई है। बीती शाम को क्लीनिक बंद कर घर जा रहे चिकित्सक पर नकाबपोश बदमाशों ने लोहे की राड से हमला कर दिया जिससे वह घायल हो गए। इसके बाद बदमाश चिकित्सक के गले से सोने की चेन छीनकर ऊंचगांव की ओर भाग गए। घटना से हड़कंप मच गया। पीड़ित की बेटे की तहरीर पर पुलिस ने बदमाशों के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। थाना क्षेत्र के मदनापुर गांव के रहने वाले डॉक्टर बृजेंद्र बहादुर सिंह पुत्र स्वर्गीय सूर्यपाल सिंह की भोजपुर कस्बे में क्लीनिक है। बुधवार को वह क्लीनिक बंद कर बाइक से घर जा रहे थे। लेकिन जैसे ही भोजपुर ऊंचगांव मार्ग से अपने गांव की ओर मुड़े और पचास मीटर आगे पहुंचे, तभी एक बाइक में दो नकाबपोश बदमाशों ने उनकी बाइक में टक्कर मार दिया। इससे वह सड़क पर गिर गए उनके गिरते ही बदमाश उनके गले में पड़ी सोने की चेन छीनने का प्रयास करने लगे। इस पर हाथापाई होने लगी। तभी एक बदमाश ने उनके सिर पर लोहे की रोड से हमला कर दिया। इससे वह सड़क पर गिर गए और घायल हो गए। इस बीच एक बदमाश ने उनके गले की सोने की चेन छीन ली और ऊंचगांव की ओर भाग गए। घटना से हड़कंप मच गया। चिकित्सक के बेटे अभिषेक सिंह की तहरीर पर पुलिस ने बदमाशों के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने घायल चिकित्सक का सीएचसी में इलाज कराया है। सीएचसी के डॉक्टर ने उन्हें सीटी स्कैन कराने की सलाह दी है। सरेनी थाना क्षेत्र में बढ़ती अपराधिक गतिविधियों पर पुलिस का अंकुश न होने के कारण क्षेत्र में दहशत का माहौल पैदा हो गया है। लूट की ताबड़तोड़ घटनाओं के क्रम में बीते तीन दिन पूर्व लुटेरों ने गरौली गांव ऑर्डर लेकर जा रहे सर्राफा व्यापारी को लूट लिया था। इस घटना की पुलिस ने रिपोर्ट भी दर्ज नहीं की थी। फलस्वरुप 72 घंटे के अंदर लुटेरों ने चिकित्सक के सिर पर हमला कर उनके गले से कीमती सोने की जंजीर लूट कर घटना को अंजाम दे दिया।

अज्ञात वाहन ने बुजुर्ग को मारी टक्कर, हालत गंभीर

हरचंदपुर, रायबरेली। थाना क्षेत्र में एक अज्ञात वाहन की टक्कर से एक बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना छतैया के पास हुई। जिसके बाद घायल को तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाया गया और फिर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, पुरे मौहारी मजरे गुलुपुर निवासी रामकेवल 70 वर्ष साइकिल से अपने घर जा रहे थे। नेशनल हाईवे पर छतैया के पास पीछे से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस के ईएमटी नवनीत कुमार शर्मा और पायलट आशीष कुमार ने घायल राम केवल को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया।

मामूली बात पर बुजुर्ग दंपति को पीटा

लालगंज,रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के पूरे धनऊ मजरे दतौली गांव में बुधवार की देर शाम को मामूली बात को लेकर तीन लोगों ने एक बुजुर्ग दंपति की पिटाई कर दी। बुजुर्ग के सिर पर लाठी मार कर घायल कर दिया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध केस दर्ज कर कार्रवाई की है। गांव निवासी छोटेलाल ने बताया कि वह दरवाजे लड़ रहे कुत्तों को खदेड रहा था। इसी बीच गांव के ही वीरेंद्र उसके बेटे जितेंद्र व विपिन ने उस पर हमला बोल दिया। लाठी मार का उसका सिर फोड़ दिया। बचाने आई उसकी पत्नी कमला को भी धक्का मार कर गिरा दिया।

एसडीएम सदर व लेखपाल संघ आमने-सामने, रात भर का धरना आखिरकार समझौते पर खत्म

पायनियर संवाददाता। सीतापुर

एसडीएम सदर धामिनी एम. दास की कड़ी कार्यशैली को लेकर भड़के लेखपालों का धरना बुधवार को भी पूरे दिन चलता रहा। मंगलवार देर शाम दो लेखपालों रमाकांत और दीपक कुमार को लंबे समय तक चैम्बर में बैठाकर काम करवाए जाने के आरोपों ने मामले को तूल दे दिया था। लेखपाल संघ ने इसे ''अमानवीय व्यवहार'' बताते हुए एसडीएम कार्यालय के बाहर जमकर धरना दिया, जिसे मनाने की कोशिश शहर कोतवाल अनुप शुक्ला और न्यायिक तहसीलदार अतुल सेन सिंह भी नहीं रोक सके। माहौल लगातार तनावपूर्ण बना रहा। एसडीएम धामिनी एम. दास ने अपना रुख साफ करते हुए कहा था कि मामले में ''बंधक बनाकर रखने'' का आरोप बेबुनियाद है और अभियान में लगातार लापरवाही के चलते कार्रवाई करना मजबूरी थी। उनका तीखा बयान—''अगर मेरा चैम्बर ही जेल है, तो मैं भी उसी जेल में बैठी हूं।''काफी चर्चा में रहा।

दूसरे दिन मोर्चे पर तहसीलदार की एंट्री – वार्ता से पिघली बर्फ बुधवार को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार लेखपाल संघ ने फिर से धरना शुरू किया। इस बार माहौल और उग्र दिख रहा था। आरोप था कि एसडीएम ने पूर्व में भी अपमानजनक भाषा व व्यवहार किया है, जिसके विरोध में संघ कार्यबहिष्कार एवं प्रदर्शन पर अडिग था। तनाव बढ़ता देख तहसीलदार सदर मौके पर पहुंचे और सभी लेखपालों की मौजूदगी में एसडीएम धामिनी एम. दास के साथ विस्तृत वार्ता कराई। करीब एक घंटे चली इस बातचीत में एसडीएम ने आश्वासन दिया कि– भविष्य में किसी कर्मचारी के साथ अमानवीय व्यवहार नहीं होगा।

उधारी मांगने पर मनबढ़ो ने आढ़तिया को पीटा

सलोन,रायबरेली। उधारी पैसे मांगने पर मनबढ़ युवकों ने आढ़तिया को कृषि मंडी सलोन में जमकर पीटा है। इस दौरान मौजूद लोग मूक दर्शक बनकर तमाशा देखते रहे। गम्भीर रूप से घायल आढ़तिया को जिला चिकित्सालय रिफर किया गया है। कोतवाली क्षेत्र के बसनतगंज निवासी सब्जी आढ़तिया मोहम्मद अतीक पुत्र मोहम्मद अली के मुताबिक औना सदरा निवासी विनय, अमन, अनुज से सुबह सब्जी का बकाया पैसा मांगने गया था। आरोप है कि तीनों युवकों ने सब्जी आढ़तिया को घेरकर पिटाई शुरू कर दी। इस दैरान सब्जी मंडी में काफी देर तक अफरा तफरी का माहौल रहा। घटना के बाद गम्भीर रूप से घायल आढ़तिया को सीएचसी सलोन से जिला चिकित्सालय रिफर किया गया है। कोतवाल राघवन कुमार सिंह का कहना है कि तहरीर के आधार पर तीनों युवकों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है।

पायनियर

लखनऊ, शुक्रवार, 5 दिसंबर 2025

सही मतदाता सूची भविष्य के हर सही व निष्पक्ष चुनाव की मजबूत नींवः केशव

❖ ढोल नगाड़े बजाकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का जोर शोर से किया भव्य स्वागत

पायनियर संवाददाता। प्रयागराज

बिहार विधानसभा चुनाव की जीत के बाद उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का प्रथम प्रयागराज आगमन पर कार्यकर्ताओं ने ढोल नगाड़े बजाकर पुलिस लाइन हेलीपैड से लेकर सर्किट हाउस तक जोर शोर से स्वागत किया। उन्हें बिहार विधानसभा चुनाव में भव्य जीत की बधाई दी। इस अवसर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सर्किट हाउस के सभागार में जनप्रतिनिधियों और जिला गंगापार, यमुना पार और प्रयागराज महानगर के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ एसआईआर अभियान को लेकर बैठक की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि हमें सौ प्रतिशत एस आई आर अभियान को सफल बनाना है इसके लिए सभी कार्यकर्ता अपनी पूरी ताकत झोंक दे, क्योंकि सही मतदाता सूची ही भविष्य के हर सही और निष्पक्ष चुनाव की मजबूत नींव है। उन्होंने कहा कि फर्जी वोट के कारण हम लोग विधायक, सांसद, पार्षद के पिछले चुनाव में ऐसे कई विधानसभा क्षेत्र और संसदीय क्षेत्र और नगर निगम और नगर निकाय के क्षेत्र में हम कुछ वोटो से सफल नहीं हो पाए हैं। ऐसे चुनावी क्षेत्र में हम एस आई आर अभियान को सौ प्रतिशत सफल बनाएंगे तो निश्चित रूप से हम सफल होंगे और और जिन चुनावी क्षेत्रों में हम सभी चुनाव जीत रहे हैं वहां पर और वोटों से हम चुनाव जीतेंगे। इसलिए सब काम छोड़कर हमें एस आई आर अभियान को सफल बनाना है। उन्होंने कहा कि कैराना, आजमगढ़ जैसे उत्तर प्रदेश के विधान सभा क्षेत्र में सौ प्रतिशत एस आई आर अभियान हो चुका है। जबकि अपने महानगर के पश्चिम विधानसभा में 66 प्रतिशत, उत्तरी विधानसभा में 71 प्रतिशत और दक्षिणी विधानसभा में 62 प्रतिशत ही एस आई आर अभियान हुआ है। इसे हमें सौ प्रतिशत सफल करना है। कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने एस आई आर अभियान को सफल बनाने के लिए अपने सभी कार्यक्रम निरस्त कर दिए हैं। इसलिए सभी कार्यकर्ता एस आई आर अभियान में जुटे रहें। कहा कि एस आई आर अभियान के बाद हमें स्नातक एमएलसी चुनाव की तैयारी करना है। बैठक की अध्यक्षता करते हुए महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता ने उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को बिहार विधानसभा चुनाव की जीत बधाई दी और महापौर गणेश केसरवानी और महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता ने बड़ी माला पहनाकर कर स्वागत किया। संचालन महामंत्री कुंज बिहारी मिश्रा ने किया। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि बैठक के उपरांत उन्होंने अपने बूथ के पदाधिकारियों संयोजकों एवं कार्यकर्ताओ के साथ बैठक की। इस दौरान उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने उपस्थित पत्रकारों से कहा कि 2026 में प्रयागराज में लगने वाला माघ मेला दिव्य एवं भव्य माघ मेला होगा। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष डा वी के सिंह, महापौर गणेश केसरवानी, एमएलसी सुरेंद्र चौधरी, जिला अध्यक्ष गंगापार निर्मला पासवान आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुलिस ने महिलाओं को हेल्पलाइन नम्बर के बारे में दी जानकारी

उतरौला ,बलरामपुर। कोतवाली उतरौला के प्रभारी निरीक्षक अवधेश राज सिंह के नेतृत्व में मिशन शक्ति प्रभारी शालिनी सिंह, हेड कांस्टेबल मेवा लाल,महिला आरक्षी गीतू सिंह, आरक्षी अरुणेश पटेल, द्वारा सेखुइया गांव में महिलाओं से उनकी कुशलता व समस्या के बारे में पूछा गया साथ उनको सभी हेल्प लाइन नंबरों की जानकारी देते हुए सरकारी योजनाओं के बारे में बताया गया थाना कोतवाली उतरौला जनपद बलरामपुर में आज दिनांक 04/12/25 को मिशन शक्ति फेस 5 के तहत में महिलाओं को साइबर फ्रॉड महिलाओं की सुरक्षा एवं अन्य योजनाओं जैसे मुद्दों पर चर्चा की एवं महत्वपूर्ण जानकारी दी गई थाने पर गठित मिशन शक्ति केंद्र के बारे में बताया गया।

असुरक्षित खाद्य पदार्थों पर कार्रवाई

एक प्रतिष्ठान का लाइसेंस निलंबित

❖ दो के लाइसेंस निलंबन की कार्यवाही प्रचलित

पायनियर संवाददाता। बलरामपुर

सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने बताया है कि खाद्य पदार्थों की मिलावट एवं असुरक्षित खाद्य वस्तुओं की बिक्री पर नियंत्रण हेतु आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश तथा जिलाधिकारी महोदय के निर्देश पर जनपद में प्रवर्तन अभियान संचालित हैं।

इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही करते हुए विभिन्न मिष्ठान प्रतिष्ठानों के नमूने संग्रहित कर विश्लेषण हेतु भेजे गये थे, नमूनों की जांच में खाद्य विश्लेषक गोरखपुर द्वारा 02 निर्माण इकाई एवं 01 फुटकर प्रतिष्ठानों के नमूनें असुरक्षित घोषित किया गया है।

जिनमें मेसर्स-राम मिष्ठान भण्डार, निर्माण इकाई स्थान चौक रोड, मेन मार्केट बलरामपुर से रसमलाई का नमूना मानव उपभोग के लिए हानिकारक घोषित करते हुए असुरक्षित किया गया है एवं मेसर्स-भारत स्वीट्स, स्थान जोगीवीर, उतरौला, बलरामपुर स्थित निर्माण इकाई से बतीसा एवं बतीसा रोल मिठाई को असुरक्षित घोषित किया गया है एवं फुटकर विक्रेता मा) राशिद खान पुत्र अब्दुल मन्नान के प्रतिष्ठान स्थित चीनी मिल गेट तुलसीपुर से मोतीचूर के लड्डू का नमूना असुरक्षित घोषित किया गया है।

उक्त के क्रम में मेसर्स भारत स्वीट्स, स्थान जोगीवीर, उत्तरीला का लाइसेंस निलम्बित करते हुए प्रतिष्ठान में निर्माण को अग्रिम आदेशों तक के लिए बन्द कराया गया है। मेसर्स-राम मिष्ठान भण्डार, स्थान चौक रोड, मेन मार्केट, बलरामपुर तथा नो० राशिद खान पुत्र अब्दुल मन्नान के प्रतिष्ठान के लाइसेंस को निलम्बित करने की कार्यवाही प्रचलन में लायी गयी है।

एसआईआर कार्यों का निरीक्षण करने जिलाधिकारी पहुंचे कटिंग मेमोरियल

❖ जिलाधिकारी ने आर्य महिला इंटर कालेज में चल रहे काशी सांसद बाल कवि सम्मेलन-2025 में भी प्रतिभाग किया

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के तहत गणना प्रपत्रों की फीडिंग और मैपिंग के कार्यों हेतु जिलाधिकारी,जिला निर्वाचन अधिकारी सत्येंद्र कुमार द्वारा कटिंग मेमोरियल इंटरमीडिएट कॉलेज का फिर से औचक निरीक्षण किया गया और बुथवार फीडिंग तथा मैपिंग की अद्यतन प्रगति के संबंध में विस्तृत जानकारी ली गई। उन्होंने विभिन्न कक्षों में जाकर कार्मिकों से आज किए गए गणना प्रपत्रों की मैपिंग और फीडिंग के कार्यों का ब्यौरा लिया। जिलाधिकारी ने मैपिंग के कार्यों को हर हाल में सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से कहा की एस आई आर संबंधी सभी कार्य 11 दिसम्बर से पहले तक पूर्ण करा लिया जाए। उन्होंने फॉर्म भरने और सत्यापन प्रक्रिया में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने आर्य महिला इंटर कॉलेज में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के कार्यों का अवलोकन किया। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी,एडीएम विपिन कुमार सहित निर्वाचन से संबंधित अन्य कार्मिक मौजूद रहे। इसी दौरान आर्य महिला इंटर कालेज में चल रहे,काशी सांसद बाल कवि सम्मेलन-2025 की वार्ड स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कॉलेज की चयनित छात्राओं में से तीन छात्राओं ने जिलाधिकारी को काशी, गंगा और वीरों की शौर्य गाथाओं से संबंधित कविताएं सुनाई।

संक्षिप्त समाचार

अपर्णा गर्ग ने रेलवे बोर्ड में सदस्य वित्त का पदभार संभाला

प्रयागराज। 1987 बैच की भारतीय रेलवे लेखा सेवा आईआरएएस अधिकारी अपर्णा गर्ग ने रेलवे बोर्ड में सदस्य वित्त का पदभार ग्रहण कर किया। वह भारत सरकार के वरिष्ठतम सिविल सेवकों में से एक हैं, जिनके पास 36 वर्षों से अधिक का अनुभव है। सुश्री गर्ग ने मैसूर में मंडल रेल प्रबंधक रेल व्हील फैक्ट्री में प्रधान वित्तीय सलाहकार और आईआरआईएफएम में महानिदेशक सहित कई प्रमुख पदों पर कार्य किया है। वह एक शेवनिंग फेलो हैं और लीडस विश्वविद्यालय, यू के से परिवहन अर्थशास्त्र में उन्नत स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने मिलान स्थित बोकोनी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, सिंगापुर स्थित इनसीड, और हैदराबाद स्थित इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस से कार्यकारी प्रशिक्षण भी प्राप्त किया है।

आज भूपेंद्र सिंह चौधरी आयेंगे जौनपुर

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी की जिला मीडिया प्रभारी आमोद सिंह ने बताया कि कल दिनांक 5 दिसम्बर को प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी जौनपुर में आएंगे। और दोपहर 12:00 बजे कार्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ रक्फ़को लेकर एक बैठक लेंगे।

दहेज प्रथा एक श्राप हैः राधेरमण जायसवाल

जौनपुर। नगर उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल ने सामाजिक संस्था जेब्रा फाउंडेशन द्वारा सामाजिक समरसता तथा एकता के संदेश को जन- जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से 7 दिसम्बर रविवार 2025 को सामूहिक विवाह के आयोजन का प्रशंसा करते हुए कहा जेब्रा संस्था द्वारा 1997 से लगातार 3 वर्षों के अंतराल पर सामूहिक विवाह के इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसमें समाज के हर एक व्यक्ति में दहेज जैसी कुप्रथा को समाप्त करने का संदेश दिया जाता है, आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के हाथ पीले करना और सामाजिक सौहार्द की मिसाल कायम करना संस्था का उद्देश्य है। नगर अध्यक्ष ने सभी जनपद वासियों से इस कार्यक्रम में तन मन धन से सहयोग करते हुए इस उत्सव में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का आग्रह किया, जो सामाजिक संस्थाएं और व्यापारी क्षमता अनुसार इस कार्यक्रम में अपना सहयोग कर रहे हैं और सभी के सहयोग से ही यह कार्यक्रम 27 वर्षों से संपन्न हो रहा है,रविवार को सामूहिक विवाह जैसे पवित्र कार्यक्रम में पहुंचकर नए वैवाहिक जोड़ो को अपनी शुभकामना और आशीर्वाद देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना करें।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य बने डॉ. आशुतोष चौधरी

प्रयागराज। विशाखापट्टनम में आयोजित इंडियन ऑर्थोडोंटिक सोसाइटी के 59 वें वार्षिक सम्मेलन में अखिल भारतीय चुनाव जीतकर प्रयागराज के वरिष्ठ दंत चिकित्सक डॉ आशुतोष चौधरी कार्यकारिणी सदस्य निर्वाचित हुए हैं। यह गर्व का का विषय है कि प्रयागराज से पहली बार कोई ऑर्थोडॉन्टिस्ट राष्ट्रीय कार्यकारिणी में चुना गया है। सम्प्रति प्लेनेट डेंटल क्लीनिक, सिविल लाइन्स के निदेशक डॉ आशुतोष चौधरी इंडियन डेंटल एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के कार्यकारिणी सदस्य एवं इंडियन डेंटल एसोसिएशन प्रयागराज के उपाध्यक्ष समेत अनेक पदों पर हैं। डा आशुतोष चौधरी आईडीए देवप्रयाग अवार्ड, आईडीए बेस्ट इंट्रोड्यूसर अवार्ड, आइडीए सूर्य कोली मेमोरियल अवार्ड, आईडीए यूपी स्टेट बेस्ट सीडीएच ऐक्टिविटी अवार्ड समेत अनेक सम्मान एवं पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। अभी तक कई निशुल्क दंत परीक्षण शिविर आयोजित कर चुके हैं।

हाईटेक असिस्टेंट की तरह काम करता है रोबोट सर्जरी

प्रयागराज। यह समस्या अधिकतर पचास वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में देखी जाती है और महिलाओं में इसकी संभावना पुरुषों की तुलना में ज्यादा होती है। घुटने का दर्द, खासकर ऑस्टियोआर्थराइटिस के कारण भारत में यह बहुत आम समस्या है। मोटापा, पारिवारिक इतिहास या पहले हुए जोड़ों की चोटें इस रोग के खतरे को और बढ़ा देती हैं। मैक्स स्मार्ट सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल साकेत के ऑर्थोपेडिक्स, जॉइंट्स एवं रोबोटिक सर्जरी विभाग के ग्रुप चेयरमैन एवं चीफ सर्जन डॉ एस के एस मार्या ने बताया कि अक्सर लोग रोबोट शब्द सुनकर समझते हैं कि मशीन अपने आप सर्जरी करती है, जबकि हकीकत यह है कि सर्जन ही हर प्रक्रिया को नियंत्रित करता है। धीरे धीरे बढ़ता दर्द, जकड़न और चलने फिरने में दिक्कतें व्यक्ति की रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करती हैं और बुजुर्गों में यह विकलांगता का प्रमुख कारण बन जाती है। रोबोट एक हाईटेक असिस्टेंट की तरह काम करता है, जो सर्जरी को अत्यंत सटीकता और सुरक्षा के साथ पूरा करने में मदद करता है।

वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव कक्कड़ सम्मानित

पायनियर संवाददाता। प्रयागराज

एडवोकेट एसोसिएशन की ओर से उच्च न्यायालय में नवनियुक्त वरिष्ठ अधिवक्ताओं को एक समारोह में सम्मानित किया गया। सम्मानित होने से पूर्व वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव कक्कड़ ने पूर्व वरिष्ठ अधिवक्ता रहे स्व आनंद देव गिरी के फोटो पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। उच्च न्यायालय द्वारा गठित पूर्ण समिति ने अत्यंत सरल स्वभाव के प्रख्यात विधिवेत्ता गौरव कक्कड़ को वरिष्ठ अधिवक्ता नामित किया है। अधिवक्ता दिवस पर आयोजित सम्मान समारोह में उपस्थित वरिष्ठ अधिवक्ता प्रदीप कुमार ने वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव कक्कड़ का माल्यार्पण कर स्वागत किया। वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव कक्कड़ ने आयोजन समिति का आभार जताते हुए कहा कि हाईकोर्ट का स्वर्णिम इतिहास रहा है, यहां के अनेक नामचीन अधिवक्ताओं ने देश विदेश मे नाम रोशन किया है। एशिया के सबसे बड़े उच्च न्यायालय मे विधिक कार्य का अपना अलग अनुभव है। पीड़ितों को न्याय दिलाना और न्यायमूर्तिगणों के सामने सही पक्ष रखना ही एक अधिवक्ता का मूल कर्तव्य है। कार्यक्रम की अध्यक्षता एडवोकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता सगीर अहमद और सचिव ईशान देव गिरी और अन्य पदाधिकारियों द्वारा आभार ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता नवीन सिन्हा, गजेंद्र प्रताप, संजीव सिंह, वी एच खान, आशीष चित्रांशी, वाई एस बोहरा, राघवेंद्र प्रकाश, सी पी निगम, कौशल मिश्रा, आशुतोष शुक्ला, शुभम यादव, सार्थक सिन्हा, अमरेंद्र नाथ मिश्र आदि अधिवक्ता उपस्थित रहे।

ज्वाला देवी सिविल लाइन्स में हुआ तीन दिवसीय प्रान्तीय वार्षिक निरीक्षण

प्रयागराज। ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज सिविल लाइन्स में प्रतिवर्ष होने वाले वार्षिक शैक्षिक निरीक्षण के क्रम में विद्यालय का तीन दिवसीय वार्षिक निरीक्षण कार्यक्रम गुरुवार को संपन्न हुआ। 02 दिसम्बर से 04 दिसम्बर तक निरीक्षण किया गया। वन्दना सत्र से शुरू होकर गुरुवार को वन्दे मातरम सत्र के साथ सम्पन्न हुआ। निरीक्षण कार्यक्रम की निरीक्षण टोली में प्रधानाचार्य एवं वरिष्ठ आचार्य उपस्थित थे। निरीक्षण में बाल विद्या निकेतन उच्चतर विद्यालय चन्दौली के प्रधानाचार्य सन्तोष पाण्डेय, प्रवक्ता अंग्रेजी करुणानिधि पाण्डेय, प्रवक्ता गणित रमेश यादव, कार्यालय प्रमुख गौरी शंकर राय शामिल रहे। निरीक्षक बंधुओं ने तीन दिवसीय विद्यालय निरीक्षण के क्रम में शैक्षिक, वित्तीय, अनुशासन, विद्यालय परिवेश, संसाधन, संस्कार केन्द्र आदि का सूक्ष्म निरीक्षण तथा मातृ भारती, छात्र सांसद, कन्या भारती, पूर्व छात्र परिषद, बोर्ड के मेधावी के साथ बैठक कर विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों के बारे में सूक्ष्म जानकारी प्राप्त करते हुए कुछ सुझाव भी दिए।

दिव्यांग बच्चों में प्रस्तुत किया मनमोहक कार्यक्रम

❖ विधायक तुलसीपुर एवं डीएम ने किया सराहना एवं उत्साहवर्धन

बलरामपुर। अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर गिफ्टेबल फाउंडेशन द्वारा तहसील बलरामपुर में धुसाह संचालित समावेशी शिक्षा विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक तुलसीपुर कैलाश नाथ शुक्ला एवं जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने विद्यालय में अध्ययनरत दिव्यांग विद्यार्थियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा नृत्य, समूहगान एवं प्रेरक गतिविधियों सहित विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। बच्चों के उत्साह, कौशल एवं आत्मविश्वासपूर्ण प्रस्तुति देखकर सभी अतिथि एवं उपस्थित जनमानस अभिभूत हुए।

पुलिस अधीक्षक ने थाना तुलसीपुर का किया गया औचक निरीक्षण

पायनियर संवाददाता। बलरामपुर

आज दिनांक-04.12.2025 को पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विकास कुमार द्वारा थाना तुलसीपुर का औचक निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान द्वारा थाना मालखाना, थाना कार्यालय, सीसीटीएनएस कार्यालय, मिशन शक्ति केंद्र व अपराध रजिस्टर, त्योहार रजिस्टर, दंगा नियन्त्रण उपकरणों का भी निरीक्षण किया गया व कार्यालय के समस्त अभिलेखों को निरंतर अद्यतन करने हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया । तत्पश्चात द्वारा आरक्षी बैरक तथा थाना आवास , मेस आदि की साफ सफाई एवं स्वच्छता हेतु विशेष ध्यान देने हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी तुलसीपुर डॉ जितेन्द्र कुमार, प्रभारी निरी. थाना तुलसीपुर व अन्य अधिकारी/ कर्मचारीगण मौजूद रहे।

अन्तरराज्यीय गैंग का पर्दाफाश, गैंग के 5 सदस्य गिरफ्तार

❖ कुल 09 एंड्रायड झमोबाइल फोन व 04 लैपटाप बरामद

पायनियर संवाददाता। जौनपुर

जनपद केजलालपुर थाना क्षेत्र के असबरनरपुर निवासी रतन कुमार द्वारा अपनी लडकी का जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिये यूनियन बैंक जलालपुर मे विजय यादव पुत्र रामआसरे यादव ग्राम मुरलीपुर थाना केराकत जनपद जौनपुर जो आधार कार्ड बनाते है उनको दिया था। विनय द्वारा उनकी लडकी का फर्जी जन्म प्रमाण पत्र तैयार करके फर्जी जन्म प्रमाण पत्र दिया। जब इस जन्म प्रमाण पत्र का सत्यापन CMO office jaunpur से करवाया तो कार्यालय द्वारा ज्ञात हुआ कि फर्जी प्रमाण पत्र है। पता करने पर ज्ञात हुआ कि विनय यादव का एक गैंग है जिसके इसके गैंग मे रामभरत मौर्या पुत्र सूर्यभान ग्राम रमदतपुर पट्टी पो० (टाडा) के पास थाना बलुआ जनपद चन्दौली शामिल है इन लोगो के द्वारा फर्जी व कुट रक्षित जन्म प्रमाण पत्र आदि मृत्यु प्रमाण पत्र आदि दस्तावेज तैयार कर सीधे साधे लोगो को हम जैसे सीधे साधे लोगो को भारी भरकम पैसा लेकर दिया जाता है। तहरीर के आधार पर मु.अ.सं. 426/2025 धारा 319(2), 318(4), 338, 336(3), 340 (2) इठर पंजीकृत कर विवेचनात्मक कार्यवाही प्रचलित की गई। पुलिस अधीक्षक डा. कौस्तुभ द्वारा अपराध व अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक नगर एंव श्रीमान क्षेत्राधिकारी केराकत, जौनपुर के पर्यवेक्षण में दिनांक 04.12.2025 को उ.नि. मोहन प्रसाद मय उ.नि. बलवंता मय हमराह द्वारा मु.अ.सं. 426/25 धारा 319 (2), 318(4), 338, 336(3), 340(2)/3(5) बीएनएस व धारा 66 डीआईटी एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त अभियुक्त, अंकित यादव उर्फ शुभम यादव पुत्र नन्द लाल यादव निवासी टेकई थाना मोहम्मदाबाद गोहना जनपद मऊ उम्र करीब 23 वर्ष, राज कुमार उर्फ विक्की पुत्र हरीराम पण्डित निवासी हैबतपुर थाना गौर सिटी 2 जिला गौतमबुद्ध नगर उम्र 22 वर्ष को नहोरा सई नदी के पास से तीन एन्ड्राएड फोन व तीन लैपटाप के साथ समय 19.10 बजे गिरफ्तार किया गया। तथा उ.नि. अनिल कुमार तिवारी, उ.नि. विजय कुमार सिंह मय हमराह द्वारा मु.अ.सं. 426/25 धारा 319 (2), 318(4), 338, 336(3), 340(2)/3(5) बीएनएस व धारा 66 डी आईटी एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्तगण।

सीओ सिटी ने महिला थाने का किया निरीक्षण

पायनियर संवाददाता। जौनपुर

सीओ सिटी एवं ट्रेनी आईपीएस गोल्डी गुप्ता ने बुधवार को महिला थाने का त्रिस्तरीय निरीक्षण करते हुए कार्यप्रणाली की गहन समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने सर्वप्रथम आगंतुक रजिस्टर, फरियादियों का विवरण, मासिक निरीक्षण पुस्तिका, प्रार्थना पत्र रजिस्टर, आरोप पत्र सहित CCTNS और IGRS से संबंधित अभिलेखों की जांच की। उन्होंने अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव पर बल दिया। सीओ सिटी ने पहरा ड्यूटी पर तैनात महिला आरक्षी भानमती चौहान को दायित्वों के प्रति सतर्क व जिम्मेदार रहते हुए ड्यूटी करने की हिदायत दी। वहीं महिला आरक्षी अनुप्रिया त्रिपाठी को असलहे खोलने का निर्देश दिया, जिसे उन्होंने कम समय में कुशलतापूर्वक करके अपनी दक्षता का परिचय दिया। इस पर सीओ सिटी ने प्रसन्नता व्यक्त की। महिला संबंधी मामलों में दोनों पक्षों की सहमति से समझौता कराकर दंपतियों के बीच मतभेद दूर कराने के प्रयासों की उन्होंने सराहना की। विशेष रूप से महिला थाना प्रभारी इंस्पेक्टर श्यामा तिवारी की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास सामाजिक समरसता को मजबूत करते हैं। सीओ सिटी गोल्डी गुप्ता ने लगभग 40 मिनट तक थाने पर मौजूद रह कर विभिन्न इकाइयों का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए।

दो दिवसीय शाहगंज महोत्सव का हुआ शुभारंभ

❖ शाहगंज महोत्सव में रजिस्टर्ड 631 जोड़ों में से 587 जोडो का विवाह हुआ संपन्न

पायनियर संवाददाता। जौनपुर

जनपद के तहसील शाहगंज स्थित रामलीला मैदान में आयोजित 02 दिवसीय शाहगंज महोत्सव का शुभारम्भ आज बड़े ही हर्षोल्लास और भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। समारोह का उद्घाटन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा श्री धर्मवीर प्रजापति, विधायक शाहगंज श्री रमेश सिंह, पूर्व गृहराज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह, पूर्व सांसद कुवर हरिवंश सिंह, जिलाध्यक्ष भाजपा अजीत प्रजापति जिलाधिकारी डा० दिनेश चन्द्र तथा पुलिस अधीक्षक डा० कौस्तुभ सहित अन्य के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।

महोत्सव स्थल पर पधारे समस्त अतिथिगण का पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत एवं सम्मान किया गया। तत्पश्चात सभी अतिथियों ने मिशन शक्ति के स्टॉल का निरीक्षण किया तथा विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त की। महोत्सव के प्रमुख आकर्षण सामूहिक विवाह समारोह में सभी जोड़ों का विधि-विधानपूर्वक विवाह सम्पन्न कराया गया। राज्यमंत्री विधायक सहित अन्य अतिथियों ने नवविवाहित दंपतियों को आशीर्वाद प्रदान किया और उनके सुखमय वैवाहिक जीवन की कामना की। इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों मे उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया। राज्यमंत्री धर्मवीर प्रजापति ने अपने संबोधन में कहा कि शासन गरीब परिवारों की बेटियों के हाथ पीले कराने के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा आवास, गैस, शिक्षा, सामूहिक विवाह योजना तथा आयुष्मान कार्ड के माध्यम से पाँच लाख रुपये तक की निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा सहित अन्य सूविधाए उपलब्ध कराकर आमजनमानस को राहत प्रदान की गई है। विधायक शाहगंज रमेश सिंह ने शाहगंज महोत्सव के सफल आयोजन हेतु जुड़े सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सहयोगी संस्थाओं को धन्यवाद ज्ञापित किया।

जिलाधिकारी डा. दिनेश चन्द्र ने कहा कि शाहगंज महोत्सव के अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी की प्रेरणा से सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत जोडो की पहचान बायोमेट्रिक विधि से सुनिश्चित की गई है।

पुतिन की यात्रा पर दुनिया की निगाहें

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा पर सारी दुनिया भर की निगाहें हैं। उनकी यात्रा को लेकर भारत ने जिस तरह की अगवानी की तैयारी की है उसने देश-दुनिया को अचंभे में डाल दिया है। पुतिन की इस यात्रा को लेकर सबसे ज्यादा अटेंशन मोड में अमेरिका और यूरोपीय देश हैं। निःसंदेह रूसी राष्ट्रपति की भारत यात्रा पर चीन भी नजर रखेगा, क्योंकि यूक्रेन युद्ध के चलते रूस की उस पर निर्भरता बढ़ गई है। रूसी राष्ट्रपति एक ऐसे समय भारत आ रहे हैं, जब अमेरिका यूक्रेन युद्ध खत्म कराने के लिए हाथ-पैर मार रहा है। इसके लिए वह रूस के साथ-साथ भारत पर भी दबाव बना रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारतीय आयात पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ इसीलिए थोप रखा है कि भारत रूस से तेल खरीद रहा है। जैसे अमेरिका की यह चाहत है कि भारत रूस से तेल खरीद

बंद कर दे, वैसे ही यूरोपीय देश भी यही चाहते हैं कि भारत रूस से दूरी बनाकर रखे। कुछ यूरोपीय देशों ने तो भारत को रूस की निकटता से आगाह भी किया है। यह बात और है कि वे स्वयं रूस से ऊर्जा की आपूर्ति कर रहे हैं। यह तो तय है कि भारत रूस से अपने संबंधों को आगे बढ़ाने के क्रम में अमेरिका और यूरोपीय देशों की चिंताओं की अधिक परवाह नहीं करने वाला, लेकिन इस तथ्य की अनदेखी भी नहीं की जा सकती कि उसे अमेरिका के दबाव में रूस से तेल खरीद में कटौती करनी पड़ी है। स्पष्ट है कि भारत और रूस, दोनों के ही सामने यह चुनौती है कि तेल खरीद के मामले में अमेरिका के अनुचित दबाव का प्रतिकार कैसे किया जाए। भारत को यह प्रतिकार करते समय इसका ध्यान रखना होगा कि इससे अमेरिका के साथ होने वाले व्यापार समझौते में कोई बाधा न खड़ी होने पाए।

चूंकि रूसी राष्ट्रपति अपने कई मंत्रियों के साथ भारत आ रहे हैं और वे दो दिन प्रवास करेंगे, इसलिए यह तो स्पष्ट है कि दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में बड़े समझौते होने वाले हैं। ये समझौते दोनों देशों को और निकट लाने का काम करेंगे, लेकिन भारत को एक ओर जहां यह ध्यान रखना होगा कि वह अपनी रक्षा जरूरतों पर एक सीमा से अधिक रूस पर निर्भर न होने पाए, वहीं दूसरी ओर उसे उसके साथ अपने व्यापार घाटे में कमी लाने के उपाय भी करने होंगे। पुतिन की भारत यात्रा को लेकर जो अंतरराष्ट्रीय हलचल है उससे इतर देश में विपक्ष मामले को लेकर बेचैन है। इसका उदाहरण तब देखने को मिला जब लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दावा किया कि मोदी सरकार विदेशी मेहमानों को विपक्षी नेता से मिलने से रोक रही है क्योंकि वह खुद को असुरक्षित महसूस करती है। उन्होंने यह भी कहा कि जब कोई विशिष्ट विदेशी मेहमान भारत आता है या वह विदेश जाते हैं तो सरकार की तरफ से कहा जाता है कि उनसे मुलाकात नहीं होनी चाहिए। कांग्रेस नेता ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे से कुछ घंटे पहले यह दावा किया। राहुल के इस बयान को फिलहाल एक बौखलाहट के तौर पर देखा जा रहा है। उन्होंने परंपरा की दुहाई भी दे डाली कि जो विदेशी मेहमान भारत आते हैं उनकी नेता प्रतिपक्ष से मुलाकात होती है। यह अटल बिहारी वाजपेयी के समय होता था और मनमोहन सिंह के समय भी होता था।

भारत की नीली सीमाओं की अजेय प्रहरी भारतीय नौसेना

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना के जांबाजों को याद करते हुए 'भारतीय नौसेना दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारतीय नौसेना की शानदार जीत के जश्न के रूप में मनाया जाता है। दरअसल 3 दिसम्बर 1971 को पाकिस्तानी सेना ने हमारे हवाई और सीमावर्ती क्षेत्र में हमला कर दिया था। दुष्ट पाकिस्तान को उस हमले का मुहतोड़ जवाब देने के लिए पाकिस्तानी नौसेना के कराची स्थित मुख्यालय को निशाने पर लेकर 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' चलाया गया था और भारतीय नौसेना की मिसाइल नाव तथा दो युद्धपोतों के आक्रमणकारी समूह ने कराची के तट पर जहाजों के समूह पर हमला कर दिया था। हमले में पाकिस्तान के कई जहाज और ऑयल टैंकर तबाह कर दिए गए थे।

भारतीय नौसेना का वह हमला इतना आक्रामक था कि कराची बंदरगाह पूरी तरह बर्बाद हो गया था और कराची तेल डिपो पूरे सात दिनों तक धू-धूकर जलता रहा था। तेल टैंकरों में लगी आग की लपटों को 60 किलोमीटर दूर से भी देखा जा सकता था। उस हमले में कराची हार्बर फ्यूल स्टोरेज तबाह होने के कारण पाकिस्तानी नौसेना की कमर टूट गई थी। भारतीय नौसेना द्वारा किए गए हमले में तीन विद्युत क्लास मिसाइल बोट, दो एंटी-सबमरीन और एक टैंकर शामिल थे और युद्ध में भारतीय नौसेना ने पहली बार जहाज पर मार करने वाली एंटी शिप मिसाइल से हमला किया था। ऑपरेशन ट्राइडेंट की सफलता के बाद भारत-पाकिस्तान युद्ध में जीत हासिल करने वाली भारतीय नौसेना की शक्ति और बहादुरी को सलाम करने के लिए 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना दिवस मनाने की शुरूआत हुई।

नौसेना दिवस समारोह में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की योजना विशाखापट्टनम स्थित भारतीय नौसेना कमान द्वारा तैयार की जाती है। समारोह की शुरुआत युद्ध स्मारक पर पुष्प अर्पित करके की जाती है, उसके बाद नौसेना की पनडुब्बियों, जहाजों, विमानों आदि की ताकत और कौशल का प्रदर्शन किया जाता है। नौसेना के मुंबई स्थित मुख्यालय में इस अवसर पर नौसैनिक अपने शौर्य का प्रदर्शन करते हैं और गेटवे ऑफ इंडिया बीटिंग रीट्रिट सेरेमनी का आयोजन किया जाता है। भारतीय नौसेना मुख्य रुप से तीन भागों (वेस्टर्न नेवल कमांड, ईस्टर्न नेवल कमांड तथा दक्षिणी नेवल कमांड) में बंटी है। वेस्टर्न नेवल कमांड का मुख्यालय मुंबई में, ईस्टर्न नेवल कमांड का विशाखापत्तनम में और दक्षिणी नेवल कमांड का कोच्चि में है। वेस्टर्न तथा ईस्टर्न कमांड ऑपरेशनल कमांड है, जो अरब सागर और बंगाल की खाड़ी को संभालती है जबकि दक्षिणी नेवल कमांड ट्रेनिंग कमांड है। केरल स्थित एझिमाला नौसेना अकादमी एशिया की सबसे बड़ी नौसेना अकादमी है। भारत के राष्ट्रपति भारतीय नौसेना के सुप्रीम कमांडर हैं। वॉइस एडमिरल राम दास कटारी 22 अप्रैल 1958 को भारतीय वायुसेना के पहले भारतीय चीफ बने थे। भारतीय नौसेना का नीति वाक्य है 'शं नो वरूणः' अर्थात जल के देवता वरूण हमारे लिए मंगलकारी रहें।

भारतीय नौसेना 4 दिसंबर 2025 को तिरुवनंतपुरम के शंगुमुघम बीच पर नौसेना दिवस को भव्य और अद्वितीय ऑपरेशनल प्रदर्शन के रूप में मना रही है। यह आयोजन न केवल 1971 के ऐतिहासिक युद्ध विजय को स्मरण करेगा बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की उभरती सामरिक शक्ति और बढ़ते समुद्री प्रभाव का भी प्रतीक बनेगा। इस अवसर पर सतह पोतों, पनडुब्बियों और हवाई युद्धक क्षमताओं का शानदार संगम देखने को मिलेगा, जो नौसेना की बहु-क्षेत्रीय तत्परता और सटीक सैन्य संचालन की क्षमता को प्रदर्शित करेगा। पूरे प्रदर्शन का केंद्रबिंदु आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना होगी। स्वदेशी जहाजों, हथियार प्रणालियों और तकनीकी प्लेटफॉर्म की प्रस्तुति यह स्पष्ट संदेश देगी कि भारतीय नौसेना 'मेक इन इंडिया' की आत्मा को वास्तविक शक्ति में बदल रही है। यह आयोजन न केवल तकनीकी उत्कृष्टता, संसाधन क्षमता और ऊर्जावान रणनीतिक सोच का परिचायक बनेगा बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में भारत को 'पसंदीदा सुरक्षा साझेदार' के रूप में स्थापित करने की नौसेना की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करेगा। यह भव्य प्रदर्शन उन वीर पुरुषों और महिलाओं को नमन है, जो अनुशासन, साहस और राष्ट्रनिष्ठा के साथ समुद्री सीमाओं की रक्षा करते हैं। यह भारतीय नौसेना को एक आधुनिक, आत्मनिर्भर और युद्ध के लिए सदा तत्पर बल के रूप में स्थापित करने का सशक्त घोष है।

भारतीय नौसेना का कार्य भारत की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा करना है और इसके गठन का इतिहास ब्रिटिश काल से जुड़ा है। ईस्ट इंडिया कम्पनी ने भारतीय नौसेना की स्थापना वर्ष 1612 में ब्रिटिश व्यापारियों के जहाजों की सुरक्षा के लिए 'ईस्ट इंडिया कम्पनी मरीन' के रूप में की थी। वर्ष 1686 तक ब्रिटिश व्यापार पूरी तरह से बॉम्बे में स्थानांतरित हो जाने के बाद इस दस्ते का नाम 'ईस्ट इंडिया मरीन' से बदलकर 'बॉम्बे मरीन' कर दिया गया, जिसने मराठा, सिंधी युद्ध के साथ-साथ वर्ष 1824 में बर्मा युद्ध में भी हिस्सा लिया था। वर्ष 1892 में इसका नाम 'रॉयल इंडियन नेवी' रखा गया। देश की आजादी के बाद वर्ष 1950 में नौसेना का गठन फिर से किया गया और 26 जनवरी 1950 को भारत के लोकतांत्रिक गणराज्य बनने के बाद इसका नाम रॉयल इंडियन नेवी से बदलकर इंडियन नेवी (भारतीय नौसेना) कर दिया गया।

भारतीय नौसेना वर्तमान में विशालकाय और एडवांस फीचर से लैस अपने युद्धक पोतों, सबमरीन्स इत्यादि के बलबूते दुनियाभर में चौथे स्थान पर है। मौजूदा समय में भारतीय नौसेना की ताकत पर नजर डालें तो भारतीय नौसेना के बेड़े में दो विशाल विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य तथा आईएनएस विक्रांत के अलावा अनेक अत्याधुनिक एयरक्राफ्ट, वॉरफेयर शिप, सबबमरीन तथा अन्य सैन्य साजो-सामान हैं, जो इसे दुनिया में चौथी सबसे मजबूत नौसेना बनाते हैं। बहरहाल, यह गर्व की बात है कि हिन्द महासागर में ड्रैगन के कब्जे की रणनीति को नाकाम करने के लिए भारत अपनी समुद्री ताकत बढ़ाने के लिए लगातार विध्वंसक युद्धपोतों और पनडुब्बियों के निर्माण में लगा है। इसी कड़ी में आईएनस कलवरी, खंडेरी और आईएनएस करंज के बाद स्वदेशी पनडुब्बी आईएनएस वेला को नौसेना में शामिल किया जा चुका है, जो अत्याधुनिक मशीनरी और टैक्नोलॉजी के साथ-साथ घातक हथियारों से भी लैस है। इस सबमरीन को 'साइलेंट किलर' कहा जाता है, जो दुश्मन को उसकी मौत की भनक तक नहीं लगने देती। कुल मिलाकर, भारतीय नौसेना की ताकत दिनों-दिन बढ़ रही है और वर्तमान में इसकी ताकत के आगे पाकिस्तानी नौसैना कहीं नहीं ठहरती तथा चीन की चुनौतियों का भी हमारी नौसेना डटकर मुकाबला कर रही है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार तथा सामरिक मामलों के विश्लेषक हैं)

संस्कृत का भारतीय संस्कृति के लिए महत्व

शोध से पता चला है कि संस्कृत पढने़ से स्मरण शक्ति बढ़ती है। संस्कृत भाषा के महत्व को इस बात से भी समझा जा सकता है कि ये भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में आधिकारिक भाषाओं में से एक है

डा. वरिंद्र भाटिया

आज भारत के विद्यालयों तथा अनेक निजी संस्थानों में संस्कृत विषय को पुनरीक्षण, सामाजिक व्यवहार, संगीत, योग आदि से भी जोड़ा जा रहा है। संस्कृत भाषा की एक महत्वपूर्ण विशेषता है। इसे कम्प्यूटर और कृत्रिम बुद्धि के लिए सबसे उपयुक्त भाषाओं में से एक माना जाता है। शोध से पता चला है कि संस्कृत पढने़ से स्मरण शक्ति बढ़ती है। संस्कृत भाषा के महत्व को इस बात से भी समझा जा सकता है कि ये भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में आधिकारिक भाषाओं में से एक है। इसे तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और ओडिया के साथ भारत की 6 शास्त्रीय भाषाओं में से एक माना जाता है। संस्कृत दुनिया की सबसे प्राचीन और वैज्ञानिक भाषा हैङ्क

तमिलनाडु के डिप्टी सीएम उदयनिधि स्टालिन ने हाल ही में भारतीय संस्कृति की शिरोमणि भाषा संस्कृत को एक मृत भाषा कहा है। उनके इस वक्तव्य को लेकर पूरे देश मे आक्रोश देखा जा रहा है। ऐसा लगता है कि स्टालिन संस्कृत के भारतीयता के लिए महत्व को लेकर कम ज्ञान रखते हैं। उनको, और भी अनेकों को विश्व की अनेक भाषाओं की जननी संस्कृत के महत्व के बारे में ज्ञान हमारा नैतिक और सामाजिक कर्तव्य है। संस्कृत भारत की एक शास्त्रीय भाषा है, जिसका अर्थ 'संस्कारित' है। यह सबसे पुरानी भाषाओं में से एक है और हिंद-यूरोपीय भाषा परिवार की हिन्द-आर्य शाखा से संबंधित है। इसे देवभाषा भी कहते हैं और यह कई आधुनिक भारतीय भाषाओं जैसे हिंदी, मराठी, बंगाली, नेपाली आदि अनेक भाषाओं की जननी है। संस्कृत हिंदू, बौद्ध और जैन धर्मों की एक महत्वपूर्ण दार्शनिक और पवित्र भाषा रही है। इसका साहित्य विश्व के सबसे समृद्ध साहित्य में से एक है। महर्षि पाणिनि जैसे विद्वानों ने इसका वैज्ञानिक और सुस्पष्ट व्याकरण तैयार किया है। इसमें एकवचन और बहुवचन के साथ-साथ द्विवचन का भी प्रयोग होता है। प्राचीन काल से ही संस्कृत भाषा का प्रसार विदेशों में होता रहा है। विभिन्न सांस्कृतिक, धार्मिक, व्यापारिक और बौद्धिक आदान-प्रदान की वजह से यह भाषा विदेशों में भी पहुंची। प्राचीन भारत में जब बौद्ध और जैन धर्म का प्रसार हुआ, तो उसके साथ संस्कृत ग्रंथ भी मध्य एशिया, चीन, तिब्बत, जापान, कोरिया और दक्षिण-पूर्व एशिया (जैसे थाईलैंड, कंबोडिया, वियतनाम) तक पहुंचे।

बौद्ध भिक्षुओं ने संस्कृत में लिखे गए सूत्रों और शास्त्रों का अनुवाद किया और इसे विदेशों में ले गए। गुप्त काल में भारत की राजकीय भाषा संस्कृत थी। अंग्रेजों के आने से पहले तक दक्षिण के विद्वान जब उत्तर भारत में आते थे तो संस्कृत भाषा में बातचीत हुआ करती थी। इसी तरह से उत्तर भारत के विद्वान जब दक्षिण भारत में जाया करते थे तो संस्कृत में बात होती थी। हमारा सारा प्राचीन इतिहास जैसे महाभारत, रामायण, वेद, ज्योतिष के ग्रन्थ, योग के ग्रन्थ, आयुर्वेद इत्यादि सब मूल रूप से संस्कृत में लिखे गए हैं, अतः शिक्षा संस्कृत में हुआ करती थी। माना जाता है कि चीनी यात्री ''नसांग और फाहियान ने संस्कृत ग्रंथों को चीन में प्रचारित किया। इसके अलावा प्राचीन भारत के व्यापारी और नाविक दक्षिण-पूर्व एशिया (जैसे इंडोनेशिया, मलेशिया, बाली) में गए, जिसकी वजह से उन्होंने हिंदू धर्म और संस्कृत साहित्य को इन देशों में प्रसारित किया। रामायण और महाभारत जैसे ग्रंथ पूरी दुनिया को प्रभावित करते हैं। ये मूल रूप से संस्कृत में ही थे, जिन्हें दुनियाभर में मान्यता मिली। जैसे इंडोनेशिया में काकाविन रामायण और खमेर साम्राज्य (कंबोडिया) में अंगकोर वाट जैसे मंदिरों में संस्कृत शिलालेख मिलते हैं। तिब्बत में बौद्ध धर्म के साथ संस्कृत ग्रंथों का तिब्बती भाषा में अनुवाद हुआ। इसके अलावा श्रीलंका, नेपाल, भूटान और तिब्बत में संस्कृत का प्रसार धार्मिक और साहित्यिक आदान-प्रदान के माध्यम से हुआ। प्राचीन काल में नालंदा, तक्षशिला और विक्रमशिला जैसे प्राचीन भारतीय विश्वविद्यालयों में विदेशी छात्र पढने़ आते थे। इन छात्रों के माध्यम से भी संस्कृत भाषा विदेशों में पहुंची। उदाहरण के लिए, चीनी यात्री यी-जिंग ने नालंदा में संस्कृत सीखी।

संस्कृत भाषा विशेष रूप से जर्मनी, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, ऑस्ट्रेलिया, नेपाल, दक्षिण-पूर्व एशिया, जापान, चीन, भूटान, इजरायल, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, डेनमार्क, फिनलैंड, फ्रांस, इटली, नीदरलैंड, नॉर्वे, रूस, स्वीडन और स्विट्जरलैंड में पढ़ाई जाती है। संस्कृत का प्राचीन इतिहास हमें लगभग 3500 वर्ष पूर्व तक ले जाता है।

वैदिक सभ्यता के निर्माण काल में इसकी ध्वनि गूंजती थी। ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद, उपनिषद, ब्राह्मण, आरण्यक, स्मृति, पुराण, महाकाव्य, नाटक, अलंकार, इन सबका मूल आधार संस्कृत ही रही है। संस्कृत की उच्च स्थिति केवल भारत तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि यह प्राचीन काल में दक्षिण एशिया, पूर्वी एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया और मध्य एशिया के अभिजात्य वर्ग, शासन, दर्शन और साहित्य की भी भाषा बनी। संस्कृत के बिना भारत का दर्शन, काव्य, तंत्र, विज्ञान, चिकित्सा, गणित, नीतिशास्त्र, व्याकरण- सभी शून्य हो जाता। संस्कृत भाषाई विकास की जननी मानी जाती है, जिससे देश की अनेक बोलियों, भाषाओं ने जन्म लिया। संस्कृत, जो कभी केवल मंदिरों, यज्ञों या विद्वानों तक सीमित थी, आज फिर से भारतीय और वैश्विक मंचों पर नई पहचान बना रही है। कर्नाटक के मत्तूर, होसाहल्ली, झिरी (राजस्थान), सासन, गनोड़ा (गुजरात), पथरी (मध्य प्रदेश), कोशावल्ली (कर्नाटक) और देश के अन्य गांवों में संस्कृत जीवन का अंग है। मत्तूर और होसाहल्ली जैसे गांवों में तो दैनिक व्यवहार, शिक्षा, पूजा-पाठ, यहां तक कि छोटे व्यापार भी संस्कृत में होते हैं। इसके परे, जर्मनी, अमेरिका, रूस, स्विट्जरलैंड आदि देशों के विश्वविद्यालयों में संस्कृत पढ़ाई जा रही है। अमेरिका में संस्कृत हेतु विश्वविद्यालय भी स्थापित है और विश्वभर में संस्कृत से जुड़े शोध, जागरण व प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहे हैं। संस्कृत की वैज्ञानिक संरचना इसे कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मशीन लर्निंग, भाषा विज्ञान, मनोविज्ञान, संगणक विज्ञान, मशीनी अनुवाद जैसे क्षेत्रों में भी उपयुक्त बना रही है।

नासा, अमेरिकी विश्वविद्यालय तथा भारत के कम्प्यूटर वैज्ञानिक संस्कृत आधारित डेटा प्रोसेसिंग और कृत्रिम मेधा के लिए इसकी व्याकरणिक संरचना पर शोध कर रहे हैं। आज भारत के विद्यालयों तथा अनेक निजी संस्थानों में संस्कृत विषय को पुनरीक्षण, सामाजिक व्यवहार, संगीत, योग आदि से भी जोड़ा जा रहा है।

संस्कृत भाषा की एक महत्वपूर्ण विशेषता है। इसे कम्प्यूटर और कृत्रिम बुद्धि के लिए सबसे उपयुक्त भाषाओं में से एक माना जाता है। शोध से पता चला है कि संस्कृत पढने़ से स्मरण शक्ति बढ़ती है। संस्कृत भाषा के महत्व को इस बात से भी समझा जा सकता है कि ये भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में आधिकारिक भाषाओं में से एक है। इसे तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और ओडिया के साथ भारत की 6 शास्त्रीय भाषाओं में से एक माना जाता है। संस्कृत दुनिया की सबसे प्राचीन और वैज्ञानिक भाषा है। तमिल भी प्राचीन भाषाओं में से एक है। हमें दोनों भारतीय भाषाओं पर और सभी भारतीय भाषाओं पर गर्व है। स्टालिन को संस्कृत के विकास के लिए किए जा रहे प्रयत्नों को लेकर ईर्ष्यालु होना ठीक नहीं है। रही बात संस्कृत के मृत भाषा होने की तो सनद रहे कि जब तक सूर्य चमकता रहेगा, जब तक तारे टिमटिमाते रहेंगे, तब तक संस्कृत का हमारी संस्कृति के लिए महत्व रहेगा।

(लेखक कालेज प्रिंसीपल है)

आप की बात

बीएलओ की बढ़तीं मौतें चिंताजनक

एक खबर के अनुसार "सात राज्यों में अब तक 29 बीएलओ की मृत्यु". माना कि सरकारी ड्यूटी निभाना कर्मचारी का फर्ज है. अगर कम समय में अधिक काम को पुरा करना/कराना हो तो उसके लिए राज्य सरकारों को पर्याप्त सुविधा के साथ ही समुचित स्टॉफ की व्यवस्था भी करनी चाहिए या समय सीमा बढ़ाने का प्रावधान रखना चाहिए. यूं तो अधिकाँश कर्मचारी अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं और समय पर काम पूरा करने के भरसक प्रयास भी कार रहे हैं किन्तु कुछ राज्यों में अगर काम के अधिक बोझ से कर्मचारियों के स्वास्थ पर विपरीत असर पड़ रहा है तो उस पर सम्बंधित व्यवस्थापकों को ध्यान देना चाहिए. क्योंकि सात राज्यों में अब तक यदि 29 कर्मचारियों की दुखद मृत्यु हुई है तो कोई न कोई ऐसा कारण बना ही होगा जिससे उन्हें अपनी जान से हाथ धोना पड़ा. यह भी माना कि ड्यूटी पर कार्य करते हुए कर्मचारियों की मृत्यु होती है तो नियमानुसार जो भी सहायता मिलना चाहिए वो सरकार देगी. किन्तु फिर भी अगर काम का बोझ अधिक हो रहा है तब कर्मचारियों की संख्या और समय सीमा भी बढ़ाना कर्मचारियों के हित में हो सकता है. सुप्रीम कोर्ट ने भी संज्ञान लेते हुए अधिक काम काअधिक बोझ है तो स्टाफ बढ़ाने की सलाह दी है. अतः सरकारों/चुनाव आयोग को कर्मचारियों के हित में और काम ठीक से हो सके इस हेतु उचित व्यवस्था हेतु ध्यान देना चाहिए ताकि काम के बोझ से किसी भी तरह की अनहोनी न होने पाए और न किसी की भी सामान्य रूप से चलती गृहस्थी रुकने पाए.

शकुंतला महेश नेनावा, 57, गिरधर नगर, इंदौर (म.प्र.)

किसान पर दोहरी मार

मध्यप्रदेश के किसान पर आजकल दोहरी मार पड़ रही है। जहां एक तरफ फसलों के दाम इतने गिर चुके हैं कि लागत भी नहीं निकल पा रही है। वहीं दूसरी ओर खाद की भयंकर कमी और बढ़ती कीमतों ने किसानों को रात-दिन लाइनों में खड़ा होने पर विवश कर दिया है। गुना जिले के बागेरी खाद वितरण केंद्र पर दो दिनों से लाइन में खड़ी आदिवासी महिला भूरिया बाई मृत्यु हो गई । यह घटना सिर्फ एक मौत नहीं बल्कि पूरी व्यवस्था की पोल खोलने वाली है क्योंकि लाइनों से पहले ही खाद खत्म हो जाती है। आलम है तो वही खरीफ के बाद रबी सीजन में भी यह संकट किसानों को रुला रहा है और केंद्रीय मंत्रियों के बयानों के बावजूद कमी उजागर हो चुकी है। उज्जैन में पांच किसानों ने इसी संकट से तंग आकर जान दे दी और भिंड रीवा जैसे जिलों में खाद मांगने पर पुलिस की लाठियां और थप्पड़ पड़ रहे हैं। सबसे दर्दनाक चित्र प्याज किसानों का है जहां रतलाम और मंदसौर में दाम गिरकर मात्र 1 से 3 रुपये प्रति किलो रह गए जो लागत 10-12 रुपये से भी कम है। मार्केट में प्याज अच्छी खासी बिक रही है लेकिन किसानों को उनका मूल्य नहीं मिल रहा है इस स्थिति से निपटने के लिए केंद्रीय सरकार को भी हस्तक्षेप करने की आवश्यकता है

वीरेंद्र कुमार जाटव, दिल्ली

दबाव में नहीं, दोस्ती में यकीन-भारत

न झुकेंगे, न बिकेंगे, यही है हिंदुस्तान का जवाब

भारत के लिए पुतिन का ये दौरा सिर्फ़ एक मेहमान नवाज़ी नहीं, बल्कि सीधा सीना ठोककर दुनिया से कहना है झ हम अब भी अपने फैसले खुद लेते हैं। अमेरिका चाहे जितनी धमकी दे, यूरोप चाहे जितने प्रतिबंध लगाए, भारत ने साफ बता दिया कि उसकी दोस्ती बिकाऊ नहीं। रूस से सस्ता तेल मिलता रहेगा, महँगाई नहीं बढ़ेगी। एस-400 की नई यूनिटें आएंगी, सीमा पर नज़र रखने वाला आसमान और मजबूत होगा। एसयू-57 का रास्ता खुलेगा, हिंद महासागर से लेकर हिमालय तक हमारी हवा में हमारा राज होगा। छोटे न्यूक्लियर रिएक्टर बनेंगे, बिजली सस्ती होगी, कार्बन कम होगा, 2070 का सपना पहले पूरा होगा।

सबसे बड़ी बात ये यात्रा भारत को वो पुराना आत्मविश्वास लौटा रही है जो 1971 में था, जब रूस ने सातवें बेड़े को पीछे धकेला था। पुतिन जब मोदी से गले मिलेंगे, वो सिर्फ़ दो नेता नहीं, दो देशों की अटूट दोस्ती की तस्वीर होगी। दो दिन बाद पुतिन चले जाएँगे, लेकिन ये संदेश रह जाएगा। किसी के दबाव में नहीं झुकता। ये दो दिन का दौरा नहीं, भारत की नई ताकत का ट्रेलर है। दुनिया देख ले झ हम दोस्ती निभाते हैं, लेकिन सिर्फ़ अपने शर्तों पर।

प्रो. आरके जैन ''अरिजीत'', बड़वानी (मप्र)

मतदाता सूचियों का शुद्धीकरण

भारत के राजनैतिक विपक्ष द्वारा भारतीय चुनाव आयोग द्वारा कराये का रहे मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण का सतत विरोध और इस प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न करने के प्रयासों का एक ही हेतु समझ में आता जबौर वो है मतदाता बना दिए गए उन विदेशी घुसपैठियों का संरक्षण जो अवैध रूप से भारत में प्रवेश पाकर एक वोट बैंक के रूप में भारत के सेक्युलर दलों द्वारा संरक्षित और संवर्धित किए गए हैं। अधिकतर ये बांग्लादेश से आए अथवा रोहिंग्या मुसलमान हैं जो न तो शरणार्थी हैं न ही भारत के नागरिक..., बस अवैध रूप से भारत के अनेक राज्यों में बसे हैं । वर्तमान केन्द्र सरकार ऐसे सभी अवैध घुसपैठियों को चिह्नित कर उन्हें भारत से बाहर निकालने के पक्ष में है और चुनाव आयोग यह सुनिश्चित करने में कि केवल भारत का नागरिक ही मतदाता रहे । वास्तव में भारत का संविधान भी केवल भारत के नागरिक को मतदान का अधिकार देता है और चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था होने से संवैधानिक प्रावधानों के प्रति प्रतिबद्ध है । बिहार में अभी हुए चुनाव से पूर्व यह सर्वेक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ था तो भी बंगाल में बी एल ओ के तनाव, आत्महत्या आदि के पाखंड पूर्ण विमर्श के आधार पर प्रक्रिया को रोकने का प्रयास दुर्भाग्यपूर्ण है। सुप्रीम कोर्ट को तुरन्त प्रतिपक्ष के इस दुष्कर्म पर विराम लगाना चाहिए ताकि मतदाता सूचियों का शुद्धिकरण सहजता से हो सके ।

डॉ. जय प्रकाश गुप्त, अम्बाला छावनी

पाठकगण अपने विचार responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भेज सकते हैं।

पायनियर
लखनऊ, शुक्रवार, 5 दिसंबर 2025

डग्गामार वाहनों पर बड़ा एक्शन, 17 गाड़ियां जब्त

3 बसें-7 एर्टिगा निरुद्ध, 2.67 लाख की संपत्ति सीज

सुलतानपुर। अवैध रूप से यात्रियों को लूट रहे डग्गामार वाहनों के खिलाफ परिवहन विभाग ने सख्ती दिखाई है। यात्री/मालकर अधिकारी शैलेंद्र कुमार तिवारी के नेतृत्व में 3 और 4 दिसंबर को अमहट चौराहा व पयागीपुर चौराहे पर चलाए गए विशेष प्रवर्तन अभियान में कुल 17 वाहनों पर कार्रवाई हुई। इनमें 3 पैसेंजर बसें और 7 एर्टिगा वाहनों को मौके पर ही निरुद्ध कर जब्त कर लिया गया। जब्त वाहनों की अनुमानित कीमत करीब 2.67 लाख रुपये बताई गई है। बाकी वाहनों के चालान काटे गए। जब्त सभी वाहनों को रोडवेज परिसर और पुलिस लाइन में खड़ा कराया गया है। संयुक्त टीम में यातायात निरीक्षक राम निरंजन और सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक सुरेश चंद्र भी शामिल रहे। कार्रवाई के बाद अमहट और पयागीपुर के अवैध टैक्सी स्टैंड पूरी तरह बंद हो गए। अब परिवहन निगम की बसें ही यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचा रही हैं। यात्री/मालकर अधिकारी शैलेंद्र कुमार तिवारी ने कहा, यह कार्रवाई एक मिसाल बनेगी। डग्गामार वाहनों से सरकारी खजाने को रोजाना लाखों रुपये का नुकसान हो रहा था। आगे भी ऐसी कार्रवाइयां जारी रहेंगी। परिवहन विभाग के अधिकारियों का दावा है कि इस सख्ती से सरकारी राजस्व में प्रतिदिन लाखों रुपये की बढ़ोतरी होगी। यात्रियों ने भी इस कार्रवाई का स्वागत किया है।

एसआईआर अभियान का विधायक ने लिया जायजा

पायनियर संवाददाता। कूरेभार-सुलतानपुर

जयसिंहपुर विधानसभा क्षेत्र 189-सदर के विधायक राजप्रसाद उपाध्याय ने गुरुवार दोपहर कूरेभार कस्बे स्थित बूथ संख्या 327 प्राथमिक विद्यालय कूरेभार पहुँचकर विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण प्रक्रिया का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदाता सूची को शुद्ध, सटीक और अद्यतन बनाने के लिए चल रहे अभियान की हर बारीकी को परखा।

मौके पर मौजूद बीएलओ, शिक्षकों व पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत करते हुए विधायक ने कड़े निर्देश दिए कि बचे हुए सभी मतदाताओं के फार्म बिना देरी किए पोर्टल पर अपलोड कर दिए जाएं। उन्होंने कहा, यह काम केवल कागजी नहीं, बल्कि हर मतदाता के अधिकार और सुविधा से जुड़ा है। इसे मिशन मोड में लेकर शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करना है।

जयसिंहपुर सर्किल के मजिस्ट्रेट मयंक मिश्रा ने विधायक को बताया कि कुछ जगहों पर इंटरनेट कनेक्टिविटी और दस्तावेज सत्यापन में तकनीकी दिक्कतें आईं, लेकिन टीम दिन-रात जुटी हुई है और जल्द ही सभी समस्याओं का समाधान कर लिया जाएगा।

बूथ संख्या 327 की बीएलओ संगीता रानी ने बताया कि बूथ पर कुल 1073 मतदाता हैं, जिनमें से अब तक लगभग 85 प्रतिशत से अधिक फार्म सफलतापूर्वक पोर्टल पर अपलोड हो चुके हैं। शेष कार्य भी युद्धस्तर पर चल रहा है। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका तारावती, शिक्षकगण, विकास कर्मी राकेश कुमार और पूरी टीम लगातार डटकर काम कर रही है।

विधायक ने कार्यकर्ताओं से विशेष अपील की कि जनहित को सर्वोपरि रखते हुए इस अभियान में बढ़-चढ़कर सहयोग करें। उन्होंने जोर देकर कहा, एसआईआर प्रक्रिया से चुनावी व्यवस्था मजबूत होती है और लोकतंत्र की जड़ें और गहरी होती हैं। इसे समय से पहले पूरा करना हम सबकी जिम्मेदारी है।

इस मौके पर एडीओ पंचायत प्रकाश कुमार मिश्रा, कूरेभार प्रधान प्रतिनिधि सुरेश कसौधन, संदीप पांडेय, पन्ना लाल जायसवाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष व दर्जनों कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

अनन्या त्रिपाठी ने रचा इतिहास, एमडी मेडिसिन में जीता गोल्ड मेडल

पायनियर संवाददाता। सुलतानपुर

जिले के प्रतापपुर कमैचा निवासी डॉ. केसी त्रिपाठी की सुपुत्री अनन्या त्रिपाठी ने गणेश शंकर विद्यार्थी मेमोरियल (जीएसवीएम) मेडिकल कॉलेज, कानपुर से एमडी मेडिसिन में यूनिवर्सिटी टॉप करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया है। यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार के लिए बल्कि पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। अपनी इस शानदार सफलता पर अनन्या ने बताया कि बचपन से ही उनका सपना डॉक्टर बनकर लोगों की सेवा करना था। अब वह आगे चलकर डीएम कार्डियोलॉजी में विशेषज्ञता हासिल करना चाहती हैं ताकि दिल के मरीजों का बेहतर

इलाज कर सकें। परिवार में खुशी का माहौल है। पिता डॉ. केसी त्रिपाठी ने बेटी की मेहनत और लगन की तारीफ करते हुए कहा कि अनन्या ने दिन-रात एक करके यह मुकाम हासिल किया है। शुभ चिंतकों और परिजनों ने भी अनन्या को ढेर सारी शुभकामनाएं दी हैं। अनन्या की इस उपलब्धि से जिले के युवाओं को भी प्रेरणा मिल रही है कि कड़ी मेहनत और लगन से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

सड़क-नाली का काम अधूरा, अनशन की चेतावनी

पायनियर संवाददाता। सुलतानपुर

नगर के विवेकनगर वार्ड नंबर-6 में पंडित दीनदयाल उपाध्याय आदर्श नगर योजना के तहत बन रही सड़क व नाली का निर्माण कार्य पिछले तीन महीने से अधर में लटका हुआ है। ऊबड़-खाबड़ सड़क और गड्ढों से भरी गलियों के कारण स्थानीय लोगों को भारी परेशानी हो रही है।

नाराजगी जताते हुए वार्ड के सभासद संजय कप्तान ने गुरुवार को जिलाधिकारी को पत्र लिखकर कड़ी शिकायत की है। साथ ही मंडलायुक्त अयोध्या, अधिशासी अधिकारी व अध्यक्ष नगर पालिका परिषद को भी पत्र की प्रति भेजी गई है। सभासद संजय कप्तान ने बताया कि विवेकनगर की गली नंबर-9 में आर.डी. पाण्डेय के मकान से ट्रांसफार्मर तक सड़क व नाली का काम नगर पालिका द्वारा कराया जा रहा था। ठेकेदार ने जेसीबी से खुदाई कर सड़क को गड्ढों से भर दिया और नाली का काम भी आधा-अधूरा छोड़कर चला गया।

उन्होंने कहा कि इस संबंध में 24 अक्टूबर को भी अधिकारियों को पत्र लिखा गया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब एक बार फिर शिकायत की गई है और 15 दिन का अल्टीमेटम दिया गया है। संजय कप्तान ने साफ चेतावनी दी है कि यदि 15 दिनों के अंदर सड़क व नाली का निर्माण कार्य पूरा नहीं कराया गया, तो वे नगर पालिका परिसर में क्रमिक अनशन पर बैठेंगे। अनशन की पूरी जिम्मेदारी नगर पालिका प्रशासन की होगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के मौसम में कीचड़ और गड्ढों के कारण बच्चों व बुजुर्गों को स्कूल व अस्पताल जाने में भारी दिक्कत हो रही है। लोग अब सभासद के आंदोलन का समर्थन करने को तैयार हैं। अब देखना देखना यह है कि नगर पालिका प्रशासन इस शिकायत पर कितनी जल्दी कार्रवाई करता है या मामला अनशन तक पहुँचता है।

गन्ना किसानों से अतिरिक्त कटौती पर भड़के सदर विधायक

पायनियर संवाददाता। मोतिगरपुर-सुलतानपुर

बलरामपुर चीनी मिल्स की मिझौड़ा अकबरपुर यूनिट के पारसपट्टी गन्ना क्रय केंद्र पर किसानों से प्रति ट्राली एक कुंतल अतिरिक्त कटौती करने की शिकायत पर सुल्तानपुर सदर विधायक राजप्रसाद उपाध्याय ने गुरुवार को त्वरित कार्रवाई की। वे सीधे क्रय केंद्र पहुंचे और किसानों की समस्या सुनी।

केंद्र पर मौजूद दर्जनों किसानों ने विधायक को बताया कि कई दिनों से उनसे तय दर से अधिक कटौती की जा रही है। उघड़पुर भटपुरा के रामबोध शर्मा, जयप्रकाश सिंह, रामचेत, उघड़पुर सकरवारी के छोटे कुंवर सिंह, मोतिगरपुर के राम शिरोमणि पांडेय व विक्रमाजीत पांडेय समेत अन्य किसानों ने अपनी पीड़ा सुनाई। हैरानी की बात यह रही कि कांटा क्लर्क विनोद सिंह ने विधायक और किसानों के सामने अतिरिक्त कटौती की बात कबूल कर ली और भविष्य में ऐसा न करने का आश्वासन दिया।

विधायक ने मौके पर ही डीएम कुमार हर्ष से फोन पर बात की और अवैध कटौती पर कठोर कार्रवाई की मांग की। इसके बाद डीएम ने अकबरपुर चीनी मिल के जीएम से फोन पर वार्ता कर पारसपट्टी सहित सभी क्रय केंद्रों पर अतिरिक्त कटौती तत्काल बंद कराने के सख्त निर्देश दिए।

विधायक राजप्रसाद उपाध्याय ने साफ शब्दों में कहा, किसान की एक-एक पाई सुरक्षित रहेगी। अतिरिक्त कटौती किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अब तक जो कटौती हुई है, वह भी किसानों के खाते में वापस जमा कराई जाएगी। डीएम कुमार हर्ष ने पूरी जांच कराने और समस्या का शीघ्र निस्तारण करने का आश्वासन दिया।

विधायक की त्वरित सक्रियता और सख्त तेवरों से क्रय केंद्र पर मौजूद सभी किसानों में राहत की लहर दौड़ गई। किसानों ने विधायक का आभार जताते हुए कहा कि उनकी वजह से अब उन्हें न्याय मिलेगा।

संक्षिप्त खबरें

कल कलश पूजन के साथ ही कलश यात्रा

तिलोई अमेठी। विकास क्षेत्र तिलोई की ग्राम पंचायत गड़ेहरी में श्रीमद भागवत कथा का आयोजन आगामी छह दिसम्बर से किया गया है। श्रीमद भागवत कथा के आयोजक राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के अध्यक्ष संतोष तिवारी उर्फ राजू तिवारी ने बताया कि आगामी छह दिसम्बर को कलश पूजन के साथ ही भव्य कलश यात्रा निकाली जायेगी जो कि गांव के प्राचीनतम मंदिरों और शिवालयों तक निकाली जायेगी। उन्होंने बताया कि प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या धाम से पधार रहे कथा व्यास आचार्य संतोष जी महाराज द्वारा नियमित दोपहर दो बजे से सायं पांच बजे तक भक्तों को कथा का रसपान कराया जायेगा और आगामी तेरह दिसम्बर को विशाल भण्डारा आयोजित किया गया है। कार्यक्रम के आयोजक संतोष तिवारी राजू ने बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। उन्होंने आम जनमानस से नियमित कथा श्रवण करने की अपील की है।

अधिवक्ता परिषद अवध प्रांत इकाई का गठन

गौरीगंज, अमेठी। मुख्यालय गौरीगंज में अधिवक्ता परिषद अपध प्रान्त को प्रान्तीय महामंत्री उच्च न्यायालय लखनऊ व अजय कुमार त्रिपाठी की उपस्थित में बैठक सम्पन्न हुआ। उक्त कार्य क्रम में मोनाक्षी सिंह परिहार बतौर मुख्य अतिथि की देखरेख में अवध प्रांत परिषद अमेठी इकाई के जिला अध्यक्ष पद के लिए एडवोकेट राजेश कुमार सिंह तथा महामंत्री पद पर शशिलेश कुमार शुक्ल एडवोकेट, कोषाध्यक्ष, अनुपम सिंह उपाध्यक्ष अवधेश सिंह एडवोकेट, संजय कमार सिंह, सुशील कुमार भारती, तिलोई, मंत्री राकेश कुमार शुक्ल, अभिषेक सिंह, अशोक कुमार को चयनित कियाः गया। उक्त कार्यक्रम अधिवक्ता भवनं मुख्यालय गौरीगंज के सभागार में सम्पन्न हुआ। उक्त अवसर पर सैकडों अधिवक्ताओं ने भाग लिया। उपरोक्त समस्त पदाधिकारियो की घोषणा प्रांतीय महामंत्री श्रीमती मोनाक्षी सिंह परिहार ने नाम पढकर माला पुष्प अर्पित कर किया।

कार की टक्कर से साइकिल सवार घायल

हसनगंज, उन्नाव। उन्नाव जिले के आसीवन थाना क्षेत्र में गुरुवार दोपहर करीब ढाई बजे पीपल पौशाला-बंगलाखेड़ा संपर्क मार्ग पर कनीगांव के समीप एक मारुति कार ने साइकिल सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। कनीगांव निवासी रामनरेश (35), पुत्र हीरालाल, खेत जाने के लिए साइकिल चला रहे थे जब पीछे से तेज रफ्तार कार ने उन्हें कुचल दिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि रामनरेश गंभीर रूप से जख्मी हो गए। परिजनों को सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंचे और घायल रामनरेश को उसी मारुति कार से मियागंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां डॉ. दिनेश कुमार ने प्राथमिक उपचार किया, लेकिन हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने हादसे की जानकारी ली है, लेकिन कार चालक के बारे में अभी कोई पुष्टि नहीं हुई। क्षेत्र में बढ़ते सड़क हादसों ने स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ा दी है, खासकर संकरे मार्गों पर तेज गति से वाहन चलाने को लेकर। रामनरेश का परिवार खेती पर निर्भर है, और उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

गैंगरेप में पुलिस की फाइनल रिपोर्ट रद्द हुई

सुलतानपुर। पॉक्सो कोर्ट के जज नीरज श्रीवास्तव ने लंभुआ थाना क्षेत्र की एक नाबालिग किशोरी से गैंगरेप के मामले में पुलिस की फाइनल रिपोर्ट को रद्द करते हुए अग्रिम विवेचना का आदेश पुलिस की दिया है। पीड़िता के वकील सन्तोष पाण्डेय ने बताया कि पीड़िता ने मजिस्ट्रेट के समक्ष दिए बयान में दुष्कर्म का स्पष्ट आरोप लगाया है इसके बावजूद विवेचक ने गलत तरीके से पुरानी रंजिश बताकर फाइनल रिपोर्ट लगा दी। विवेचक ने पीड़िता का आंतरिक मेडिकल परीक्षण तक नहीं कराया। न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि आरोपी हरगोविन्द एवं अवनीश के विरुद्ध पीड़िता के बयान, चिकित्सीय रिपोर्ट व अन्य साक्ष्यों की अनदेखी कर फाइनल रिपोर्ट भेजना न्यायोचित नहीं है। कोर्ट ने फाइनल रिपोर्ट को निरस्त करते हुए थानाध्यक्ष लम्भुआ को मामले की अग्रिम विवेचना सुनिश्चित कर एक माह में न्यायालय को सूचित करने का आदेश दिया। कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस की विवेचना पर सवाल उठ रहे हैं।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

सुलतानपुर। प्रयागराज-अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर कोतवाली देहात क्षेत्र के महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज के पास बीती रात करीब ग्यारह बजे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी कि बाइक सवार युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान उमेश मौर्य (28) पुत्र पंचम मौर्य, निवासी अग्रेसर प्रतापगंज चौकी क्षेत्र के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार उमेश अपनी बाइक से कहीं जा रहा था कि अचानक सामने से आए अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही कोतवाली देहात पुलिस और प्रतापगंज चौकी इंचार्ज मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। हादसे के बाद कुछ देर तक राजमार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। क्षेत्र में लगातार हो रहे सड़क हादसों को लेकर लोगों में भारी रोष है। ग्रामीणों ने राजमार्ग पर स्पीड ब्रेकर और पर्याप्त लाइटिंग की मांग की है।

विधायक खेल स्पर्धा का शुभारम्भ

रायबरेली। युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग के तत्वाधान में आयोजित उत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल लीग में 2 दिवसीय विधानसभा स्तरीय विधायक खेल स्पर्धा का आयोजन मोती लाल नेहरू स्टेडियम रायबरेली में सब जूनियर, जूनियर, सीनियर बालक व बालिका वर्ग में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि सदर विधायक अदिति सिंह, खंड विकास अधिकारी संदीप सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन व गुब्बारे उड़ाकर कर किया गया। प्रतियोगिता के प्रथम दिवस में एथलेटिक्स, कबड्डी, खो खो, कुश्ती की प्रतियोगिता कराई गई। 100मी सब जूनियर वर्ग में सागर, 800मी में प्रिंशु विजेता रहे। कबड्डी सीनियर बालक वर्ग में अमावां विजेता व राही की टीम उपविजेता रही। कबड्डी जूनियर बालिका वर्ग में अमावां विजेता व राही की टीम उपविजेता रही। जूनियर खो-खो बालक वर्ग में नगर की टीम विजेता रही। 1500मी दौड़ में चंदन पटेल प्रथम, अशरफ अली द्वितीय, दिवस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। चक्का फेक में सीनियर वर्ग में अमित प्रथम, सरताज खान द्वितीय, अंश शुक्ला ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि द्वारा प्रमाण पत्र, मेडल, ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

निर्माणाधीन परियोजनाओं के कार्यों में लाएं तेजी: प्रियंका

❖ निर्माण कार्यों की डीएम ने की समीक्षा

पायनियर संवाददाता। गोंडा

जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न विभागों एवं कार्यदायी संस्थाओं के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में माध्यमिक शिक्षा विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, सिंचाई विभाग, आईटीआई, कृषि विभाग, पर्यटन विभाग, उद्योग विभाग, पशुपालन विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा सरयू नहर कॉलोनी आवास निर्माण सहित अनेक विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य जनपद में संचालित सभी निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करना तथा कार्यों में तेजी लाने के लिए दिशा-निर्देश जारी करना रहा।

बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि निर्माण कार्यों में अनावश्यक विलंब किसी भी दशा में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों और कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि वर्तमान में चल रही परियोजनाओं में कार्य की गति बढ़ाई जाए और निर्धारित समयसीमा के भीतर सभी कार्य पूर्ण किए जाएँ।

उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान यदि किसी परियोजना में गुणवत्ता या प्रगति से संबंधित कमी पाई जाती है तो संबंधित अधिकारी एवं कार्यदायी संस्था पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। मुख्य विकास अधिकारी अंकिता जैन ने कहा कि सभी विभाग अपनी प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत करें तथा कार्यस्थलों पर सुरक्षा मानकों, गुणवत्ता नियंत्रण और पारदर्शिता को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि विभागीय समन्वय को मजबूत किया जाए ताकि किसी भी स्तर पर संवादहीनता के कारण कार्यों में बाधा न उत्पन्न हो। बैठक में डीएसटीओ एनके सिंह, अरुण कुमार सिंह, बेसिक शिक्षा अधिकारी, डिप्टी सीवीओ, एसीएमओ, उपनिदेशक कृषि प्रेम कुमार ठाकुर, जिला उद्योग अधिकारी बाबूराम, प्राचार्य आईटीआई, सिंचाई विभाग, लोक निर्माण विभाग सहित अन्य सभी संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सरकार दिव्यांगजनों के पुनर्वास और सुविधा के लिए लगातार है प्रयासरत : दिनेश प्रताप

पायनियर संवाददाता। रायबरेली

राजकीय इण्टर कॉलेज में दिव्यांगो हेतु एडिप योजनान्तर्गत दिव्यांगजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण के लिए सामाजिक अधिकारिता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रदेश के उद्यानमंत्री दिनेश प्रताप सिंह, जिलाधिकारी हर्षिता माथुर, मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। शिविर में 66 मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल, 197 ट्राईसाइकिल, 57 फोल्डिंग व्हीलचेयर, 404 बैसाखी, 61 वॉकिंग स्टीक छड़ी, 3 सीपी चेयर, 4 ब्रेल केन, 23 सुगम्य केन, 77 श्रवण यंत्र कान की मशीन 1 टीएलएम किट इत्यादि वितरित किये गये। आयोजित शिविर में उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि सरकार दिव्यांगजनों के पुनर्वास और सुविधा के लिए लगातार प्रयासरत है। एल्मिको के सहयोग से जनपद में जरूरतमंद दिव्यांगजन को उपयुक्त उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने जिलाधिकारी हर्षिता माथुर द्वारा जनपद में कराये जा रहे जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रशंसा की। जिलाधिकारी ने कहा कि सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार की एडिप योजनान्तर्गत जनपद रायबरेली में विशिष्ट आवश्यकता वाले दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल, ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर, बैशाखी, ब्लाइन्डस्टिक, श्रवण यंत्र कान की मशीन इत्यादि वितरित करने हेतु भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम, एलिम्को कानपुर के सहयोग से परीक्षण शिविरों का आयोजन विकास खण्डवार किया गया था। जिसमें एलिम्को द्वारा विकास खण्ड बछरावां 118, सरेनी 137, शिवगढ़ 72, हरचंदपुर से 125 कुल 452 पंजीकृत लाभार्थियों को 896 सहायक उपकरण उपलब्ध कराये जा रहे है। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन पात्र व्यक्तियों का पंजीकरण नहीं हो पाया है, उनका भी पंजीकरण कर उपकरण उपलब्ध कराए जाए।

युवक की हत्या कर शव कुएं में फेंका

करनैलगंज, गोंडा। नगर के मोहल्ला बमपुलुस निवासी एक 40 वर्षीय व्यक्ति की हत्या कर शव खेत के कुएं में डाल दिया गया। सुबह जब आसपास के खेत वालों ने देखा तो पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने कुएं से शव को बाहर निकलवाया। मौके पर परिजनों ने जमकर हंगामा काटा। बुधवार शाम को सिकरौरा निवासी एक व्यक्ति से विवाद हुआ था। उसने हत्या करने की धमकी दी थी। परिजन उसकी गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। हालांकि पुलिस ने शव को किसी तरह कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घटना नगर के मोहल्ला बमपुलुस की है जहां मोहल्ले के पीछे खेतों में एक कुआं हैं।

बीएलओ व बीएलए के समन्वय से बनेगी सटीक मतदाता सूची : डीएम

पायनियर संवाददाता। गोंडा

कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारीध्जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम से संबंधित एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी एआरओ, एईआरओ एवं जनपद स्तरीय अधिकारियों ने प्रतिभाग कर निर्वाचन कार्यों की प्रगति से जिलाधिकारी को अवगत कराया। जिलाधिकारी ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के अंतर्गत प्राप्त सभी गणना प्रपत्रों के शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन को प्राथमिकता से पूर्ण करने के स्पष्ट

निर्देश दिए। निर्वाचन प्रक्रिया की सटीकता बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है कि हर गणना प्रपत्र सही, स्पष्ट और त्रुटिरहित रूप से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दर्ज हो। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि डिजिटाइजेशन कार्य के दौरान किसी भी प्रकार की त्रुटि या लापरवाही पाए जाने पर तत्क्षण सुधार कराया जाए।

डीजी ने सीएचसी का किया निरीक्षण

करनैलगंज, गोंडा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का बृहस्पतिवार को डीजी डॉ. एचडी अग्रवाल अचानक निरीक्षण के लिए पहुंच गए। उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया और मरीजों से बातचीत कर उपचार एवं सुविधाओं की जानकारी ली। चिकित्सकों की कमी को लेकर जल्द तैनाती का आश्वासन दिया। निरीक्षण के दौरान महानिदेशक ने साफ-सफाई को प्राथमिकता देते हुए सीएचसी अधीक्षक डॉ. सौम्या श्रीवास्तव को निर्देशित किया कि किसी भी मरीज को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने इमरजेंसी, लेबर रूम, वार्ड, ओपीडी, लैब और फायर सिस्टम तक सभी सेक्शन की जांच की।

अच्छी शिक्षा वह दूध है जो पिएगा वही दहाड़ेगा

पायनियर संवाददाता। बीघापुर, उन्नाव

कमलापति इंटर कॉलेज में भारतीय जनता पार्टी के तत्वावधान में आत्मनिर्भर भारत विषय पर छात्र संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों को आत्मनिर्भरता, स्वावलंबन और शिक्षा के महत्व पर प्रेरक संदेश दिए गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीजेपी जिला अध्यक्ष अनुराग अवस्थी ने कहा कि ''देश 1947 में गोरे अंग्रेजों से आजाद हुआ, लेकिन सत्ता में आए काले अंग्रेजों ने देश का बंटाधार किया; मैकाले की शिक्षा पद्धति ने हमारी संस्कृति को कमजोर किया है। जबकि अच्छी शिक्षा ही आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला बन सकती है। वहीं विधायक आशुतोष शुक्ल ने कहा कि ''अच्छी शिक्षा वह दूध है, जो पिएगा वही दहाड़ेगा,'' और शिक्षा के बल पर ही भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बन सकेगा। जिला महामंत्री अटल वाजपेई ने स्वदेशी और स्वावलंबन को आत्मनिर्भर भारत का मूल मंत्र बताया, जबकि युवा मोर्चा अध्यक्ष बाला राव गुप्ता ने

भी छात्रों को प्रेरित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन विश्व हिंदू परिषद के जिला उपाध्यक्ष नमन बाजपेई और जिला अध्यक्ष संजय शुक्ला द्वारा किया गया।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य राजेंद्र दीक्षित, पूर्व सहायक विकास अधिकारी महानंद शुक्ला, क्षेत्र पंचायत सदस्य नरेंद्र द्विवेदी, कृष्ण कुमार यादव, केशवनाथ मिश्रा, डॉ. राजेश मिश्रा, योगेंद्र सिंह, प्रमोद कुमार वर्मा, वरुण प्रकाश, बुद्धि लाल, रमेश कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भाई ने की भाई की हत्या, घरेलू विवाद बनी वजह

पायनियर संवाददाता। अमेठी

जिले के पीपरपुर थाना क्षेत्र के दुर्गापुर डीहवा गांव में गुरुवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे उस समय सनसनी फैल गई जब घरेलू विवाद के चलते छोटे भाई ने बड़े भाई की हत्या कर दी। वारदात की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और जांच-पड़ताल शुरू की। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव निवासी स्वर्गीय शिवकरन वर्मा के तीन पुत्र–राकेश वर्मा, रोहित वर्मा और दिनेश वर्मा हैं। रोहित वर्मा सूरत में रहता है, जबकि राकेश और दिनेश घर पर ही रहते थे। गुरुवार सुबह करीब 8:30 बजे किसी बात को लेकर दोनों भाइयों में विवाद हो गया। इसके बाद बड़ा भाई राकेश खेत में लगी आलू की पौध में मेड़ी चढ़ाने के लिए चला गया । वह खेत में काम कर ही रहा था तभी पीछे से पहुंचा छोटा भाई दिनेश वर्मा ने गुस्से में आकर बड़े भाई के हाथ से कुदाल छीन कर उसी से उसके सिर पर कई वार कर दिया। जिससे बड़े भाई राकेश वर्मा (50) को गंभीर चोट लगने से मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद भी छोटे भाई दिनेश वर्मा का मन नहीं भरा। उसने बड़े भाई की लाश को खेत से घसीटते हुए लगभग 300 मीटर दूर ले जाकर झाड़ियों में फेंक कर मौके से फरार हो गया। मृतक राकेश वर्मा की पत्नी का निधन लगभग 15 वर्ष पहले हो चुका है। उनके परिवार में 30 वर्षीय बेटी सोनम वर्मा और लगभग 25 वर्षीय बेटा सोहित वर्मा है। घटना के बाद गांव में मातम पसर गया है और परिजन सदमे में हैं। घटना की सूचना पर पहुंचे पुलिस क्षेत्राधिकारी मनोज कुमार मिश्र ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में यह जानकारी भी सामने आई है कि आरोपी दिनेश वर्मा की मानसिक स्थिति ठीक नहीं रहती थी। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है। मृतक के छोटे भाई की पत्नी आशा देवी पत्नी स्वर्गीय बृजेश वर्मा के द्वारा दी गई तहरीर पुलिस को प्राप्त हो गई है। तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करते हुए आगे की कार्यवाही की जा रही है।

डीएम ने स्मार्ट रोड, सर्किट हाउस का किया निरीक्षण

पायनियर संवाददाता। शाहजहांपुर

❖ निर्माण कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश, बोले- सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाएं

शाहजहांपुर में जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने स्मार्ट रोड और निर्माणाधीन सर्किट हाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्य जल्द पूरा करने, सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने पलिया बाईपास पुल से सुभाष नगर के स्मार्ट रोड को जोड़ने वाली प्रस्तावित सर्विस रोड के निर्माण कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा और यातायात सुगमता के लिए स्मार्ट रोड पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, उन्होंने स्मार्ट रोड पर लगी लाइटिंग, फुटपाथ की कुर्सियों की साफ-सफाई, मरम्मत और रखरखाव के कार्यों को अगले 10 दिनों के भीतर पूरा कर हैंडओवर सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

इसके बाद, जिलाधिकारी ने लखनऊ-बरेली राष्ट्रीय राजमार्ग पर ग्राम सरायखास के पास लगभग 22.23 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे सर्किट हाउस परियोजना का विस्तृत निरीक्षण किया। यह सर्किट हाउस वीआईपी सुइट, डोरमेट्री, आधुनिक कॉन्फ्रेंस रूम और नवीनतम हाई-टेक सुविधाओं से लैस होगा। निरीक्षण के दौरान, उन्होंने कॉन्फ्रेंस रूम में उच्च गुणवत्ता वाली स्क्रीन, फर्नीचर, वाई-फाई और अन्य आधुनिक उपकरण लगाने के निर्देश दिए, ताकि भवन अत्याधुनिक मानकों पर खरा उतर सके। उन्होंने बाउंड्री क्षेत्र में वामट्री के पौधे लगाने और क्षतिग्रस्त पेड़ों को बदलने के भी आदेश दिए। सुरक्षा के मद्देनजर बाउंड्री वॉल पर वायर शिफ्टिंग कराने के निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी ने हेलीपैड का भी निरीक्षण किया और नागरिक उड्डयन विभाग के मानकों के अनुरूप निर्माण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि हेलीपैड के आसपास कोई बड़ा पेड़ न लगाया जाए और क्षेत्र को खुला रखा जाए। साथ ही, नए पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस से जुड़े सड़क प्रस्ताव को शीघ्र स्वीकृत कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जोर देकर कहा कि सर्किट हाउस का निर्माण उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए।

सड़क सुरक्षा के अंतर्गत वाहनों पर लगाई रेडियम पट्टियां

पायनियर संवाददाता। गोला गोकर्णनाथ-खीरी

रोट्रैक्ट क्लब गोला छोटी काशी एवं रोटरी क्लब गोला सेंट्रल के संयुक्त तत्वाधान में सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत गोला गोकर्णनाथ नगर के मिल यार्ड में आने वाले वाहनों यथा बैलगाड़ियों,ट्रैक्टर व ट्रालियों पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गोला नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ल रिंकू एवं गोला कोतवाल अम्बर सिंह और उनकी टीम के साथ मिलकर रेडियम पट्टी लगाने का कार्य करते हुए कृषकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।कार्यक्रम के प्रभारी के रूप रोट. प्रशांत कुमार मिश्रा ने कार्य किया।

मुख्य अतिथि विजय शुक्ल रिंकू ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि रोट्रैक्ट क्लब गोला छोटी काशी एवं रोटरी क्लब गोला सेंट्रल के संयुक्त तत्वाधान में नगर में सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए रेडियम पट्टी लगाने का कार्य गत कई वर्षों से निरंतर किया जा रहा है।रेडियम पट्टी लगाने का कार्य सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देना है,ताकि रात में वाहन और सड़क की बाधाएं दूर से दिखाई दें और हादसों को रोका जा सके यह पट्टी वाहनों (ट्रैक्टर, ट्रॉली, मोटरसाइकिल, बैलगाड़ी) पर,सड़क के साइनबोर्ड पर और अन्य जगहों जैसे कि खंभों,निर्माण स्थलों, और मवेशियों पर भी लगाई जाती है संस्था के अध्यक्ष पवन गुप्ता एवं सुमित कुमार शाह ने बताया कि रात में खासकर कोहरे या खराब रोशनी वाली सड़कों पर,रेडियम पट्टियां अन्य ड्राइवरों को आगे किसी वाहन या सड़क पर बाधा होने का संकेत देती हैं,जिससे टक्कर से बचाव होता है। इस मौके पर गौरी शंकर यादव,पवन प्रजापति,गौरव गुप्ता, सौरभ गुप्ता, रवि प्रकाश वरुन अग्रवाल जी समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मैगलगंज पुलिस की पैदल गश्त शुरू

पायनियर संवाददाता। मैगलगंज-खीरी

❖ मैगलगंज पुलिस ने पैदल गश्त कर लोगों को कराया सुरक्षा का एहसास

मैगलगंज पुलिस इन दिनों अपनी कार्यशैली को लेकर चर्चा में है सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने तथा जनता में पुलिस की उपस्थिति का एहसास कराने के उद्देश्य से नवागत प्रभारी निरीक्षक इंद्रजीत सिंह चौहान ने कस्बे में पैदल गश्त की नई पहल शुरू की है।

अब तक पुलिस की गश्त का तरीका यह था कि थाने से वाहन द्वारा चौराहे तक पहुंचकर वहीं से आगे की निगरानी की जाती थी लेकिन प्रभारी निरीक्षक इंद्रजीत सिंह चौहान ने पदभार ग्रहण करते ही इस व्यवस्था में बदलाव लाते हुए थाने से लेकर कस्बे तक लगभग पाँच किलोमीटर के क्षेत्र में पैदल गश्त शुरू कराई है। यह पैदल गश्त न केवल पुलिस की सक्रियता बढ़ा रही है, बल्कि अपराधियों में भी रोकथाम का संदेश दे रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की पैदल गश्त मैगलगंज में पहले भी की जाती रही है। पूर्व निरीक्षक फतेह बहादुर सिंह अपने कार्यकाल में इसी प्रकार नियमित पैदल गश्त करते थे, जिससे कस्बे में सुरक्षा की भावना मजबूत रहती थी। लोगों का मानना है कि नवागत प्रभारी निरीक्षक ने उसी परंपरा को दोबारा जीवित किया है वहीं कस्बे के व्यापारियों और आम नागरिकों का कहना है कि पैदल गश्त से पुलिस सीधे जनता के बीच पहुंचती है, जिससे समस्याओं को तत्काल सुना और समझा जा सकता है।इसके साथ ही गश्त के दौरान पुलिसकर्मियों का इलाके से भली-भांति परिचित होना भी अपराध नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कस्बे में यह भी चर्चा है कि प्रभारी निरीक्षक इंद्रजीत सिंह चौहान का यह कदम उनकी ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठ और जनहित की सोच को दर्शाता है। जनता को उम्मीद है कि पैदल गश्त की यह पहल आगे चलकर मैगलगंज की कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूती प्रदान करेगी।

श्रवण क्षेत्र धाम में चार दिवसीय विराट किसान मेले का भव्य शुभारंभ

पायनियर संवाददाता। अम्बेडकरनगर

❖ आधुनिक खेती, नई तकनीक और सरकारी योजनाओं का एक मंच– विराट किसान मेला प्रारंभ

04 दिसम्बर कृषि उत्पादन में वृद्धि के लिए कृषि प्रसार, निवेश तथा तकनीकी प्रबंधन की योजना के अंतर्गत कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम योजनांतर्गत पारंपरिक ,महोत्सव के साथ चार दिवसीय (4 से 7 दिसंबर तक) विराट किसान मेले का श्रवण क्षेत्र धाम प्रांगण में आज दिनांक 04 दिसंबर 2025 को मुख्य अतिथि सदस्य विधान परिषद हरिओम पांडे ने विशिष्ट अतिथि विधायक कटेहरी धर्मराज निषाद, पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर, मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला, उप निदेशक कृषि अश्विनी सिंह, जिला कृषि अधिकारी आदि की उपस्थिति में फीता काटकर भव्य शुभारंभ किया।

तदोपरांत द्वारा मुख्य अतिथि द्वारा विभिन्न विभागों यथा कृषि, उद्यान, पशुपालन, सहकारिता, मत्स्य, सिंचाई, गन्ना, फसल बीमा, पीएम सूर्य योजना, एनआरएलएम, एफपीओ सहित सभी कृषि-संबंधित अन्य विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया तथा किसानों को कृषि की आधुनिक एवं नवीनतम तकनीकी एवं केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही लाभार्थी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके उपरांत मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित कर किसान गोष्ठी का शुभारंभ किया गया।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि सदस्य विधान परिषद हरिओम पांडे ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा किसानों की आय वृद्धि व कृषि उत्पादन में वृद्धि हेतु चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह मेला अत्यंत उपयोगी है। उन्होंने कृषक भाइयों से अधिक से अधिक संख्या में मेले में आकर आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक परामर्श, लाभार्थी योजनाओं और कृषि नवाचारों का लाभ लेने की अपील की। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि यह 04 दिवसीय मेला आगामी 7 दिसंबर 2025 तक संचालित रहेगा अतः कृषक भाई अधिक से अधिक संख्या में आकर इसका लाभ उठाएं।

21 दिसंबर को किया जाएगा राहगीरी का आयोजन

पायनियर संवाददाता। शाहजहांपुर

❖ राहगीरी आयोजन को लेकर विकास भवन में तैयारियों के संबंध में बैठक आयोजित

जनपद में राहगीरी कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु आज मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अपराजिता सिंह की अध्यक्षता में विकास भवन में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। सीडीओ ने 21 दिसंबर 2025 को होने वाले राहगीरी कार्यक्रम की विस्तृत कार्ययोजना पर विचार-विमर्श कर आवश्यक दिशा-निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। राहगीरी एक लोकप्रिय सार्वजनिक आयोजन है जिसमें शहरवासी सुबह वाहन-रहित सड़कों पर व्यायाम, खेल, संगीत और सामुदायिक गतिविधियों में भाग लेते हैं, जो स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देता है।

जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह द्वारा जनपद में राहगीरी कार्यक्रम आयोजित करने के निर्णय लिया गया है। जिलाधिकारी द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में सीडीओ ने बैठक का आयोजन किया। बैठक के दौरान उन्होंने बताया कि राहगीरी एक जन-उन्मुख और पर्यावरण-हितैषी आयोजन है, जिसका मुख्य उद्देश्य नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रेरित करना, वाहन-रहित सड़कों को प्रमोट करना तथा सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देना है। यह आयोजन 21 दिसंबर 2025 को खिरनीबाग चौराहे पर प्रातः 6:30 बजे से 10:00 बजे तक संपन्न होगा, जहां इस अवधि के दौरान किसी भी प्रकार का वाहन आवागमन प्रतिबंधित रहेगा।

सीडीओ डॉ. अपराजिता सिंह ने कार्यक्रम की रूप रेखा और गतिविधियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि राहगीरी को चार मुख्य जोन में विभाजित किया गया है–किड जोन, यूथ जोन, सिटीजन जोन तथा वृहद जोन–जहां अलग-अलग आयु वर्ग के प्रतिभागियों के लिए विविध गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। किड जोन में वॉलीबॉल, खो-खो, पीटी, ताइक्वांडो जैसे खेलों का प्रदर्शन किया जाएगा, वहीं यूथ जोन में जुम्बा, डांस और विशेष गतिविधियों का आयोजन होगा। सिटीजन जोन में आर्ट, रंगोली, कार्टून, इन्फॉर्मेशन डेस्क सहित विभिन्न इंस्टॉल लगाए जाएंगे। वृहद जोन में योगा सत्र, हेल्थ कैंप, म्यूजिक एवं सिंगिंग, चाय पर चर्चा तथा गीता पाठ की विशेष व्यवस्था की जाएगी।

आईटीआई अकबरपुर में बृहद रोजगार मेला सम्पन्न, 281 अभ्यर्थियों का चयन

पायनियर संवाददाता। अम्बेडकरनगर

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) अकबरपुर में मंगलवार को एक दिवसीय बृहद रोजगार मेला सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

यह कार्यक्रम राजकीय आईटीआई, जिला सेवायोजन विभाग एवं कौशल विकास मिशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ, जिसका उद्देश्य जिले के युवाओं को प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार व प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करना रहा।

कार्यक्रम का शुभारम्भ एमएलसी हरिओम पाण्डेय एवं जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने दीप प्रज्वलित कर किया। रोजगार मेले में उड़ान हर्बल, जेबीएम इंडिया ग्रुप, प्रेरणा, मदरसन, हीरोकार्प, पार्थ थ्रेड, श्याम इंडस्ट्रीज़ सहित कुल 15 कंपनियों ने प्रतिभाग किया। मेले में 588 अभ्यर्थियों ने भाग लिया, जिनमें से 281 अभ्यर्थियों का चयन विभिन्न कंपनियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर एमएलसी हरिओम पाण्डेय ने कहा कि ''युवा किसी भी राष्ट्र की प्रगति का आधार हैं। सरकार युवाओं को कौशल आधारित रोजगार उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

जिलाधिकारी ने विभिन्न क्रय केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

पायनियर संवाददाता। अम्बेडकरनगर

❖ धान की त्वरित उठान व भुगतान पर दिए सख्त निर्देश

जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने मंडी में संचालित समस्त एजेंसियों के राजकीय क्रय केंद्रों सहित बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति लिमिटेड (बी.पैक्स) खजुरी करौंदी एवं बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति लिमिटेड (बी.पैक्स) मालीपुर का भौतिक निरीक्षण किया।

इस दौरान जिलाधिकारी क्षेत्रीय विपणन अधिकारी को सभी क्रय केंद्रों से राइस मिलों के लिए धान की त्वरित उठान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जिससे किसी भी धान क्रय केंद्र पर जगह की कमी न होने पाए और धान की खरीद सुचारू रूप से संचालित हो। उन्होंने सभी क्रय केंद्रों पर धान की उठान हेतु समय से वाहनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा क्रय केंद्रों पर किसानों द्वारा क्रय केंद्र पर लाए गए धान की नमी को देखा गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने कृषकों से विक्रय किए गए धान के भुगतान के स्थिति की भी जानकारी ली तथा सभी केंद्र प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि 24 घंटे के अंदर किसानों से क्रय किए गए धान का भुगतान सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान जिलाधिकारी ने किसानों को उपलब्ध कराए गए टोकन के अनुरूप कृषकों से निर्धारित समय व तिथि पर धान क्रय के स्थिति की भी जानकारी मौके पर उपस्थित किसानों एवं टोकन रजिस्टर में अंकित किसानों से फोन पर वार्ता कर ली गई। निरीक्षण के दौरान बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति लिमिटेड (बी.पैक्स) खजुरी करौंदी में केंद्र प्रभारी के अनुपस्थित पाए जाने पर जिलाधिकारी ने केंद्र प्रभारी का वेतन रोकने एवं स्पष्टीकरण प्राप्त करने हेतु ए०आर० कोऑपरेटिव को निर्देशित किया साथ ही जिलाधिकारी ने सभी केंद्र प्रभारियों को अपने-अपने क्रय केंद्रों पर अपराह्न 05 तक अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर सुचारू रूप से धान क्रय के कार्य को संचालित करने के निर्देश दिए।

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने मौलाना मदनी का पुतला फूंका

पायनियर संवाददाता। बरेली

मौलाना महमूद मदनी के हालिया बयान को लेकर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को जोरदार प्रदर्शन किया और मदनी का पुतला फूंका।

संगठनों का आरोप है कि मौलाना मदनी ने भोपाल में सार्वजनिक मंच से वंदे मातरम्, सनातन धर्म और न्यायपालिका के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणियां कर धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश की है।प्रदर्शनकारियों ने कहा कि मदनी के कथन 'जब तक जुल्म होगा तब तक जिहाद होगा ,हम सीने पर गोली खाएंगे'हम आखिरी दम तक लड़ेंगे' समाज को उकसाने वाले और देश में तनाव फैलाने वाले हैं। उनका कहना है कि इन बयानों से हिंदू समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुईं और समाज में अविश्वास का माहौल पैदा करने का प्रयास किया गया।विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के अनुसार, मौलाना मदनी द्वारा श्री कृष्ण जन्मभूमि और ज्ञानवापी मामले पर न्यायालय के निर्णयों को एकतरफा और मुस्लिम विरोधी बताना संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा पर सवाल खड़ा करता है। साथ ही न्यायपालिका पर सरकार के दबाव में काम करने का आरोप लगाना अत्यंत चिंताजनक बताया गया।

जनसेवा ही हमारा संकल्प : रोमी साहनी

पायनियर संवाददाता। लखीमपुर-खीरी

❖ पलिया आवास पर जनता दर्शन में अधिकारियों को दिए त्वरित समाधान के निर्देश

उत्तर प्रदेश की 137 विधानसभा पलियाकलां के विधायक रोमी साहनी ने आज सुबह अपने आवास पर हर बार की भांति जनता दर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र से आए लोगों की समस्याएं, शिकायतें व सुझाव बड़े ही आत्मीय भाव से सुना और उनके तत्काल निराकरण के लिए संबंधित विभागों व अधिकारियों को निर्देशित किया।

जनता दर्शन में क्षेत्र के नगर और ग्रामीण इलाकों से आए लोगों ने विभिन्न समस्याओं को लेकर विधायक से गुहार लगाई विधायक रोमी साहनी ने त्वरित सम्बंधित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए आवश्यक निर्देश भी दिए पलियाकलां विधायक रोमी साहनी ने कहा कि जनता की सेवा करना उनका मुख्य संकल्प है। उन्होंने बताया कि वे नियमित रूप से जनता दर्शन के माध्यम से क्षेत्र के लोगों से मिलते हैं जनता की हर पीड़ा का समाधान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है जनता के विश्वास पर खरा उतरना ही हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है उन्होंने यह भी दोहराया कि मोदी व योगी सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' के सिद्धांत पर निरंतर कार्य कर रही है रोमी साहनी ने विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याओं के लिए अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने हर फरियादी की बात को धैर्यपूर्वक सुना और आश्वस्त किया कि क्षेत्र का विकास और जनता की समस्याओं का समाधान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है विधायक रोमी साहनी ने यह भी कहा कि जनता के प्रति उनकी जवाबदेही है और वह हमेशा अपने क्षेत्रवासियों के संपर्क में रहकर उनकी समस्याओं का समाधान करेंगे। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वह अपने मुद्दों को खुले तौर पर उठाएं ताकि उन्हें समय पर हल किया जा सके।

ट्रक ने स्कूटी सवार दंपति को रौंदा, महिला की मौत, पति गंभीर

पायनियर संवाददाता। बरेली

शहर में बुधवार को दोपहर स्टेडियम रोड पर बड़ा सड़क हादसा हो गया। नो एंट्री में घुसे एक ट्रक ने स्कूटी सवार दंपत्ति को कुचल दिया, जिसमें 62 वर्षीय महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके पति गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए और पुलिस को सूचना दी।जानकारी के अनुसार, बारादरी थाना क्षेत्र की आशापुरम कॉलोनी निवासी 65 वर्षीय रिटायर्ड बैंक मैनेजर मुकेश अग्रवाल अपनी पत्नी सुनीता अग्रवाल को स्कूटी से दवा दिलाने के लिए दोपहर करीब एक बजे स्टेडियम रोड की ओर जा रहे थे। जैसे ही वे एके आई हॉस्पिटल के पास पहुंचे, तभी एक ट्रक नो एंट्री में रोड पर आ गया और स्कूटी को जोरदार टक्कर मारते हुए उन्हें रौंद दिया।टक्कर के बाद दंपत्ति सड़क पर गिर पड़े। गिरते ही सुनीता अग्रवाल ट्रक के पिछले पहिये की चपेट में आ गईं, जिससे उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, मुकेश अग्रवाल गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया।सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक को कब्जे में ले लिया। मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, घायल मुकेश अग्रवाल घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर रहने वाले हैं।

ड्यूटी में लापरवाही से हुई महिला की मौत टीएसआई समेत आठ निलंबित

बरेली। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बरेली ने ट्रैफिक ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर कठोर कार्रवाई करते हुए टीएसआई सहित आठ पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर विभागीय जांच शुरू कर दी है।

घटना बुधवार 3 दिसंबर को दोपहर करीब 12 बजे डेलापीर तिराहा, स्टेडियम रोड पर हुई, जहाँ भारी वाहन प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश कर रहे ट्रक ने स्कूटी सवार दंपत्ति को टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी पर बैठी महिला की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि पति गंभीर रूप से घायल हो गया। इस गंभीर घटना को संज्ञान में लेते हुए पुलिस अधीक्षक यातायात की रिपोर्ट के आधार पर एसएसपी ने ट्रैफिक ड्यूटी पर तैनात कर्मियों की लापरवाही पाए जाने पर कार्रवाई की है।निलंबित कर्मचारियों में टीएसआई सतनाम सिंह, मुख्य आरक्षी 381 सोनू कुमार, महिला मुख्य आरक्षी अंजू रानी, आरक्षी सौरभ शामिल हैं। वहीं होमगार्ड प्रभूदयाल, होमगार्ड रामरतन, पीआरडी मान सिंह और पीआरडी धर्मपाल के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई के लिए जिला कमांडेंट होमगार्ड तथा जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी को पत्राचार किया गया है।एसएसपी ने स्पष्ट किया है कि पुलिस बल में अनुशासन और पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता है, और ड्यूटी में लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

धान खरीद की सुचारू व्यवस्था के लिए जिलाधिकारी की महत्वपूर्ण बैठक

पायनियर संवाददाता। अम्बेडकरनगर

जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला की अध्यक्षता में दिनांक 3 दिसंबर 2025 को देर शाम में जनपद अंबेडकर नगर में धान क्रय प्रक्रिया को सुचारू एवं पारदर्शी ढंग से संचालित करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में खाद्य विभाग, पीसीएफ, पीसीयू, यूपीएसएस, मंडी समिति के जिला स्तरीय अधिकारी, जनपद के सभी धान क्रय केंद्र प्रभारियों तथा चावल मिल मालिकों ने प्रतिभाग किया।बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी धान क्रय केंद्र प्रभारी प्रतिदिन सुबह 9:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक अनिवार्य रूप से उपलब्ध रहें तथा किसानों के धान की खरीद सुगमता से की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्रों पर किसी प्रकार की लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी, जिससे किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी जिला प्रभारियों को निर्देशित किया कि वे नियमित रूप से खरीद केंद्रों का निरीक्षण करें और किसानों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। इसके साथ ही चावल मिलर्स को धान उठान कार्य में सक्रिय सहयोग करने के निर्देश दिए गए। मिलर्स द्वारा उठाई गई समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु जिलाधिकारी ने संबंधित उच्च एवं जनपद स्तरीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी प्रदान किए।

भारतीय वेशभूषा संग विद्यार्थियों ने निकाली शोभायात्रा

❖ गोरखपुर की सड़कों पर दिखा अनुशासन, संस्कृति व विरासत के सम्मान का अद्भुत समन्वय

पायनियर संवाददाता। गोरखपुर

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह-2025 में गुरुवार को ऐसा लग रहा था कि गोरक्षनगरी में 'समूचा हिंदुस्तान' उमड़ पड़ा। एक तरफ उत्साह, उमंग से लबरेज युवाओं ने भारतीय संस्कृति, अनुशासन व विरासत के सम्मान का संदेश दिया तो दूसरी तरफ भारत के शौर्य, पराक्रम के साथ ही सम्मान के प्रतीक महापुरुषों के प्रति श्रद्धा निवेदित की। गोरखपुर की सड़कों पर युवाओं ने अनुशासन का अद्भुत समन्वय प्रस्तुत किया। भारत की सांस्कृतिक धरोहरों, तकनीकी विकास, सुरक्षा व महापुरुषों की विचारधारा संग भारतीय वेशभूषा संग निकली शोभायात्रा ने सभी को अपनी ओर आकर्षित किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट योगेंद्र डिमरी (से.नि.) ने दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय की शोध पत्रिका 'दिग्विजयम्' और महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज, जंगल धूषड़ द्वारा 'मिशन मंझरिया' की संक्षिप्त रिपोर्ट का विमोचन किया। मुख्यमंत्री व मुख्य अतिथि ने 'विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश @2047' प्रदर्शनी का अवलोकन किया। समारोह स्थल पर 9000 से अधिक विद्यार्थी मौजूद रहे। समारोह के शुभारंभ समारोह में महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज की छात्राओं ने सरस्वती वंदना व कुलगीत प्रस्तुत किया।

सीएम योगी ने खिलाड़ियों को किया पुरस्कृत

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश की टीम ने ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज सप्तम् अखिल भारतीय प्राइजमनी पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता-2025 का खिताब अपने नाम किया। पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर की टीम उपविजेता बनी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टीमों व खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विजेता उत्तर प्रदेश की टीम को दो लाख रुपये का चेक, ट्रॉफी व खिलाड़ियों को मेडल प्रदान किया। उपविजेता पूर्वोत्तर रेलवे को ट्रॉफी व एक लाख का चेक प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने तीसरे स्थान पर रहने वाली हरियाणा व आंध्र प्रदेश की टीम के खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। साथ ही ट्रॉफी व 50-50 हजार रुपये का चेक दिया। इस अवसर पर महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, जिला पंचायत अध्यक्ष साधना सिंह, विधान परिषद सदस्य डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक फतेह बहादुर सिंह, महेंद्र पाल सिंह, प्रदीप शुक्ला, भाजपा जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी, डॉ. विभ्राट चंद कौशिक, पूर्व महापौर डॉ. सत्या पांडेय, कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार, खेल निदेशक डॉ. आरपी सिंह आदि मौजूद रहे।

खेलकूंद प्रतियोगिता का विधायक ने किया शुभारंभ

❖ जिला युवा कल्याण और प्रादेशिक विकास दल विभाग ने किया आयोजन

पायनियर संवाददाता। माधौगढ़ (जालौन)

जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी राजीव कुमार उपाध्याय एवं युवा कल्याण क्षेत्रीय अधिकारी पंकज कुमार शिवहरे ने जानकारी देते हुये बताया कि युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग की ओर से उत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल लीग के अंतर्गत विधायक खेल स्पर्धा, विधानसभा माधौगढ़ ग्राम बंगरा में खेल प्रतियोगिता का आयोजन राजकीय इण्टर कालेज बंगरा का विधायक मूलचंद्र निरंजन ने शुभारंभ किया। खेलकूंद प्रतियागिता में स्कूलों के छात्र छात्राओं ने जूनियर हाईस्कूल, इंटर के छात्र छात्रायें माधौगढ़ से बुंदेलखंड इंटर कॉलेज के एनसीसी के छात्रों ने विधायक मूलचंद्रं निरजन का स्वागत सलामी देकर किया (लेफ्टिनेंट) उदय प्रताप सिंह उर्फ (शैलू) भदौरिया इस खेल स्पर्धों मे पीटी द्वारा निर्णय पूर्वक खेलों को खिलाया गया खेल जैसे कवड्डी, एथलेटिक्स, वॉलीबाल, कुश्ती, पेटलिफ्टिग एवं बैडमिंटन विद्यालयों के जूनियर एवं सीनियर आयु वर्ग में बालक, बालिका श्रेणी में कराया गया। खेल प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त करने पर विधायक मूलचंद निरंजन ने खिलाड़ियों को टी-शर्ट प्रमाण पत्र शील्ड गोल्ड देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान युवा कल्याण विभाग से मोहन सिंह यादव, प्रकाश सिंह कुशवाहा, राजेश आर्य, रोहित खरे, सुरेंद्र, धीरेंद्र शुक्ला आदि मौजूद रहे।

छूटे स्नातक मतदाता 16 तक अपना नाम शामिल करायें: अशोक राठौर

पानियर संवाददाता। उरई (जालौन)

वर्ष 2026 में स्नातक एमएलसी चुनाव के लिए मतदाता सूची का प्रकाशन 2 दिसम्बर 2025 को हो चुका है। प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए प्रदेशीय शिक्षक नेता एवं कानपुर-बुन्देलखण्ड क्षेत्र के सह संयोजक अशोक राठौर उरई जालौन ने अवगत कराया कि स्नातक क्षेत्र की मतदाता सूची में सम्मिलित होने हेतु जिन लोगों ने 6 नवम्बर 2025 तक ऑनलाइन या ऑफलाइन आवेदन किया था उनकी सूची 2 दिसम्बर 2025 को प्रकाशित हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि अभी भी 2022 या उससे पहले के स्नातक योग्यताधारी समस्त लोगों से अनुरोध है कि वह प्रकाशित सूची का अवलोकन कर लें तथा मतदाता सूची में नाम सम्मिलित न हो तो नवीन सिरे से निर्धारित फार्म (प्रारूप-18) भरकर उसमें पासपोर्ट साइज का एक फोटो, आधार एवं स्नातक के फाइनल ईयर का अंक पत्र या प्रमाण पत्र की अटेस्टेड कापी लगाकर अपने पते से संबंधित तहसील या ब्लाक में 16 दिसम्बर 2025 तक फार्म जमा कराएं। किसी भी जानकारी के लिए पार्टी पदाधिकारियों या व्यक्तिगत हमारे मोबाइल नम्बर 9415592020 पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। द्वितीय चरण में 2 दिसम्बर से 16 दिसम्बर तक आफलाइन फॉर्म जमा कर मतदाता सूची में अपना नाम सम्मिलित करने हेतु आवेदन जरूर करें।

लाइन ठीक करते समय करंट से कर्मी झुलसा

राठ (हमीरपुर)। कोतवाली के गल्हिया गांव में विद्युत पोल पर चढ़कर लाइन ठीक करते समय विद्युत लाइन हाईटेंशन लाइन के करंट की चपेट में आकर झुलस गया। ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। जहां चिकित्सक ने मेडिकल कालेज झांसी रेफर कर दिया है। गल्हिया गांव निवासी जीतू पुत्र परमेश्वरी दयाल गुरुवार की दोपहर गांव के बाहर विद्युत पोल पर चढ़कर लाइन ठीक कर रहा था। तभी राठ फीडर का शट.डाउन होने के बाद नौरंगा फीटर से लाइन चालू हो होने के कारण लाइनमैन करंट की चपेट आने से पोल से नीचे गिर गया। जिससे वह घायल हो गया। डॉ कनिष्ठ माहुर ने बताया कि युवक की हालत गंभीर होने पर उसे मेडिकल कालेज झांसी रेफर कर दिया है।

डीएवी के मैदान में दस दिवसीय प्रदर्शनी का होगा आयोजन: डीएम

पायनियर संवाददाता। आजमगढ़

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने बताया है कि उ०प्र० खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग कार्यालय, आजमगढ मण्डल आजमगढ द्वारा दिनांक-15 दिसम्बर से दिनाँक 24 दिसम्बर तक (10 दिवसीय) मण्डल स्तरीय प्रदर्शनी का आयोजन डी०ए०वी० इण्टर कालेज के मैदान, रैदोपुर आजमगढ़ में किया जाना है।

प्रदर्शनी में विभाग द्वारा संचालित योजनाओं में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के उत्कृष्ट कार्य करने वाली वित्तपोषित/पंजीकृत इकाईयों द्वारा अपने उत्पादों के लगभग 85 स्टाल लगाये जायेंगे। प्रदर्शनी का उद्घाटन जनपद के प्रभारी मंत्री/स्थानीय जनप्रतिनिधियों से कराया जायेगा। प्रदर्शनी स्थल पर प्रदर्शनी को देखने हेतु अधिक संख्या में लोग इकत्र होंगे। जिलाधिकारी ने बताया कि उक्त प्रदर्शनी कार्यक्रम को सफलता पूर्वक सम्पादित किये जाने को दृष्टिगत रखते हुए प्रदर्शनी स्थल पर पर्याप्त सुरक्षा/ भीड नियंत्रण हेतु पुलिसकर्मियो की व्यवस्था, प्रदर्शनी स्थल की साफ-सफाई की व्यवस्था हेतु अधिशासी अधिकारी, कार्यदायित्व सौंपा गया है।

ससुरालीजनों पर दहेज उत्पीड़न में अभियोग दर्ज

कालपी (जालौन)। पांच लाख रुपए नगद एवं चार पहिया गाड़ी के रूप में अतिरिक्त दहेज मांगना ससुरालीजनों को महंगा पड़ गया। नवविवाहिता की शिकायत पर पति समेत चार लोगों के खिलाफ कालपी कोतवाली में दहेज उत्पीड़न अधिनियम के अंतर्गत अभियोग दर्ज कराया गया है। उक्त प्रकरण में वादिनी सरिता पुत्री रामस्वरूप निवासी ग्राम धमना कालपी ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए अवगत कराया है कि प्रार्थनी की शादी हिंदू रीति रिवाज के अनुसार 27 अप्रैल 2022 को जगमोहन पुत्र महिपत निवासी ग्राम टेरका मोठ जिला झांसी के साथ संपन्न हुई थी। पति जगमोहन व ससुर सौतेली नन्द लोगों ने अतिरिक्त दहेज के रूप में कार तथा 5 लाख रुपए की मांग की।

संक्षिप्त समाचार

पास्को एक्ट में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

पायनियर, कोंच (जालौन)। कोतवाली कोंच पुलिस ने गुरुवार को एक प्रेस नोट जारी करते हुए बताया कि मुकदमा संख्या 246/2025 धारा 137(2), 87, 64(1), 324(4), 351(2) बीएनएस व 3/4 (2) पास्को एक्ट में बांछित अभियुक्त रोहित पुत्र दिलीप कुशवाहा निवासी ग्राम तूमरा उम्र करीब 21 वर्ष को कोतवाली के उप निरीक्षक शिव नारायण, उप निरीक्षक शुभम परमार कांस्टेविल दीपक कुमार ने चचेड़ा पुलिया से गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

पुलिस ने चलाया सघन चेकिंग अभियान

पायनियर, कोंच (जालौन)। प्रदेश सरकार ने दिल्ली कांड से सबक लेते हुए पूरे प्रदेश में सतर्कता के लिए सघन चेकिंग अभियान चलाई जाने का निर्देश पुलिस को दिया है जिससे संदिग्धों पर कड़ी नजर रखी जा सके और कोई भी घटना घटित ना हो सके जिसके अनुपालन में दिन गुरुवार को कोंच कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अजीत सिंह ने पुलिस बल के साथ नगर व क्षेत्र के आसपास झोपड़पट्टी में रहने वाले संदिग्ध व्यक्ति बांग्लादेशी रोहंगिया आदि की जांच हेतु विशेष अभियान चलाया और झोपड़ पट्टियों में पहुंचकर उनके दस्तावेजों को देखा।

कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

पायनियर, जालौन (उरई)। नगर में लल्ला तिवारी के आवास पर आयोजित साप्ताहिक श्रीमद्भागवत कथा का गुरुवार को शुभारंभ हो गया। कार्यक्रम के पहले दिन नगर में विशाल व भव्य बैंड बाजे के साथ कलश यात्रा निकाली गई जिससे नगर भक्तिमय हो गया। गुरुवार को श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ कार्यक्रम के पहले दिन कलश यात्रा का शुभारंभ द्वारकाधीश मंदिर से हुआ। कथा व्यास आचार्य सुखनंदन मयूर की अगुवाई में कलश यात्रा द्वारिकाधीश मंदिर, बड़ी माता मंदिर, छोटी माता मंदिर होते हुए सब्जी मंडी से नाना महाराज मंदिर से झंडा चौराहा होकर कथा स्थल पहुंची। झांकियों व बैंड बाजा पर बज रहे भजनों की ध्वनि पर भक्त जयकारे लगाते व नृत्य करते हुए आगे बढ़ रहे थे। वहीं महिलाएं सिर पर कलश लेकर भक्ति के रस में सराबोर होकर आगे बढ़ रही थी। भव्य शोभायात्रा व कलश यात्रा जिस मार्ग से निकली बैंड-बाजे व डीजे में बज रहे भजनों से माहौल भक्तिमय हो गया। बज रहे भजनों के साथ पारीक्षित कुसुमलता, उदयनारायण तिवारी, कैलाश नारायण, तेज नारायण, सत्यनारायन, जगत नारायण, प्रताप नारायण, राहुल, रोहित, वैभव, हनी, निक्की आदि जयकारे लगाते हुए चल रहे थे।

कुएं में गिरने से वृद्ध महिला की मौत

पायनियर, जालौन (उरई)। भोर में उठकर लघुशंका के लिए गई वृद्ध महिला का पैर फिसलने से महिला कुएं में गिर गई। कुएं में गिरने से महिला की मौत हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने वृद्धा के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम भिटारा निवासी फूलारानी (85) बुधवार की रात घर मे सोई थीं। सुबह करीब चार बजे उन्हें लघुशंका की आवश्यकता हुई तो वह अकेली ही घर के बाहर लघुशंका के लिए निकल गई। उनके घर के बाहर ही एक कुआं है। लघुशंका के लिए जाते समय अचानक उनका पैर फिसल गया और वह कुएं में गिर गई। आवाज सुनकर जब परिजन बाहर आए और उन्हें निकालने का प्रयास किया। परिजन उन्हें निकाल पाते उससे पूर्व ही डूबने से उनकी मौत हो गई। ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकाला गया और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने वृद्धा के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मां की मौत से बेटा तैतूस गमगीन है।

नीलगाय की टक्कर से बाइक सवार की मौत

पायनियर, मौदहा, हमीरपुर। तिलक समारोह से लौट रहे बाईक सवारों को नीलगाय ने टक्कर मार दी जिसमे एक युवक की मौत हो गई जबकि दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए जिनका इलाज किया जा रहा है। कस्बे के इलाही तालाब निवासी ओमबाबू पुत्र धनीराम अंकित सोनी(27) पुत्र रामप्रकाश सोनी और गहबरा निवासी संदीप गांव के अंकित की बुलट से एक तिलक समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे तभी गहबरा के सम्पर्क मार्ग पर अचानक नीलगाय ने आकर टक्कर मार दी जिससे तीनो युवक गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हे इलाज के लिए कस्बे के सरकारी अस्पताल लाया गया लेकिन अंकित की रास्ते में ही मौत हो गई। शेष दोनों घायलों का भी इलाज किया जा रहा है जबकि दोनों की गंभीर हालत बताई जा रही है। मृतक अंकित सोनी मूलरूप से कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अरतरा का रहने वाला है और कस्बे के इलाही तालाब के निकट मकान बना कर रह रहा था और कस्बे में एक ज्वेलरी की दूकान चलाता था मृतक अपने परिवार में तीन भाईयों में दूसरे नम्बर का और अविवाहित था। घर में हुई घटना से परिजनों में कोहराम मच गया है और परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

मंदिर से घंटा चोरी, पुलिस से शिकायत

पायनियर, कुरारा(हमीरपुर)। बुधवार देर रात क्षेत्र के प्रसिद्ध मंदिर में घंटा चोरी होने की लिखित शिकायत ग्रामीणों द्वारा थाने में दी गई है। थाना क्षेत्र के शंकरपुर गांव के समीप पहाड़ी देव बाबा शिव मंदिर स्थापित है जहां वर्ष भर सुबह से शाम तक भक्तों का आना जाना लगा रहता है। ग्राम प्रधान प्रियंका निषाद सहित ग्रामीण गणेश तिवारी हेतराम विश्वकर्मा प्रदुम्न सिंह आदि ने थाने बताया कि बुधवार रात मंदिर के गेट को कटर के माध्यम से काटकर 60 किलो वजनी पीतल के घंटा सहित अन्य धातुओं की पूजन सामग्री चोर चोरी कर ले गए है। थाना प्रभारी रामआसरे सरोज ने बताया कि जांच की जा रही है।

गश्त खाकर गिरने से सफाईकर्मी की मौत

पायनियर, राठ(हमीरपुर)। स्वामी ब्रह्मानंद महाराज की यात्रा में ड्यूटी के दौरान संविदा सफाई कर्मी की सड़क पर गश्त खाकर गिरने से मौत हो गई। सूचना पर अन्य नगर पालिका के कर्मचारी व सफाई कर्मी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंच गए। कस्बे के सिकंदरपुरा मोहल्ला निवासी मुन्ना(55) पासवान गुरुवार को स्वामी ब्रह्मानंद महाराज की यात्रा के दौरान रामलीला मैदान के पास राजकीय इंटर कालेज के सामने यात्रा में अन्ना जानवर न आने के पर सड़क किनारे ड्यूटी कर रहा था।

कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम आयोजित

❖ गर्भवती महिलाओं की गोद भराई, शिशुओं का अन्नप्राशन और सुरक्षा किट हुई वतरित

पायनियर संवाददाता। उरई (जालौन)

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान ने आज महिला जिला अस्पताल में आयोजित कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। उन्होंने अस्पताल में जन्मी नवजात कन्याओं को आशीर्वाद देते हुए उनके स्वस्थ और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म पूरी कर उन्हें स्वस्थ गर्भावस्था एवं सुरक्षित प्रसव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। इसके साथ ही नवजात शिशुओं का अन्नप्राशन संस्कार सम्पन्न कराया गया तथा अस्पताल में जन्मी कन्याओं को सुरक्षा किट प्रदान की गई। सुरक्षा किट में आवश्यक शिशु देखभाल सामग्री शामिल थी, जिससे माताओं को शुरुआती दिनों में सहायता मिल सके। उन्होंने उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी विस्तार से दी। उन्होंने मुख्यमंत्री मातृत्व योजना, जननी सुरक्षा योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान, पोषण अभियान सहित अनेक जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की उपयोगिता बताई और महिलाओं से इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की।

पुलिस ने जेबकतरों के विरुद्ध दर्ज किया मुकदमा

जालौन (उरई)। भाजपा जिलाध्यक्ष के स्वागत के लिए गए तीन समर्थकों के जेब से अज्ञात चोरों ने 13000 रुपए निकाल लिये। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। दूसरी बार जिलाध्यक्ष बनने के बाद जनपद में आई भाजपा जिलाध्यक्ष उर्विजा दीक्षित के स्वागत के लिए एक दिसंबर को बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस वे छिरिया सलेमपुर कट पर समर्थकों की भीड़ जुटी थी। इसी भीड़ व तेज आवाज का फायदा उठाते हुए अज्ञात चोरों ने भीड़ में तीन लोगों के जेब से 13 हजार रुपए गायब कर दिये। स्वागत कार्यक्रम समापन के बाद जब लोगों ने जेब देखी तो पता चला कि तीन लोगों के जेब से रुपये गायब हो गये हैं।

डीएम-एसपी ने शेल्टर होम व गौशाला का किया निरीक्षण

पायनियर संवाददाता। कोंच (जालौन)

गुरुवार को कोंच नगर में जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व एस पी डॉ दुर्गेश कुमार ने शेल्टर होम का निरीक्षण करते हुए वहां बेसहारा लोगों के ठहरने की व्यवस्था को परखा उन्होंने वहां सीसीटीवी कैमरे भी देखे जिस पर वहां पर सब कुछ सही मिला इसके बाद अधिकारी हाटा स्थित कान्हा गौशाला पहुंचे जहां उन्होंने व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया दोनों अधिकारियों ने सबसे पहले गौशाला में मौजूद गायों की संख्या उनकी देखरेख साफ-सफाई और उपलब्ध चारे की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान डीएम और एसपी ने स्वयं गायों को गुड़ खिलाकर उनके प्रति संवेदनशीलता और पशु संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश दिया इस आकस्मिक निरीक्षण के समय एसडीएम ज्योति सिंह, नगर पालिका ईओ मोनिका उमराव, सीओ परमेश्वर प्रसाद, पालिका अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, कोतवाल अजित सिंह सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

भारतीय किसान यूनियन ने बैठक कर तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

पायनियर संवाददाता। जालौन (उरई)

❖ अतिवृष्टि से नष्ट हुई फसलों का मुआवजा तत्काल किसानों को मिले

भारतीय किसान यूनियन की मासिक पंचायत गुरुवार को गल्ला मंडी सभागार में किसान हनीफ खान की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें क्षेत्र के किसानों ने अपनी विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की।

पंचायत के बाद किसानों ने अपनी मांगों को लेकर एक ज्ञापन तैयार किया, जिसे भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष देवसिंह पटेल के नेतृत्व में तहसीलदार अमित शेखर को सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से किसानों ने तहसीलदार अमित शेखर को बताया कि रबी की फसल के दौरान हुई अतिवृष्टि के चलते किसानों की चना, मटर, मसूर आदि की फसल पूरी तरह नष्ट हो गई है। किसानों ने मांग की कि हुए नुकसान की भरपाई बीमा कंपनी और दैवीय आपदा राहत कोष से कराई जाए, ताकि प्रभावित किसानों को आर्थिक सहारा मिल सके। ऐसे क्षेत्रों में शीघ्र जल निकासी की समुचित व्यवस्था कराई जाए। किसानों ने ग्रामीण इलाकों में घूम रहे अन्ना गोवंश की समस्या पर भी चिंता जताई। कहा कि आवारा पशु लगातार फसलों को नुकसान पहुचा रहे हैं, जिसे रोकने के लिए इन्हें तत्काल गौशालाओं में संरक्षित कराया जाना आवश्यक है।

नॉन इण्टरलाकिंग काम के कारण ट्रेन सेवा रहेगी प्रभावित

मौदहा, हमीरपुर। झांसी मंडल के वीरागंना लक्ष्मीबाई झांसी. मानिकपुर सेक्शन में खुरहंड. डिंगवाही बांदा स्टेशनों के बीच ट्रैक दोहरीकरण के लिए नॉन इंटरलॉकिंग कार्य होने के कारण ट्रेनें निरस्त रहेंगी। कुछ ट्रेनें विभिन्न स्टेशनों से रेग्युलेशन होकर देरी से चलेंगी। कुछ ट्रेनें भी विभिन्न स्टेशनों के बीच रोक-रोक कर चलाई जाएंगी। एनसीआर सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि 11 दिसंबर को 14109 चित्रकूट कानपुर सेंट्रल 14110 कानपुर सेंट्रल चित्रकूट पांच से 11 दिसंबर तक 64601 मानिकपुर। कानपुर सेंट्रल 64602 कानपुर सेंट्रल. मानिकपुर इस अवधि में निरस्त रहेगी।

छत्तीस हजार डुप्लीकेट मतदाताओं की जांच न होने डीएम सख्त

पायनियर संवाददाता। हमीरपुर

❖ हमीरपुर और मौदहा सबसे पीछे, पंचायत चुनाव की तैयारियां शुरु

पंचायत चुनाव को देखते हुये जिले में छत्तीस हजार डुप्लीकेट मतदाताओं की जांच न करने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जाहिर की है जिसमे हमीरपुर व मौदहा तहसील की हालत ज्यादा नाजुक बतायी जाती है। जानकारी के मुताबिक जिले के हमीरपुर तहसील में कुरारा ब्लाक में 4519 मतदाता, सुमेरपुर ब्लाक में 15,579 मतदाता, मौदहा तहसील में मौदहा ब्लाक में 10992 व मुस्करा ब्लाक में 4783 मतदाता राठ ब्लाक में 270 व गोहांड ब्लाक में 319 व सरीला ब्लाक में केवल एक मतदाता इस प्रकार जिले में कुल 36,462 मतदाताओं का सत्यापन नही हुआ है। हालाकि 3876 मतदाताओं की जांच कर डिलीट किया जा चुका है। जिले में 330 ग्राम पंचायते है, जिसमे 96609 डुप्लीकेट मतदाता है। बताया जाता है कि इसके लिये खंड विकास अधिकारी व एडीओ पंचायत को कई मर्तवा कार्य पूरा करने के लिये उच्चाधिकारियों को द्वारा आदेश दिये गये है मगर कोई प्रगति नही हुई है। एक सप्ताह बाद चुनाव सामग्री जिले में आना शुरु हो जायेगी। पंचायत चुनाव की तैयारी जोर तोड से शुरु हो गयी है।

कार समेत लाखो रुपये चोर, पुलिस से शिकायत

राठ(हमीरपुर)। नहर बाईपास पर स्थित पेट्रोल पंप पर चोर चार पहिया कार और कार के अंदर रखा 1.48 लाख रुपए चोरी करके ले गए। पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर दी है। कस्बे के सैना रोड फरसौलियाना मोहल्ला निवासी आदेश गुप्ता पुत्र इंद्रपाल गुप्ता ने बताया कि मंगलवार की रात करीब नौ बजे उसने अपनी चार पहिया सेंट्रो कार नहर बाईपास स्थित पेट्रोल पंप पर खड़ी कर दी थी। कार लॉक थी। बताया कि कार में 1.48 लाख रुपए रखा था। गुरुवार को उसका मित्र सचिन यादव पेट्रोल पंप पर कार उठाने गया तो वहां कार गायब थी। सचिन ने उसे फोन पर सूचना दी। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। कोतवाल राकेश सिंह ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है।

पुलिस पर हमला करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

कुरारा (हमीरपुर)। थाना क्षेत्र के उमराहट गांव में पुलिस पार्टी पर जानलेवा हमला करने वाले तीन वांछित आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। मंगलवार को उमराहट गांव ने पुलिस बल के ऊपर जानलेवा हमला करने वाले तीन वांछित आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिनमें गांव निवासी रामबाबू निषाद पुत्र छोटे ए प्रहलाद पुत्र रामबाबू निषाद तथा मलखान निषाद पुत्र छुटकन निषाद को कुरारा से मनकी गांव जाने वाली सड़क के उमराहट मोड से गिरफ्तार किया है। आरोपियों की निशान देही पर एक अदद बांस का गांठ दार डंडा एक अदद कुल्हाड़ी लोहे का एक अदद सब्बल बरामद किया है।

लोकतंत्र में मत का अधिकार अत्यंत महत्वपूर्ण: डीएम

❖ डीएम ने वार्ड में परखी एसआईआर की हकीकत

पायनियर संवाददाता। महराजगंज

जनपद में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यों की प्रगति का जायजा लेने के लिए जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा लगातार क्षेत्र में सक्रिय हैं। शुक्रवार को उन्होंने विशेष पहल करते हुए नगरपालिका परिषद महराजगंज के पिपरदेऊरा क्षेत्र में डोर-टू-डोर जाकर मतदाताओं से एसआईआर फॉर्म जमा कराने की स्थिति की जानकारी ली। सिलसिलेवार मतदाताओं से बात की। उनके समस्याओं को जाना। मतदाताओं को जागरूक भी किया। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने मतदाताओं से सीधे संवाद स्थापित किया। कहा कि लोकतंत्र में मत का अधिकार अत्यंत ही महत्वपूर्ण है।हम सबकी जिम्मेदारी है कि कोई भी योग्य मतदाता सूची से बाहर न रहे। एसआईआर फार्म भरना केवल एक प्रकिया नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक भागीदारी का आधार है। उन्होंने सभी से अपील कि यदि किसी कारणवश अब तक उन्होंने अपना एसआईआर नहीं भरा है वह तत्काल फार्म भरकर निर्वाचन कार्य में सहयोग करें।

पिपरदेऊरा वार्ड में कुल 09 मतदान केंद्र स्थापित हैं। जो कि जनपद के औसत से कम है। जिलाधिकारी स्वयं मौके पर पहुंचे और एसआईआर प्रक्रिया की वास्तविक स्थिति की हकीकत परखी। उन्होंने मौके पर मौजूद टीम को निर्देशित किया कि जिन घरों में फॉर्म नहीं भरे गए हैं, वहां विशेष ध्यान देते हुए त्वरित रूप से एसआईआर फॉर्म भरवाए जाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य एक पारदर्शी, सटीक और समावेशी मतदाता सूची तैयार करना है। जिसमें प्रत्येक योग्य मतदाता का नाम शामिल हो।

घर-घर जाकर एसआईआर फार्म जमा कराएं जिम्मेदार: संतोष

निरीक्षण के दौरान डीएम ने सबसे कम डिजिटाइजेशन वाले बूथों पर जाकर बीएलओ और संबंधित कर्मचारियों से अद्यतन प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने टीमों को निर्देश दिया कि अभियान की गति तेज करें तथा रोजाना फॉलोअप के आधार पर घर-घर जाकर एसआईआर फॉर्म जमा कराएं। जिलाधिकारी ने कहा जिनके गणना प्रपत्र अप्राप्त हैं। वहां कम से कम बीएलओ 03 बार अवश्य संपर्क करें। नायब तहसीलदार ने बताया कि अप्राप्त गणना प्रपत्र में अधिकांश मतदाता अपने मूल स्थान पर अपना पंजीकरण कराना चाहते हैं। डीएम ने निर्देशित किया कि यदि कोई मतदाता कहीं और से गणना प्रपत्र जमा करना चाहते हैं, उनका कारण दर्ज कर लें। इस दौरान नायब तहसीलदार देश दीपक त्रिपाठी, ईओ नगर पालिका आलोक कुमार,सूचना अधिकारी प्रभाकर मणि त्रिपाठी मौजूद रहे।

पायनियर
लखनऊ, शुक्रवार, 5 दिसंबर 2025

शिक्षिका का शव पहुंचते ही फफक पड़ा पूरा गांव

बिहार में गोली मार कर की गई थी हत्या

फाइल फोटो

❖ मूल निवास शिवगढ़ के पिडौली में हुआ अंतिम संस्कार

पायनियर संवाददाता। हैदरगढ़ बाराबंकी

नगर पंचायत के मितई पुरवा वार्ड निवासी लक्ष्मीकांत वर्मा राजस्व निरीक्षक की पुत्री शिवानी वर्मा बतौर शिक्षिका बिहार के अररिया जनपद के कन्हैली मध्य मे कार्यरत थी। दरअसल वर्मा परिवार मूल रूप से रायबरेली जनपद के शिवगढ़ के रहने वाले हैं जो इस समय हैदरगढ़ मे रहते हैं) बीती तीन दिसम्बर को बदमाशों ने विद्यालय जाते समय लगभग नौ बजे, रास्ते मे गोली मार कर हत्या कर दी। स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन को जानकारी दी।

बिहार पुलिस ने हैदरगढ़ के स्थानीय प्रशाशन को सूचित किया।एस डी एम हैदरगढ़ द्वारा परिजनो से सम्पर्क सूचना दी, हत्या की जानकारी मिलते ही परिवार मे कोहराम मच गया, माता पिता बदहवास हो गए। पिता लक्ष्मीकांत वर्मा अपने सहयोगियों के साथ बुधवार को ही बिहार रवाना हो गए थे। शव का पोस्टमार्टम होने के बाद बृहस्पतिवार को शव जब गांव पहुंचा तो पूरे गांव के निवासी रिस्तेदार रो पड़े। हर तरफ होनहार बिटिया के चर्चे थे। सबके मन मे हत्यारों के प्रति गुस्सा था।सबने बिहार मे जंगलराज वापसी की बात कही, आखिर अपराधी इतने बेलगाम क्यों हैं, बिहार का स्थानीय प्रशाशन नाकाम है अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। स्थानीय निवासियों ने घटना का खुलासा करते हुए हत्यारों को फांसी पर लटकाये जाने की मांग की है।

केरल से घर लौट रहे मजदूर की ट्रेन में मौत

❖ आर्थिक तंगी के चलते हनीफ परिवार का एकमात्र सहारा

पायनियर संवाददाता। निंदूरा बाराबंकी

ग्राम पंचायत बीबीपुर नकटौली के ग्राम अम्बियापुर में उस समय कोहराम मच गया जब केरल से घर लौट रहे मजदूर मोहम्मद हनीफ (45) की अचानक ट्रेन में मौत हो गई। परिवार की आर्थिक तंगी दूर करने के लिए पत्नी और इकलौते बेटे मोहम्मद कैफ के साथ वे केरल मजदूरी करने गए थे, लेकिन यह सफर उनकी जिंदगी का आखिरी सफर बन गया।

मोहम्मद हनीफ पिछले कई महीनों से केरल में मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का गुजारा चला रहे थे। कुछ दिन पहले उन्हें हार्ट की गंभीर समस्या हुई, जिसके बाद उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। ऑपरेशन होने के बाद डॉक्टरों ने आराम की सलाह दी, जिस पर परिवार सहित वे ट्रेन से वापस घर लौट रहे थे। झाँसी पहुंचने से पहले ही हनीफ को दोबारा हार्ट की परेशानी हुई। तबीयत अचानक बिगड़ने पर परिवार ने यात्रियों की मदद ली, लेकिन कुछ ही देर में हनीफ ने ट्रेन में ही आखिरी सांस ले ली। सूचना पाकर रेलवे विभाग ने आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करवाईं और एम्बुलेंस से शव को बीबीपुर नकटौली के ग्राम अम्बियापुर भेजवाया।घर पहुचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है और इकलौते बेटे मोहम्मद कैफ के सिर से पिता का साया उठ गया। ग्रामीणों ने बताया कि आर्थिक तंगी के चलते हनीफ परिवार का एकमात्र सहारा थे। उनकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।ग्राम में शोक की लहर व्याप्त है।

महिला पर हमला, पुलिस ने नहीं लिखी एफआईआर

बाराबंकी। हेतमपुर गांव में एक महिला और उसकी भाभी पर हमला किया गया। आरोप है कि पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं की, जिसके बाद पीड़िता ने न्याय के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया है। यह घटना 26 नवंबर 2025 को हुई थी। गांव की रेनू देवी पत्नी भगवान ने बताया कि 26 नवंबर 2025 को वह अपने पुराने आभूषण लेकर किसी काम से घर से निकली थीं।

रास्ते में गांव के ही दीपेन्द्र, दीपचन्द्र, बाबादीन, दिनेश कुमार और भक्ति ने पुरानी रंजिश के चलते उन्हें रोककर गाली-गलौज शुरू कर दी। जब रेनू देवी ने इसका विरोध किया, तो आरोपियों ने उन पर लात-घूंसों और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। शोर सुनकर रेनू देवी की भाभी सावित्री उन्हें बचाने पहुंचीं, तो विपक्षी लोगों ने उन पर भी हमला कर दिया। इस हमले में दोनों महिलाओं को गंभीर चोटें आईं और वे जमीन पर गिर पड़ीं। पीड़िता के अनुसार, घटना की जानकारी जहांगीराबाद थाने को दी गई थी।

संक्षिप्त समाचार

बाइक सवारों को अज्ञात वाहन ने मारी जोरदार टक्कर, दो गंभीर

निंदूरा बाराबंकी। लखनऊ-महमूदाबाद मार्ग पर ग्राम पंचायत कतुरी कलां के ककरहा गांव के पास मोटरसाइकिल सवार दो लोग अज्ञात कार की टक्कर से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार अनिल कुमार (45) पुत्र संतराम निवासी माती थाना देवा तथा पुत्ती लाल (65) पुत्र बद्री प्रसाद निवासी खंडसरा थाना घुघटेर मोटरसाइकिल से जा रहे थे। तभी सामने से आ रही एक अज्ञात कार ने उनकी मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से चोटिल हो गए। मौके पर पहुंची बड्डूपुर थाना पुलिस ने घायलों को तत्काल निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस ने अज्ञात वाहन व चालक की तलाश शुरू कर दी है।

पत्नी से विवाद के बाद युवक ने खाया जहरीला पदार्थ, हालत गंभीर

बाराबंकी। मसौली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मसौली कस्बे में गुरुवार की शाम उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब पत्नी से कहासुनी के बाद 26 वर्षीय अर्जुन पुत्र चंदर ने अचानक जहरीला पदार्थ खा लिया। घटना का खुलासा होते ही परिवार में कोहराम मच गया और पूरे गांव में सनसनी फैल गई। बताया जाता है कि अर्जुन का अपनी पत्नी गोमती से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। मामूली तकरार देखते ही देखते इतना बढ़ गया कि गुस्से में आकर युवक ने घर में रखा जहरीला पदार्थ निगल लिया। कुछ ही ही देर में उसकी हालत बिगड़ने लगी और मुंह से झाग निकलना शुरू हो गया, जिसके बाद घरवालों के होश उड़ गए। चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी भी मौके पर इकट्ठा हो गए और आसपास के ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। परिजनों ने बिना किसी देरी के अर्जुन को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़ागांव पहुँचाया , जहां मौजूद चिकित्सकों ने युवक की गंभीर हालत देखते हुए तुरंत जिला अस्पताल बाराबंकी रेफर कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार युवक की स्थिति नाजुक बनी हुई है और उसे लगातार चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। युवक की शादी करीब छह वर्ष पहले गोमती से हुई थी और दंपति की डेढ़ साल की एक बेटी रूही भी है, जो अभी कुछ समझ पाने की स्थिति में नहीं है। उधर, परिवारजन रो-रोकर बेहाल हैं और माहौल मातमी बना हुआ है। परिजनों का कहना है कि पत्नी से विवाद के बाद अर्जुन ने आवेश में आकर यह कदम उठाया है, जिसका अंदाज़ा किसी को भी नहीं था। स्थानीय लोगों का कहना है कि पति-पत्नी के बीच आए दिन छोटी-मोटी अनबन होती रहती थी, लेकिन आज की बहस इतनी बढ़ जाएगी कि युवक अपनी जान पर खेल बैठेगा, यह किसी ने सपने में भी नहीं सोचा था। गांव में घटना की चर्चा लगातार जारी है और लोग उसके जल्द स्वस्थ होने की दुआ कर रहे हैं। इस घटना ने एक बार फिर घरेलू विवादों से उपजे तनाव और अवसाद के खतरनाक परिणामों को उजागर कर दिया है। परिवारजन और ग्रामीण जिला अस्पताल के बाहर जुटे हुए हैं, जहां अर्जुन जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है।

कोल्ड वेव/शीतलहर को देखते हुए डीएम ने जनपद में उच्च स्तरीय अलर्ट किया जारी

कानपुर देहात। जिलाधिकारी कपिल सिंह ने आगामी दिनों में संभावित शीतलहर , कोहरे, अत्यधिक ठंड, पाले तथा न्यूनतम तापमान में गिरावट को ध्यान में रखते हुए जनपद के समस्त विभागों को उच्च्च सतर्कता मोड में रहने, सभी संसाधनों को सक्रिय करने और आमजन के जीवन की सुरक्षा हेतु ठोस उपाय तत्काल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार आने वाले दिनों में जनपद में ठंड का प्रकोप, घना कोहरा, दृश्यता में भारी कमी तथा ठिठुरन में वृद्धि की संभावना व्यक्त की गई है। इन परिस्थितियों को देखते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि जनहित सर्वोपरि है और प्रत्येक विभाग यह सुनिश्चित करे कि किसी भी नागरिक को ठंड, कोहरे या पाले की वजह से किसी भी प्रकार की असुविधा न हो तथा संकट की स्थिति में समयबद्ध सहायता उपलब्ध हो सके।

अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार की मौत

फतेहपुर। फतेहपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम एक सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत हो गई। इसरौली शराब ठेके के सामने एक अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर फतेहपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को फतेहपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस उसके पास मिले सामान के आधार पर उसकी शिनाख्त करने का प्रयास कर रही है। इसके अतिरिक्त, आसपास के थानों में भी जानकारी भेजी गई है ताकि मृतक के परिजनों तक सूचना पहुंचाई जा सके। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक देवां की ओर जा रहा था ।

इंडिया फिल्म प्रोजेक्ट आफ द ईयर का प्लेटिनम अवार्ड, हर्षित सिंह को मिला

पायनियर संवाददाता। हैदरगढ़ बाराबंकी

इण्डिया फिल्म प्रोजेक्ट आईएफपी 2025 फिल्म आफ द ईयर का प्लेटिनम अवार्ड पाने वाले निर्देशक गोंडा जनपद के होनहार युवा हर्षित सिंह हैदरगढ़ कस्बे में पले-बढ़े हैं। मुंबई में आयोजित समारोह में सुप्रसिद्ध फिल्मकार दिवाकर बनर्जी द्वारा हर्षित सिंह के नाम की घोषणा करते ही हैदरगढ़ वासी झूम उठे।

यह अवार्ड निर्देशक हर्षित सिंह एवं फिल्म के लेखक गोंडा के ही उनके सहयोगी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह को संयुक्त रूप से मिला।यह अवार्ड इन दोनों युवाओं को 50 घंटे के भीतर एक रचनात्मक एवं समाज को संदेश देने वाली शार्ट फिल्म बनाने के लिए दिया गया है। अवार्ड पाकर नाम रोशन करने वाले हर्षित सिंह राष्ट्रीय इण्टर कालेज रनापुर हैदरगढ़ में शिक्षक रहे

स्वर्गीय रमाशंकर सिंह के एकलौते बेटे हैं। हर्षित सिंह हैदरगढ़ कस्बा में ही पैदा हुए।इण्टर मीडिएट तक की शिक्षा भी यहीं से प्राप्त की।फिल्म अवार्ड की जानकारी होते ही कस्बा निवासी डॉ मुहीउद्दीन आब्दी, ब्लाक प्रमुख सुनील सिंह,सामाजिक कार्यकर्ता कृष्ण कुमार द्विवेदी,लाला लक्ष्मी नरायन साहू,चेयरमैन आलोक तिवारी,राष्ट्रीय इण्टर कालेज के प्रबंधक सुनील कुमार सिंह, आदि ने संदेश भेजा।

बाइक-ट्रक की टक्कर से दो युवक गंभीर , एक की हालत नाजुक

मसौली बाराबंकी। बहराइच हाईवे पर बुधवार देर शाम एक सड़क हादसा हो गया। मसौली थाना क्षेत्र में कल्याणी नदी के पास हुए इस हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। अलीनगर बदोसराय निवासी अरुण कुमार पुत्र विश्राम गौतम अपनी मोटरसाइकिल (यूपी 41 ए डब्लू 7709) से बाराबंकी से घर लौट रहे थे। कल्याणी नदी के पास हाईवे पर खड़े एक ट्रक (यूपी 71 बी 3855) से उनकी बाइक टकरा गई। इस टक्कर में अरुण कुमार और उनके साथ बाइक पर सवार एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दूसरे घायल युवक की पहचान अभी नहीं हो पाई है।सूचना मिलने पर डायल-112 पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़ागांव पहुंचाया।

बस डंपर से टकराई, चार लोग घायल

पायनियर संवाददाता। देवा, बाराबंकी

विशुनपुर के पास कल्याणी नदी पुल के पास गुरुवार दोपहर एक अनुबंधित बस ओवरटेक करते समय डंपर के पिछले हिस्से से टकरा गई। हादसे में बस में सवार चार यात्री घायल हो गए। सभी घायलों को एंबुलेंस के जरिए सीएचसी देवा भेजा गया। बहादुरगंज से आ रही परिवहन विभाग की अनुबंधित बस कल्याणी नदी पुल के पास आगे चल रहे डंपर को ओवरटेक कर रही थी। इसी दौरान सामने से वाहन आने पर बस चालक का संतुलन बिगड़ गया और बस डंपर में जा धसी। टक्कर के बाद बस में हड़कंप मच गया और यात्री घबराकर बाहर निकलने लगे घायल यात्रियों में मोहम्मदपुर खाला बाराबंकी के रंजीतपुर गांव निवासी रामकली और सुमन तथा सीतापुर जनपद के रामपुर मथुरा थाना क्षेत्र के बसंतपुर गांव निवासी राम विजय और रामपुर मथुरा थाना क्षेत्र के ही भिखारीपुर निवासी पुत्तीलाल शामिल हैं हादसे के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंचे सीओ फतेहपुर जगत राम कनौजिया और चौकी प्रभारी मिथिलेश यादव ने डंपर को कब्जे में लेकर घायलों को अस्पताल भिजवाया। पुलिस आगे की कार्रवाई में लगी है।

समाजसेवी की चतुर्थ पुण्यतिथि पर गरीबों का हुआ इलाज

पायनियर संवाददाता। औरैया/दिबियापुर

गुरुवार को स्थानीय रामकृष्ण नगर स्थित अवतार क्लीनिक में समाजसेवी रामअवतार शर्मा की चर्तुथ पुण्य तिथि पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में करीब डेढ़ सैकड़ा मरीजों की चिकित्सकीय जांच कर उन्हें दवाइयां वितरित की गयी। इससे पूर्व समाजसेवी डाक्टर राम अवतार के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गयी। इस मौके पर समाजसेवी के ज्येष्ठ पुत्र युवा चिकित्सक डा0 ए कुमार शर्मा ने बताया कि स्वर्गीय पिताजी ने जीवन पर्यन्त गरीब और बेसहारा लोगों को चिकित्सा सेवायें दी थीं। उनके न रहने पर वह पिताजी के सपनों को साकार करने का प्रयास कर रहे हैं। शिविर में खांसी, जुकाम, बुखार, सिरदर्द, जोड़ों का दर्द आदि बीमारियों के सम्बध में उपचार किया गया। इस मौके पर डा. एकुमार शर्मा ने मौजूद लोगों को सलाह दी कि सर्दी के मौसम में नवजात शिशुओं तथा बुर्जुगों का विशेष ध्यान रखे उन्हें गर्म कपड़े पहनाते हुये धूप में बैठायें। शिविर में पूर्व प्रधान अश्वनी शर्मा, अशीष शर्मा रिजोली , मोहम्मद सलीम, बासू एवं बाँबी आदि का विशेष सहयोग रहा।

मिशन शक्ति 5 के तहत आयोजित किये गये जागरूकता कार्यक्रम

पायनियर संवाददाता। कानपुर देहात

महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण और कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय के निर्देशन में कानपुर देहात पुलिस द्वारा ष्मिशन शक्ति 5.0ष अभियान के तहत जागरुकता अभियान चलाया गया ।

इस अभियान के अंतर्गत जनपदीय थाना पुलिस द्वारा विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें सैकड़ों महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा योजनाओं, हेल्पलाइन नंबर्स, कानूनी अधिकारों, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा साइबर अपराधों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग करना तथा अपराधों से बचाव के उपायों से अवगत कराना है, इस दौरान महिलाओं को 181

(महिला हेल्पलाइन), 1090 (महिला शक्ति लाइन), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 112 (इमरजेंसी हेल्पलाइन) एवं 1076 (पुलिस कंट्रोल रूम) जैसे महत्वपूर्ण नंबरों की जानकारी दी गई । साथ ही, न्च्ब्ब्ट ऐप के माध्यम से पुलिस सेवाओं का लाभ उठाने तथा सोशल मीडिया पर साइबर अपराधों (जैसे फिशिंग, साइबर स्टॉकिंग एवं फर्जी खातों से बचाव) से सावधान रहने के टिप्स साझा किए गए। कानूनी अधिकारों के अंतर्गत महिलाओं को च्ळ्ढ एक्ट, दहेज निषेध अधिनियम, घरेलू हिंसा अधिनियम तथा साइबर क्राइम से संबंधित आईटी एक्ट की जानकारी दी गई ।

मैथा व राजपुर में ब्लॉक टास्क फोर्स की बैठक का आयोजन

कानपुर देहात। जिलाधिकारी कपिल सिंह के निर्देश के क्रम में एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी के नेतृत्व में विकासखण्ड मैथा एवं राजपुर के सभागार में खण्ड विकास अधिकारी की अध्यक्षता में ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की त्रैमासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सभी सम्मानित सदस्यों द्वारा प्रतिभाग किया गया ब्लॉक मैथा के सभागार में खण्ड विकास अधिकारी सुश्री संजू सिंह द्वारा बताया गया कि मिशन वात्सल्य योजनान्तर्गत ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठकों का मुख्य उद्देश्य बच्चों के अधिकारों, सुरक्षा और कल्याण को सुनिश्चित करना है। जिसमें बच्चों के जीवन की रक्षा, विकास, संरक्षण और भागीदारी के उनके अधिकारों को सुनिश्चित करना है। ब्लॉक मैथा के सभागार में खण्ड विकास अधिकारी श्री हरगोविन्द गुप्ता राजपुर द्वारा बताया गया कि यह योजना ऐसे बच्चों की देखभाल और संरक्षण करती जिनके पास माता-पिता या कानूनी अभिभावक नहीं हैं।

एनआईए टीम ने पेट्रोल पंप कारोबारी के ठिकानों पर की ताबड़तोड़ छापेमारी

पायनियर संवाददाता। औरैया

शहर निवासी एक व्यापारी के घर व प्रतिष्ठानों पर भोर होते ही भारी पुलिस बल के साथ पहुंची एनआईए की टीम ने छापेमारा। अचानक से भारी पुलिस बल देख लोगों में खलबली मच गई। टीम के अधिकारियों ने घर व प्रतिष्ठानों पर मिले लोगों से गहनता से पूछताछ की। वहीं कारोबारी से जुड़े अन्य नजदीकी लोगां के प्रतिष्ठानों पर भी छापे मारे गए। फिलहाल इस छापेमारी में क्या-क्या तथ्य सामने आए हैं, इस संबंध में कोई भी अधिकारी कुछ भी कहने से दूरी बनाता नजर आया।

गुरुवार तड़के शहर के पेट्रोल पंप संचालक कमल कांत वर्मा के घर पर भारी पुलिस बल के साथ एनआईए की टीम पहुंची। अचानक से भारी पुलिस बल के पहुंचते ही घर में सो रहे लोगों में खलबली मच गई। इसी बीच एनआईए के अधिकारियों ने घर में मौजूद मोबाइल फोन कब्जे में ले लिए। साथ ही मौजूद लोगों से पूछताछ शुरू की।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने घर की तरफ जाने वाले रास्ते को पूरी तरह से बंद कर दिया। लोग इधर-उधर से होकर निकलने को मजबूर दिखे। मोहल्ले में भारी पुलिस का अमला देख लोगों में तरह-तरह के चर्चाएं शुरू हो गईं। इस दौरान एनआईए की टीम ने सदर बाजार होमगंज स्थित सराफा की दुकानां को भी अपनी निगेहबानी में ले लिया।

इसी सप्ताह चालू होगी हाईटेक नर्सरी

पायनियर संवाददाता। कानपुर देहात

उद्यान विभाग द्वारा कानपुर-झांसी राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे राजकीय कृषि प्रक्षेत्र, (चन्द्रशेखर आजाद कृषि विश्व विद्यालय, कानपुर के परिसर में) डींघ, वि०ख० मलासा, कानपुर देहात हाईटेक नर्सरी (वेजीटेबिल सीडलिंग ईकाई) में पौध उत्पादन का कार्य इसी सप्ताह शुरू किया जाना है।

जिला उद्यान अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि हाईटेक नर्सरी में साल भर मौसम के अनुसार विभिन्न सब्जियों की पौध स्थानीय कृषकों की मॉग के अनुसार तैयार करायी जायेगी। इच्छुक कृषक प्रत्येक सीजन के डेढ़ से दो माह पूर्व अपनी बुकिंग हाईटेक नर्सरी के प्रभारी रमेश चन्द्र कटियार, स०उ०नि० (6392626116) को बुकिंग कराना होगा। कृषकों द्वारा बीज उपलब्ध कराने पर पौध उत्पादन का खर्च 1 रू० प्रति पौध की दर से तथा बीज न उपलब्ध कराने की स्थिति में हाईटेक नर्सरी में उत्पादित पौध 02 रू० प्रति पौध की दर से बिकी की जायेगी। वर्तमान में गर्मी के मौसम में

उगाये जाने वाली सब्जियों जैसे-लौकी, तरोई, करेला, खीरा, कद्दू, खरबूज, तरबूज, मिर्च, टमाटर आदि की बुकिंग शुरू कर दी गयी है। इच्छुक कृषक जिला उद्यान अधिकारी के कार्यालय विकास भवन कमरा न0-315 में तथा हाईटेक नर्सरी के प्रभारी रमेश चन्द्र कटियार से अपनी बुकिंग अग्रिम बुकिंग कराना होगा। जिला उद्यान अधिकारी डॉ0 बल्देव प्रसाद द्वारा अवगत कराया गया कि नर्सरी की क्षमता 15 लाख पौध प्रतिवर्ष है। जिसमें मौसम व स्थानीय मॉग के अनुसार सब्जियों, मसालों एवं फूलों (शोभाकार पोधों) की स्थानीय मॉग के अनुसार गुणवत्तायुक्त, स्वस्थ एवं रोग रहित पौध उपलब्ध करायी जायेगी तथा आस-पास के जनपदों के कृषकों द्वारा भी अपने आर्डर बुक किये जा सकते हैं।

अभियुक्ता व उसके साथी को पति की हत्या प्रकरण में आजीवन कारावास

प्रत्येक पर 10-10 हजार का अर्थदण्ड भी लगाया

❖ अभियुक्ता द्वारा अन्य साथी के साथ मिलकर अपने पति की गला दबाकर हत्या कर देने के अपराध में दोषी पाया

पायनियर संवाददाता। श्रावस्ती

पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश लखनऊ के निर्देशन में संचालित ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के अंतर्गत गंभीर अपराधों में दोषियों को सजा दिलाने हेतु अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर जोन एवं पुलिस महानिरीक्षक देवीपाटन परिक्षेत्र द्वारा सतत निगरानी की जा रही है।इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक श्रावस्ती राहुल भाटी द्वारा जनपद में अपराधों से संबंधित मामलों की प्रभावी पैरवी हेतु विशेष सतर्कता बरती जा रही है। लंबित अभियोगों की निजी रूप से मॉनिटरिंग करने हेतु अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चंद्र उत्तम व संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। उक्त निर्देशों के अनुपालन में मॉनिटरिंग सेल, विशेष लोक अभियोजक, जिला शासकीय अधिवक्ता एवं कोर्ट पैरोकारों के समन्वित प्रयासों से जिला एवं सत्र न्यायालय जनपद श्रावस्ती द्वारा 04 दिसंबर को थाना कोतवाली भिनगा पर पंजीकृत मु0अ0सं0 324/2019 धारा 302/34 भादवि में नामित अभियुक्तगण बाबूराम यादव पुत्र वंशराज यादव, सुखपता पत्नी स्व0 आत्माराम यादव निवासीगण नौव्वनपुरवा अवधूतनगर दा0 परशुरामपुर थाना को0 भिनगा जनपद श्रावस्ती। अभियुक्ता द्वारा अन्य साथी के साथ मिलकर अपने पति की गला दबाकर हत्या कर देने के अपराध में दोषी पाते हुए प्रत्येक को आजीवन कारावास एवं 10-10 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना की बैठक सम्पन्न

पायनियर संवाददाता। श्रावस्ती

प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना की जिला स्तरीय समिति की बैठक जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई बैठक में उप कृषि निदेशक ने कृषि संबंधी आंकड़े, मृदा स्वास्थ्य तथा प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना की जनपद में आवश्यकता पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने बताया कि योजना की गाइडलाइन के अनुसार कृषि विभाग तथा अन्य संबद्ध विभागों द्वारा किए जाने वाले कार्य एवं आगामी छः वर्षों का लक्ष्य निर्धारित की जानी है।

जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित सभी विभागों के अधिकारियों से विभागवार योजनाओं पर गहन चर्चा की तथा स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक विभाग अपनी छह वर्षीय कार्ययोजना निर्धारित प्रारूप में तैयार कर एक दिवस के भीतर उप कृषि निदेशक को हार्ड और सॉफ्ट

कॉपी में उपलब्ध कराए। उन्होंने उप कृषि निदेशक को निर्देशित किया कि सभी विभागों से प्राप्त प्रस्तावों को संकलित कर योजना को अंतिम रूप दिया जाए और उसके बाद संपूर्ण प्रस्ताव कृषि निदेशालय को त्वरित रूप से भेजा जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना का प्रभाव तभी दिखेगा जब सभी विभाग समयबद्ध और समन्वित रूप से कार्य करेंगे। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से जनपद के किसानों को नवीन सुविधाओं का लाभ मिलेगा, कृषि की उत्पादकता बढ़ेगी और किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित होगी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी शाहिद अहमद, उप कृषि निदेशक सुरेन्द्र चन्द्र चौधरी, जिला विकास अधिकारी रामसमुझ, अग्रणी जिला प्रबन्धक जुगल किशोर, डी0सी0 एन0आर0एल0एम0 सहित अन्य सम्बन्धित विभागों के अधिकारीगण, कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

पायनियर
लखनऊ, शुक्रवार, 5 दिसंबर 2025

आज क्वार्टर फाइनल में भारत की असली परीक्षा बेल्जियम से

जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप

एजेंसी। चेन्नई

29 गोल दागे भारत ने पूल चरण में और एक भी गोल नहीं खाया, जो टूर्नामेंट में भाग ले रही सभी 24 टीमों में सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट है।

मैच का प्रसारण रात 8 बजे से

भारत ने अपेक्षाकृत आसान पूल में लगभग प्रत्येक विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन एफआईएच पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप में उसकी असली परीक्षा बेल्जियम के खिलाफ शुक्रवार को यहां होने वाले क्वार्टर फाइनल मैच में होगी।

चिली, ओमान और स्विट्जरलैंड के साथ पूल बी में शामिल भारत ने शानदार प्रदर्शन करके पहले स्थान पर रहते हुए नाकआउट दौर में प्रवेश किया। भारतीय टीम ने पूल चरण में 29 गोल किए और एक भी गोल नहीं खाया, जो टूर्नामेंट में भाग ले रही सभी 24 टीमों में सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट है। लेकिन पीआर श्रीजेश की कोचिंग वाली टीम यह बात अच्छी तरह जानती है कि इन परिणामों का आगे कोई महत्व नहीं होगा, क्योंकि टूर्नामेंट के अंतिम चरण में उनका सामना मजबूत टीमों से होगा।

यहां से कोई भी चूक भारत के नौ साल बाद घरेलू मैदान पर खिताब जीतने के सपने को चकनाचूर कर सकती है। भारत ने आखिरी बार 2016 में लखनऊ में खिताब जीता था।भारत पूल चरण में शानदार प्रदर्शन करके इस उपलब्धि को दोहराने की स्थिति में दिख रहा है। उसने अभी तक 18 मैदानी गोल किए हैं। इसके अलावा उसने नौ गोल पेनल्टी कॉर्नर से और दो पेनल्टी स्ट्रोक से किए हैं। लेकिन यहां से भारतीय टीम की राह आसान नहीं होगी और किसी भी तरह का अति आत्मविश्वास उसे खिताब की दौड़ से बाहर कर सकता है। चिली और ओमान के खिलाफ पहले दो मैचों में भारत ने दबदबा बनाए रखा और मनचाहे गोल दागे। उसने स्विट्जरलैंड को 5-0 से हराया, लेकिन स्विस टीम ने भारत की रक्षापंक्ति के सामने कड़ी चुनौती पेश की। इस मैच में गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह और बिक्रमजीत सिंह ने कुछ शानदार बचाव किए।पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करना अभी भी चिंता का विषय बना हुआ है। पिछले मैच में शिलानंद लाकड़ा ने दो बार पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला लेकिन भारत कप्तान रोहित और अनमोल एक्का से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगा।भारतीय स्ट्राइकरों ने पूल चरण में शानदार प्रदर्शन किया। दिलराज सिंह (06 गोल), मनमीत (05), अर्शदीप सिंह (04), अजीत यादव और गुरजोत सिंह (दोनों दो-दो गोल) सभी ने अपना प्रभाव छोड़ा है। रोसन कुजूर, एड्रोई एक्का, अंकित पाल और इंगलेम्बा लुवांग थोउनाओजम ने मध्यपंक्ति में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन उनकी असली परीक्षा अब होगी।श्रीजेश भी पूल चरण के प्रदर्शन को लेकर ज्यादा उत्साहित नहीं हैं।उन्होंने कहा,निश्चित रूप से कुछ क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है। अगले मैच से असली टूर्नामेंट शुरू होगा और हमारे लिए उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना बहुत महत्वपूर्ण है। बेल्जियम अपने पूल में दूसरे स्थान पर रहकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचा लेकिन भारत को उसे किसी भी तरह से हल्के से लेने की गलती नहीं करनी होगी। बेल्जियम ने अभी तक टूर्नामेंट में 22 गोल किए हैं और वह सर्वाधिक गोल करने वाली टीमों में तीसरे नंबर पर है। उसने 11 मैदानी गोल किए जबकि इतने ही पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला।श्रीजीश ने कहा, "जूनियर विश्व कप कोई आसान टूर्नामेंट नहीं है। मेरा मतलब है कि इनमें से कोई भी टीम आपको आसानी से जीत हासिल नहीं करने देगी। टूर्नामेंट की असली शुरुआत तो अब होगी और कोई भी गलती भारी पड़ सकती है।क्वार्टर फ़ाइनल के अन्य मैचों में स्पेन का सामना न्यूज़ीलैंड से, फ़्रांस का सामना जर्मनी से और नीदरलैंड का सामना अर्जेंटीना से होगा।

इंग्लैंड ने चिली,अफ्रीका ने मलेशिया को हराया

एजेंसी। चेन्नई

इंग्लैंड ने जूनियर पुरूष हॉकी विश्व कप के नौवें से 16वें स्थान के क्लासीफिकेशन मुकाबले में गुरूवार को चिली को 3 - 1 से हराया। मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम पर खेले गए मैच में इंग्लैंड के लिये काडेन ड्रेसे ने तेरहवें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर पहला गोल दागा। वहीं कप्तान मैक्स एंडरसन ने दूसरे क्वार्टर के चौथे मिनट में फील्ड गोल करके बढत दुगुनी कर दी । इसके चार मिनट बाद चिली के लिये जेवियर वर्गास ने बेहतरीन फील्ड गोल करके अंतर कम किया। चिली पूल चरण में भारत और स्विटजरलैंड के बाद पूल बी में तीसरे स्थान पर रही थी । इंग्लैंड ने हालांकि जवाबी हमलों में जॉनी हिबिट स्टर्च के गोल के दम पर फिर 3-1 से बढत बना ली। हाफटाइम तक यही स्कोर था और आखिरी दोनों क्वार्टर में दोनों टीमों ने कई प्रयास किये लेकिन गोल नहीं हो सका। दक्षिण अफ्रीका ने जेडन ब्रूकर के दो गोलों की मदद से मलेशिया को नौवे से 16वें स्थान के क्लासीफिकेशन मैच में 3-1 से हराया। मैच में चारों गोल पेनल्टी कॉर्नर पर हुए । ब्रूकर ने 18वें और 39वें मिनट में गोल दागे जबकि तीसरा गोल रोस मोंटगोमेरी ने 58वें मिनट में किया। मलेशिया के लिये एकमात्र गोल मैट अकील ने 48वें मिनट में किया।

संक्षिप्त समाचार

भुल्लर ने तीसरा आईजीपीएल खिताब जीता

अहमदाबाद। गगनजीत भुल्लर ने अंतिम दौर में पांच अंडर 67 के स्कोर से बृहस्पतिवार को यहां खिताब जीता और इसके साथ ही आईजीपीएल टूर पर तीन खिताब जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। पहले दौर में एक अंडर 71 के स्कोर से शुरुआत करते हुए भुल्लर ने अंतिम दो दौर में 67 के समान स्कोर से कुल 11 अंडर के स्कोर से खिताब अपने नाम किया।इक्कीस साल के प्रतिभावान राघव चुघ अंतिम दौर में चार अंडर 68 के स्कोर से कुल 10 अंडर के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे। फिलिपीन्स के जस्टिन किबान, मैक्सिको के सेंटयागो डि ला फुएंटेस और भारतीय-अमेरिकी मानव शाह आठ अंडर के कुल स्कोर से संयुक्त तीसरे स्थान पर रहे।

अर्जुन ने जेरूशलम मास्टर्स का खिताब जीता

जेरूशलम। ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने यहां फाइनल में हमवतन और पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद को हराकर जेरूशलम मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट का खिताब जीता। इन दोनों खिलाड़ियों ने शुरुआती रैपिड गेम ड्रॉ किए।

इसके बाद एरिगैसी ने पहले ब्लिट्ज टाईब्रेक मैच में सफेद मोहरों से जीत हासिल कर निर्णायक बढ़त हासिल कर ली। 22 वर्षीय एरिगैसी दूसरे ब्लिट्ज मुकाबले में भी जीत हासिल करने के करीब पहुंच गए थे लेकिन आखिर में उन्हें ड्रॉ से संतोष करना पड़ा, लेकिन यह उनके लिए 2.5-1.5 से मुकाबला और खिताब जीतने के लिए पर्याप्त था।एरिगैसी ने बाद में कहा, यह जीत आसान नहीं थी। मेरे सामने कई चुनौतियां थी और मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी नहीं कर पाया। इसके बावजूद खिताब हासिल करके मैं बहुत खुश हूं।इस जीत के साथ एरिगैसी को 55,000 अमेरिकी डॉलर, जबकि आनंद को 35,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिली।एरिगैसी ने सेमीफाइनल में रूस के ग्रैंडमास्टर पीटर स्विडलर को जबकि आनंद ने विश्व ब्लिट्ज चैंपियन इयान नेपोमनियाची को हराया था।

नारायण 600 टी20 विकेट लेने वाले पहले क्रिकेटर

अबु धाबी। गेंदबाजी में विविधता के लिए पहचाने जाने वाले रहस्यमयी स्पिनर सुनील नारायण ने अपना नाम इतिहास में दर्ज करा लिया जब वह प्रतिस्पर्धी टी20 क्रिकेट में 600 विकेट चटकाने वाले पहले गेंदबाज बने।वेस्टइंडीज के नारायण ने बुधवार को यहां शारजाह वारियर्स के खिलाफ अबु धाबी नाइट राइडर्स की ओर से खेलते हुए यह उपलब्धि हासिल की। त्रिनिदाद के इस 37 वर्षीय क्रिकेटर ने टॉम एबेल को आउट करके यह उपलब्धि हासिल की। उनकी यह उपलब्धि टी20 प्रारूप में महानतम गेंदबाजों में से एक के रूप में नारायण के दर्जे को और मजबूत करती है।मैच के बाद अबु धाबी नाइट राइडर्स ने नारायण के विशेष जर्सी दी जिसमें 600 अंक लिखा था जो उनकी अभूतपूर्व उपलब्धि को दर्शाता है।

पारामाउंट ने 288 रन से दर्ज की बड़ी जीत

सी डिवीजन क्रिकेट लीग

लखनऊ। मैन ऑफद मैच विदित जोशी नाबाद 169 रन और अदील बाकर 151 रन की शतकीय पारियों की बदौलत पारामाउंट क्रिकेट क्लब ने 21वीं बाबू बनारसी दस सी डिवीजन क्रिकेट लीग मैच में गुरुवार को बीबीडी कालेज को डॉ अखिलेश दास गुप्ता स्टेडियम पर 288 रन के भारी अंतर से हरा कर गौरतलब है कि उक्त लीग में दोनों बल्लेबाजों ने लगातार दमदार प्रदर्शन किया है। पारामाउंट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सीमित 40 ओवर में दो विकेट खोकर 336 रन का विशाल स्कोर बनाया। सलामी जोड़ी विदित जोशी ने 17 चौके और 2 छक्के लगाकर नाबाद 169 रन और अदील बाकर 13 चौके व 5 छक्के की बदौलत 151 रन की शतकीय पारियां खेली। बीबडी कालेज की ओर से विशाल और आलोक को एक-एक विकेट मिला। जवाबी बल्लेबाजी में बीबडी कालेज की टीम 15.5 ओवर में अतिरिक्त 20 रन सहित कुल 48 रन के स्कोर पर सिमट गयी। इनकी ओर से इनकी ओर से छह बल्लेबाज बिना खाता खोले पवेलियन लौट गये। निश्चल सिंह 14 रन ही दहाई का आकड़ा पार कर सके। पारामाउंट की ओर से अनय धसमाना को चार विकेट और अक्षत बाजपेयी को तीन विकेट की सफलता मिली। लीग में खेले गये अन्य मैचों में संदीप क्रिकेट अकादमी ने एलीना क्लब को छह विकेट से हराया। सलमान अली 70 रन का अर्धशतक और दो विकेट चटकाकर मैन ऑफद मैच रहे। लखनऊ रिक्रेशन क्लब ने अभीजीत सिन्हा क्लब को 208 रन से हरा दिया। विजेता टीम की ओर से हसन यावर 19 रन पर वार विकेट झटक कर मैन ऑफद मैच रहे। मल्टी फैसीलिटी ने विजन क्लब को 78 रन से हराया। विजय यादव 54 रन का अर्धशतक और तीन विकेट लेकर मैन ऑफद मैच रहे। आलमनगर क्लब ने लखनऊ क्रिकेट फाउंडेशन को सात विकेट से हराया। मोहम्मद नबी 13 रन पर पांच विकेट लेकर मैन ऑफद मैच रहे। हीं अन्य मैचों में डायमण्ड अकादमी, नार्थ ईर्स्टन रेलवे, जेके स्पोर्ट्स, मेगा ट्रेंड्स, आरके सीनियर सेकेंड्री क्लब ने भी उम्दा जीत हासिल की।

लक्ष्मणपुरी क्रीड़ोत्सवः बैडमिंटन, वॉलीबॉल और कबड्डी में स्कूलों का दमदार प्रदर्शन

लखनऊ। प्रगतिशील भारत फाउंडेशन द्वारा आयोजित लक्ष्मणपुरी क्रीड़ोत्सव (लखनऊ स्कूल गेम्स) के तीसरे दिन बैडमिंटन, वॉलीबॉल, खो-खो और कबड्डी की स्पधाओं में छात्रों ने दमदार प्रदर्शन किया। बैडमिंटन टीम इवेंट में अंडर-14 गर्ल्स में मॉडर्न एकेडमी, अंडर-17 गर्ल्स में गवर्नमेंट गर्ल्स इंटर कॉलेज नरही और अंडर-17 बॉयज में सेंट क्लेयर्स कॉन्वेंट स्कूल विजेता रहा। व्यक्तिगत स्पधाओं में द मिलेनियम स्कूल, सरस्वती विद्या मंदिर, कर्नल एसएन मिश्रा ओबीई स्कूल और लखनऊ पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों ने स्वर्ण व रजत पदक जीते।वॉलीबॉल में विभिन्न आयु वर्गों में लखनऊ पब्लिक स्कूल, गांधी कॉलेज और सेंट जोसेफ स्कूल की टीमें विजेता बनीं। कबड्डी और खो-खो में भी रोमांच चरम पर रहा। अंडर-17 व अंडर-19 गर्ल्स कबड्डी में लखनऊ पब्लिक कॉलेज, राजाजीपुरम ने बाजी मारी, जबकि खो-खो व मिश्रित स्पधाओं में सेंट जोसेफ स्कूल, सीतापुर रोड और राजाजीपुरम ने शानदार जीत दर्ज की।

केरल ने रोका गत चैंपियन मुंबई का विजयरथ

- आसिफ के पांच विकेट से केरल ने मुंबई को 15 रन हराकर उलटफेर किया
- ग्रुप के अन्य मैच में असम ने विदर्भ को 58 रन से जबकि आंध्र ने छत्तीसगढ़ को 8 विकेट व ओड़िशा ने रेलवे को एक रन से हराया।

पायनियर संवाददाता। लखनऊ

केरल से हारने के बाद मायूस दिखे मुंबई के सूर्यकुमार यादव व सरफराज खान।

तेज गेंदबाज केएम आसिफ के पांच विकेट की बदौलत केरल ने बृहस्पतिवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी ग्रुप ए मुकाबले में गत चैंपियन मुंबई को 15 रन से हराकर उलटफेर किया। मुंबई को इस टी20 टूर्नामेंट में अपने पांच मैचों में पहली हार मिली लेकिन फिर भी टीम 16 अंक के साथ ग्रुप में शीर्ष पर है। वहीं केरल अपनी तीसरी जीत के साथ 12 अंक से पांच टीमों के इस पूल में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है जबकि आंध्र भी 12 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। केरल नेट रन रेट में आंध्र से थोड़ा पीछे है।

अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम के बी ग्राउंड पर खेले मुकाबले में स्टार खिलाड़ियों से सजी मुंबई टीम 179 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 19.4 ओवर में 163 रन पर ऑल आउट हो गई। भारतीय तेज गेंदबाज शारदुल ठाकुर की अगुआई वाली मुंबई की टीम में भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव और शिवम दुबे जैसे खिलाड़ी शामिल थे। केरल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 178 रन बनाए।केरल को संजू सैमसन ने शानदार शुरूआत कराई। उन्होंने 28 गेंद में 46 रन बनाए जिसमें आठ चौके और एक छक्का शामिल था।हालांकि रोहन कुनुम्मल (02) और सैमसन के आउट होने से केरल का सातवें ओवर में स्कोर दो विकेट पर 58 रन हो गया।सैमसन ने ज्यादातर स्ट्राइक अपने पास रखी और मुंबई के स्टार गेंदबाजों का जिम्मेदारी से सामना किया। उनके आउट होने के बाद स्कोरिंग गति धीमी पड़ गई। विष्णु विनोद ने 40 गेंद में 43 रन बनाए। विनोद ने मोहम्मद अजहरुद्दीन (32) के साथ 63 रन की साझेदारी। तेज गेंदबाज़ शराफुद्दीन की 15 गेंद में 35 रन की पारी ने केरल को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

सरफराज खान ने जड़ा शानदार अर्धशतक : मुंबई ने आयुष म्हात्रे (03) के जल्दी आउट होने के बाद अजिक्य रहाणे (32) और सरफराज खान (52) के बीच दूसरे विकेट के लिए 80 रन की साझेदारी से टीम को मजबूत स्थिति में ला दिया।12वें ओवर में मुंबई का स्कोर तीन विकेट पर 99 रन था और वे आराम से लक्ष्य की ओर बढ़ रहे थे।लेकिन 18वें ओवर में आसिफ (25 रन देकर पांच विकेट) ने मैच का रुख बदल दिया। उन्होंने एक ही ओवर में सैराज पाटिल (13), सूर्यकुमार (32) और शारदुल (शून्य) के विकेट झटके जिससे स्कोर सात विकेट पर 149 रन हो गया। आसिफ ने आखिरी ओवर में शम्स मुलानी और हार्दिक तामोरे को आउट कर मुंबई की पारी समाप्त कर दी। बत्तीस वर्षीय आसिफ को इस सत्र में लखनऊ की इस पिच से काफी सफलता मिली है, उन्होंने अभी तक मुश्ताक ट्रॉफी के चार मैच में 13 विकेट लिए हैं।

असम ने विदर्भ को 58 रन से दी मात

इकाना के मेन ग्राउंड पर खेले गये मुकाबले में असम ने मध्यक्रम के बल्लेबाज अब्दुल अजीज कुरैशी और निहार डेका की अर्धशतकीय पारियों तथा गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत विदर्भ को 58 रन से मात दी। 29/3 की स्थिति में फंसी असम की टीम को कुरैशी व डेका ने 68 गेंदों में 115 रन की साझेदारी से संभाला और टीम को 175/7 तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी विदर्भ की खराब शुरूआत रही और टीम दूसरे ओवर में ही 9/3 पर सिमट गई। ध्रुव शोरी और यश राठौड़ ने 40 रन जोड़कर पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन साझेदारी टूटते ही विकेटों का सिलसिला जारी रहा। हर्ष दुबे ने 23 रन की पारी खेली, लेकिन टीम 18वें ओवर में 117 पर ढेर हो गई। असम की ओर से मैन ऑफ द मैच मुख्तार हुसैन ने 3/36, आकाश सेनगुप्ता ने 3/12 और अविनव चौधरी ने 2/20 लेकर विदर्भ की बल्लेबाजी क्रम को तोड़ दिया।

रशीद-हेब्बर के प्रदर्शन से आंध्रा की आसान जीत

मैन ऑफ द मैच शेख रशीद (नाबाद 59) और अश्विन हेब्बर (50) की ताबड़तोड़ अर्धशतकीय पारियों की बदौलत आंध्रा ने छत्तीसगढ़ को 7 गेंद शेष रहते 8 विकेट से करारी मात दी। इकाना स्टेडियम के बी ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में छत्तीसगढ़ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 2 विकेट पर 158 रन बनाए। टीम की शुरूआत खराब रही और सलामी बल्लेबाज अमित कुमार (12) व सानिध्य हुर्कत (7) जल्द ही पवेलियन लौट गए। इसके बाद अमनदीप खरे (44) और शशांक सिंह (46) ने पारी को संभालते हुए सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।आंध्रा की ओर से केवी शशिकांत, पृथ्वी राज और बालीपूड़ी यशवंत ने दो-दो विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए आंध्रा की शुरूआत मजबूत रही। अश्विन हेब्बर ने 40 गेंदों में चार चौकों और एक छक्के की मदद से 50 रन ठोके, जबकि श्रीकर भरत 17 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद शेख रशीद ने 44 गेंद में 4 चौके और 2 छक्कों के साथ नाबाद 59 रन की विजयी पारी खेली। रिकी भुई 14 रन पर नाबाद रहे और टीम ने 159 रन बनाते हुए आराम से जीत हासिल कर ली।

शमी के चार विकेट से सेना को हराकर बंगाल शीर्ष पर

हैदराबाद। भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के 13 रन पर चार विकेट से बंगाल ने बृहस्पतिवार को यहां सैयद मुशताक अली ट्रॉफी के ग्रुप सी मैच में सेना को सात विकेट से हरा दिया। यह बंगाल की पांच मैच में चौथी जीत है और अभिमन्यु ईश्वरन की अगुआई वाली टीम 16 अंक के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर है। टीम ने इसके साथ ही नॉकआउट में जगह बनाने का अपना दावा मजबूत कर दिया है।आईपीएल नीलामी में उतर रहे ईश्वरन ने 37 गेंद में 58 रन की पारी खेलने के अलावा अभिषेक पोरेल (29 गेंद में 56 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 93 रन जोड़े जिससे बंगाल ने 166 रन के लक्ष्य को 15.1 ओवर में ही हासिल कर लिया।

इससे पहले मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए शमी ने 13 रन देकर चार जबकि आकाशदीप ने 27 रन देकर तीन विकेट चटकाए जिससे सेना की टीम 18.2 ओवर में 165 रन पर सिमट गई। ऋतिक चटर्जी ने भी 32 रन देकर दो विकेट चटकाए।चोट के बाद वापसी करते हुए पंजाब के खिलाफ तेजतर्रार पारी खेलने वाले हार्दिक पंड्या ने इस बार गेंद से प्रभावित करते हुए चार ओवर में 16 रन देकर एक विकेट हासिल किया जबकि उनकी टीम बड़ौदा ने गुजरात को कम स्कोर वाले मैच में आठ विकेट से हराया।गुजरात की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 14.1 ओवर में सिर्फ 73 रन पर ढेर हो गई। गुजरात के सिर्फ दो खिलाड़ी दोहरे अंक में पहुंच पाए।

समीर व माधव के अर्धशतक से जीता उत्तर प्रदेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी ने चंडीगढ़ को 40 रन से हराया, भुवनेश्वर कुमार ने 3 विकेट झटके

मैन ऑफ द मैच समीर रिजवी (42 गेंदों पर 70 रन), माधव कौशिक (41 गेंदों पर 67 रन) और अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार (3 विकेट) के शानदार प्रदर्शन के दम पर उत्तर प्रदेश ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के एलीट ग्रुप बी में चंडीगढ़ को 40 रनों से करारी शिकस्त दी। चंडीगढ़ के लिए संदीप शर्मा ने चार विकेट लिए, जबकि मनन वोहरा ने 35 गेंदों पर 61 रनों की बेहतरीन पारी खेली, लेकिन वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी उत्तर प्रदेश की शुरूआत खराब रही, जब आर्यन जुयाल पहले ही ओवर में आउट हो गए। इसके बाद, माधव कौशिक और सिद्धार्थ यादव (12 गेंदों पर 28 रन) ने आक्रामक रुख अपनाते हुए महज 28 गेंदों पर 54 रनों की तेज साझेदारी की। संदीप शर्मा ने सिद्धार्थ यादव को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा।

समीर रिजवी व माधव कौशिक

इसके माधव कौशिक और समीर रिजवी ने पारी को संभाला और अगले 9 ओवर में 86 रनों की साझेदारी की। रिजवी ने महज 42 गेंदों पर 70 रन बनाए, जबकि कौशिक ने 41 गेंदों पर 67 रनों की पारी खेली। रिजवी की पारी 18वें ओवर में समाप्त हुई, जिसके बाद रिंकू सिंह ने आकर महज 10 गेंदों पर 2 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 24 रन बनाकर टीम के स्कोर को 20 ओवरों में 7 विकेट पर 212 रन तक पहुंचाया। चंडीगढ़ के लिए संदीप शर्मा 4 विकेट लिए। जवाब में चंडीगढ़ की शुरूआत भी अच्छी नहीं रही और तीसरे ओवर तक उनके दो शीर्ष क्रम के बल्लेबाज आउट हो चुके थे। हालांकि, सलामी बल्लेबाज मनन वोहरा ने एक छोर संभाले रखा। उन्होंने निखिल ठाकुर (32 रन) के साथ मिलकर टीम का स्कोर 11वें ओवर में 100 रन तक पहुंचा दिया। लेकिन, कार्तिक त्यागी ने उसी ओवर में वोहरा (61 रन) को आउट कर मैच का रुख बदल दिया। वोहरा के आउट होते ही चंडीगढ़ की पारी लड़खड़ा गई और 100/3 से स्कोर तेजी से 15वें ओवर में 128/6 हो गया, जिससे वे लक्ष्य से बहुत पीछे रह गए। निचले क्रम में अमृत लुबाना ने 23 गेंदों पर 30 रन बनाकर कुछ संघर्ष किया, लेकिन टीम 20 ओवरों में 8 विकेट पर 172 रन ही बना सकी और 40 रनों से मुकाबला गंवा दिया। यूपी के लिए अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने 23 रन देकर 3 विकेट लिए, जबकि विप्रज निगम ने 2 विकेट झटके।

स्टार्क के छह विकेट के बावजूद इंग्लैंड संभला

एजेंसी। ब्रिसबेन

रूट ने ऑस्ट्रेलिया में जड़ा अपना पहला शतक

जो रूट (नाबाद 135 रन) ने बृहस्पतिवार को यहां एशेज श्रृंखला के दूसरे टेस्ट के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया में अपना पहला शतक जड़ा जिससे इंग्लैंड ने स्टंप तक पहली पारी में नौ विकेट पर 325 रन बना लिए। हालांकि ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल स्टार्क ने 71 रन देकर छह विकेट झटके लेकिन इंग्लैंड शुरूआती झटकों से उबरकर अच्छी स्थिति में पहुंच गया।

ऑस्ट्रेलिया में रूट ने अभी तक शतक नहीं लगाया था और इससे पहले ऑस्ट्रेलिया में पिछले 15 एशेज टेस्ट में उनका सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर 89 था। लेकिन उन्होंने लंबा इंतजार खत्म करते हुए 181 गेंद में 11 चौके से 100 रन पूरे किए। वह अभी तक 202 गेंद का सामना करके 15 चौके और एक छक्का जड़ चुके हैं।

स्टार्क ने बेन डकेट और ओली पोप को खाता भी नहीं खोलने दिया जिससे तीसरे ओवर में इंग्लैंड का स्कोर दो विकेट पर पांच रन हो गया था। तभी रूट क्रीज पर आए। उन्होंने पर्थ में श्रृंखला के पहले मैच में मिली आठ विकेट की हार के बाद इंग्लैंड की पारी को संभालते हुए आत्मविश्वास दिलाने की कोशिश की। वह 11वें नंबर के खिलाड़ी जोफ्रा आर्चर के साथ क्रीज पर मौजूद हैं। आर्चर ने अपने करियर का सबसे अच्छा नाबाद 32 रन का स्कोर बनाया। इससे रूट और आर्चर ने अंतिम विकेट के लिए 61 रन की अटूट साझेदारी निभा ली है।

स्टार्क ने बीच के सत्र में हैरी ब्रूक (31 रन) को आउट कर अपने करियर का 415वां विकेट हासिल किया। इस तरह उन्होंने पाकिस्तान के महान गेंदबाज वसीम अकरम (104 टेस्ट में 414 विकेट) को पीछे छोड़ दिया जो टेस्ट क्रिकेट में सबसे सफल बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं। ब्रूक ऑफ स्टंप के बाहर स्लिप में कैच आउट हुए जिससे रूट के साथ चौथे विकेट के लिए 54 रन की भागीदारी खत्म हो गई। अपना 160वां टेस्ट खेल रहे रूट ने फिर जैक क्रॉली (76) के साथ 117 रन की भागीदारी करके इंग्लैंड को तीन विकेट पर 122 रन के स्कोर तक पहुंचाया। इंग्लैंड ने पहले दो सत्र (दोपहर और शाम) में 98-98 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया ने हर एक सत्र में दो दो विकेट लिए।रूट और बेन स्टोक्स (19 रन) आराम से खेल रहे थे। लेकिन जोश इंग्लिस ने बेन स्टोक्स को शानदार तरीके से रन आउट कर दिया जिससे चीजें फिर से बदल गईं। अब स्कोर पांच विकेट पर 210 रन हो गया। तीन गेंद बाद स्कॉट बोलैंड ने जेमी स्मिथ को बोल्ड कर दिया जो खाता भी नहीं खोल सके। अब स्कोर छह विकेट पर 211 रन था। रूट इस समय 79 रन पर थे और विल जैक्स उनके साथ क्रीज पर थे। फिर दोनों ने 40 रन जोड़े। जैक्स ने स्टार्क की गेंद पर बिना वजह बड़ा शॉट खेला और पवेलियन लौट गए। फिर स्टार्क ने गस एटकिंसन (04) और ब्रायडन कार्स (00) को जल्दी जल्दी आउट किया जिससे स्कोर नौ विकेट पर 264 रन हो गया। फिर रूट और आर्चर ने मिलकर ऑस्ट्रेलिया की पहले दिन बल्लेबाजी की उम्मीद तोड़ दी।

ओपनिंग करूं या चौथे नंबर पर बल्लेबाजी,फर्क नहीं पड़ता

रायपुर। सीमित ओवरों के क्रिकेट में विशेषज्ञ सलामी बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए अपने पहले मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए लेकिन दूसरे मैच में उन्होंने शतक लगाया और उसके बाद कहा कि उन्हें अपनी नयी भूमिका से सामंजस्य बिठाने में ज्यादा परेशानी नहीं हुई।भारत के लिए वनडे में श्रेयस अय्यर ने चौथे नंबर पर अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन मुंबई के इस बल्लेबाज के चोटिल होने के कारण टीम प्रबंधन ने गायकवाड़ को यह जिम्मेदारी सौंपी और उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे में शतक जड़कर यह भूमिका अच्छी तरह से निभाई। गायकवाड़ ने मैच के बाद मीडिया से कहा, मेरे लिए यह सम्मान की बात है की टीम प्रबंधन ने एक ऐसे सलामी बल्लेबाज पर भरोसा दिखाया जो चौथे नंबर पर भी बल्लेबाजी कर सकता है। मैंने अपनी इस भूमिका को इसी तरह से लिया। उन्होंने कहा, यह केवल शुरुआती 10 से 15 गेंद खेलने का मामला होता है और उसके बाद प्रक्रिया समान रहती है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 83 गेंदों पर 105 रन की पारी खेली और विराट कोहली (102) के साथ तीसरे विकेट के लिए 195 रन की साझेदारी की, जिससे भारत ने पांच विकेट पर 358 रन बनाए। गायकवाड़ ने कहा,एकदिवसीय प्रारूप में जब मैं पारी की शुरुआत करता था तब भी मैं हमेशा यह सुनिश्चित करने की कोशिश करता था कि मैं 45वें ओवर तक बल्लेबाजी कर सकूं।

कश्मीर की ये जगहें बनाती हैं इसे जन्नत

कश्मीर को धरती का स्वर्ग यूं ही नहीं कहा जाता। यहां की वादियां, झीलें, बर्फ से ढके पहाड़ और शांत वातावरण हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। पहलगाम, गुलमर्ग, डल झील जैसे नाम तो अक्सर सुनने को मिलते हैं, लेकिन कश्मीर की खूबसूरती सिर्फ इन्हीं तक सीमित नहीं है। पहलगाम के अलावा भी कश्मीर में कई ऐसी अनछुई और कम चर्चित जगहें हैं, जो किसी जन्नत से कम नहीं लगतीं। ये स्थान न केवल सुकून देने वाले हैं बल्कि प्रकृति से गहराई से जुड़ने का एक्सपीरियंस कराते हैं। तो आइए जानते हैं कश्मीर की ऐसी ही कुछ शानदार जगहों के बारे में, जिन्हें आप अपने अगली जर्नी में शामिल कर सकते हैं।

गुलमर्ग

गुलमर्ग यानी 'फूलों की घाटी', जो गर्मियों में रंग-बिरंगे फूलों से भर जाती है और सर्दियों में सफेद चादर ओढ़ लेती है। यह भारत का प्रमुख स्कीइंग डेस्टिनेशन है, जहां गुलमर्ग गोंडोला (एशिया की सबसे ऊंची केबल कार) का रोमांच पर्यटकों को लुभाता है।

सोनमर्ग

सोनमर्ग का अर्थ होता है 'सोने की भूमि'। यह जगह बर्फ से ढकी चोटियों और हरे मैदानों के कारण बेहद आकर्षक लगती है। थाजवास ग्लेशियर और झीलों की ट्रैकिंग यहां का प्रमुख आकर्षण है।

युसमर्ग

श्रीनगर से लगभग 50 किमी दूर युसमर्ग एक शांत, सुंदर और प्राकृतिक जगह है। देवदार के जंगल, पहाड़ियों पर चरती भेड़ें और हरे मैदान इसे एक जादुई कहानी जैसी जगह बनाते हैं। यहां का नीलनाग झील ट्रैकिंग के लिए काफी पॉपुलर है।

दूधपथरी

दूधपथरी का नाम ही इसकी खूबसूरती बयां करता है। यहां की धाराओं का पानी इतना साफ और सफेद लगता है जैसे दूध बह रहा हो। हरियाली से भरे मैदान, ऊंचे पहाड़ और शांत माहौल इसे एक परफेक्ट पिकनिक स्पॉट बनाते हैं।

बांगस घाटी

कुपवाड़ा जिले में स्थित बांगस घाटी, अब धीरे-धीरे लोगों के बीच काफी पॉपुलर हो रही है। ये जगह फूलों से ढके मैदान, बहती नदियां और शांत वातावरण के लिए जानी जाती है।

कसोल की वादियों में करें नए साल का आगाज

नया साल अगर शोर-शराबे से दूर, पहाड़ों की शांति और ताजी हवा के बीच बिताना हो, तो इसके लिए हिमाचल प्रदेश का कसोल एकदम परफेक्ट जगह है। यहाँ की खूबसूरत वादियाँ, बहती नदियां और छोटे-छोटे गाँव आपको कुछ ही पलों में जग भर का सुकून देंगे। सबसे खास बात ये है कि आप ये ट्रिप आराम से कम बजट में कर सकते हैं, बस इसके लिए सही प्लानिंग जरूरी है। आप 3 दिन के ट्रिप प्लान में कसोल की खूबसूरती भी देख सकेंगे, आपको ट्रेकिंग का मजा भी मिलेगा और शांत माहौल में रिलैक्स करने का भी समय मिलेगा। तो बिना किसी झंझट के बस इसी प्लान को फॉलो कीजिए और अपनी कसोल ट्रिप को यादगार बना लीजिए। चलिए जानते हैं कसोल के 3 दिन के ट्रिप का पूरा प्लान।

पहला दिन कसोल की सैर और शांत माहौल का अनुभवः पहले दिन सुबह आप कसोल पहुँचकर हल्का सा फ्रेश हो जाएँ। इसके बाद सीधे चल पड़ें चलल गाँव की ओर। रास्ते में नेचर का खूबसूरत नजारा, नदी की आवाज और शांत माहौल, आपको शहर से दूर एक सुकून वाला पल देगी। दोपहर में वापस कसोल लौटें और किसी लोकल कैफे में गर्मा-गरम खाना एंजॉय करें और फिर थोड़ा आराम कर लें।

दूसरे दिन लें खूबसूरत खीरगंगा ट्रेक का मजाः कसोल ट्रिप के दूसरे दिन को एंजॉय आप खीर गंगा ट्रैक के साथ का सकते हैं। इसके लिए सुबह जल्दी उठकर ट्रेक के लिए निकल जाएँ। यह ट्रेक लगभग चार से पाँच घंटे का समय लेता है, इसलिए हल्का बैग लेकर चलें और साथ में पर्याप्त पानी रखें। चढ़ाई के दौरान रास्ते की हरियाली, छोटे झरने और पहाड़ों के नजारे आपके मन को मोह लेंगे। दोपहर तक आप खीर गंगा पहुँच जाएँगे, जहाँ का माहौल बिल्कुल अलग ही सुकून देता है।

तीसरे दिन करें तोश गांव की सैरः तीसरे दिन सुबह खीरगंगा से नीचे उतरें और तोश गाँव की ओर निकलें। तोश एक छोटा-सा, बेहद खूबसूरत पहाड़ी गाँव है जहाँ पहुँचते ही आपको एकदम अलग शांति महसूस होगी। यहाँ दोपहर का खाना गाँव के किसी साधारण से कैफे में खाएँ और थोड़ा समय गाँव की गलियों व आस-पास के नजारों को देखने में बिताएँ। दोपहर का टाइम यहां बिताने के बाद, शाम में वापस कसोल लौट आएँ।

दुनिया का सबसे ऊंचा कृष्ण मंदिर

हिमाचल प्रदेश के रोर वैली में स्थित युल्ला कंदा झील के पास बसा विश्व का सबसे ऊँचा कृष्ण मंदिर, 13,000 फीट की ऊँचाई पर स्थित है। यह मंदिर हाल ही में बर्फबारी के कारण चर्चा में आया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में मंदिर बर्फ की चादर में लिपटा हुआ दिख रहा है, जहाँ की पत्थर की दीवारें और प्रार्थना ध्वज भी बर्फ में गायब होते नजर आ रहे हैं।

बेहद खास है मंदिर का ट्रैकः मंदिर तक पहुँचने के लिए एक ट्रैक है, जो लगभग 12 किलोमीटर लंबा है। यह ट्रैक जंगली फूलों से भरे रास्तों, हरे-भरे घास के मैदानों और शांत जलप्रपातों के बीच से गुजरता है। इस ट्रैक पर चलते हुए, भक्तों को किन्नौर पर्वतों के अद्भुत दृश्य देखने को मिलते हैं। कहा जाता है कि युल्ला कंदा झील का निर्माण पांडवों ने अपने वनवास के दौरान किया था। यहाँ स्नान करने से मन और शरीर की सभी नकारात्मकता दूर होने का विश्वास है। हालांकि सर्दियों में मंदिर की यात्रा करना विशेषज्ञों के लिए भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन सामान्य पर्यटकों के लिए यहाँ आने का सबसे अच्छा समय मई से अक्टूबर के बीच होता है। हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी का अनुभव करना एक अनूठा अनुभव है, और यह मंदिर न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि इसकी प्राकृतिक सुंदरता भी लोगों को आकर्षित करती है। यदि आप इस सर्दी में एक अद्भुत अनुभव की तलाश में हैं, तो युल्ला कंदा झील का यह कृष्ण मंदिर आपकी सूची में होना चाहिए।

जंगलों के बीच छिपा 'भारत का नियाग्रा फॉल्स' नजारा देखकर दंग रह जाएंगे

भारत के छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में स्थित चित्रकोट जलप्रपात को भारत का नियाग्रा फॉल्स कहा जाता है। 90 फीट ऊंचा और लगभग 1000 फीट चौड़ा यह जलप्रपात इंद्रावती नदी पर बना है और इसकी चौड़ाई बरसात के दिनों में इतनी बढ़ जाती है कि देखने वाले दंग रह जाते हैं। सफेद झरने का गर्जन, चारों ओर की हरियाली और हवा में घुली पानी की बूंदें इसे एक दिव्य अनुभव बनाती हैं। बरसात और सर्दियों के मौसम में चित्रकोट का नजारा सबसे सुंदर होता है। उस समय पानी की धार इतनी विशाल हो जाती है कि यह बिल्कुल अमेरिका के नियाग्रा फॉल्स जैसा प्रतीत होता है। स्थानीय नाविकों द्वारा कराई जाने वाली बोटिंग इस अनुभव को और भी रोमांचक बना देती है क्योंकि आप झरने के बेहद करीब जाकर उसकी शक्ति और सौंदर्य का अहसास कर सकते हैं।

चित्रकोट जलप्रपात प्रकृति प्रेमियों, फोटोग्राफर्स और ट्रैवलर्स के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं है। सूर्योदय और सूर्यास्त के समय पानी पर पड़ती सुनहरी रोशनी इसे और भी मनमोहक बना देती है। आसपास के घने जंगल, पक्षियों की आवाजें और बस्तर की सांस्कृतिक झलक इस यात्रा को यादगार बना देते हैं।

अगर आप शांत वातावरण में कुछ समय बिताना चाहते हैं, भीड़भाड़ से दूर प्राकृतिक सुंदरता के बीच खो जाना चाहते हैं तो चित्रकोट जलप्रपात आपके लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन है। यहां के आसपास कई व्यू पॉइंट्स और इको-रिसॉर्ट्स हैं जो आपकी यात्रा को और खास बना देंगे। इसके साथ ही स्थानीय व्यंजनों का स्वाद चखना बिल्कुल ना भूलें। यहां आने वाला हर यात्री ना सिर्फ इसकी सुंदरता से मोहित होता है, बल्कि प्रकृति की भव्यता और शक्ति को करीब से महसूस करता है। इस खूबसूरत जगह को देखने के बाद आपका नियाग्रा फॉल्स का सपना शायद कुछ वक्त के लिए टल जाए क्योंकि यह अनुभव खुद में बिल्कुल अनोखा और अविस्मरणीय है।

नहीं हो पा रही है शादी तो इन मंदिरों के करें दर्शन

भारतीय संस्कृति में शादी सिर्फ दो लोगों का ही नहीं बल्कि दो परिवारों का भी मिलन माना जाता है। यही वजह है कि शादी से पहले लड़का-लड़की की कुंडली से लेकर विचारों तक पर गहरी चर्चा की जाती है। लेकिन अगर किसी वजह से आप अपनी शादी के लिए संघर्ष ही कर रहे हैं और काफी कोशिशों के बाद भी आपको सफलता नहीं मिल रही है तो भारत के इन 4 खूबसूरत और पौराणिक मंदिरों के दर्शन जरूर करके आएं।

नित्यकल्याण पेरुमल मंदिर, तमिलनाडु

नित्यकल्याण पेरुमल मंदिर, तमिलनाडु में स्थित भगवान विष्णु (जिन्हें वराह अवतार में नित्यकल्याण पेरुमल के रूप में पूजा जाता है) और उनकी पत्नी कोमलवल्ली थायर को समर्पित है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान वराह ने ऋषि कालवा की 360 कन्याओं से एक वर्ष में 360 दिन तक विवाह किया था, इसलिए उन्हें 'नित्य कल्याण पेरुमल' (हर दिन विवाह करने वाले भगवान) कहा जाता है। यहां शादी की इच्छा लेकर आने वाले भक्त मंदिर में एक जोड़ी माला अर्पित करते हैं।

तिरुमाननचेरी मंदिर, तमिलनाडु

तिरुमाननचेरी मंदिर, कुंभकोणम के पास एक प्रसिद्ध शिव मंदिर है, जो तमिलनाडु के मयिलादुथुराई जिले में स्थित है। मान्यताओं के अनुसार इस मंदिर में भगवान शिव और देवी पार्वती का पुनर्मिलन हुआ था, जिससे इस मंदिर में उनके शाश्वत संबंध की नींव पड़ी थी। धार्मिक मान्यताओं की मानें तो लोग इस मंदिर के दर्शन करके अपने भाग्य को दोबारा हासिल कर सकते हैं या अविवाहित व्यक्ति अपने खोए हुए रिश्ते को दोबारा पा सकता है।

कात्यायनी मंदिर, छतरपुर, दिल्ली

छतरपुर मन्दिर, देवी कात्यायनी को समर्पित एक मन्दिर है। इस मंदिर का वास्तविक नाम श्री आद्या कात्यायनी शक्तिपीठ मन्दिर है। यह भारत का दूसरा सबसे बड़ा मन्दिर परिसर है। राजधानी के छतरपुर इलाके में स्थित भव्य कात्यायनी मंदिर में हजारों अविवाहित महिलाएं, हर साल नवरात्रि के दौरान मनचाहे वर की इच्छा लेकर मंदिर में दर्शन के लिए आती हैं।

बरसाना राधा रानी मंदिर, उत्तर प्रदेश

बरसाना राधा रानी मंदिर, उत्तर प्रदेश में स्थित है। यहां बरसाना की एक पहाड़ी पर स्थित, देवी राधा को समर्पित यह खूबसूरत मंदिर एक तीर्थस्थल से कहीं बढ़कर है। राधा और कृष्ण की किंवदंतियां-उन भक्तों की भक्ति, उनकी चंचलता, उनका शाश्वत बंधन, उन लोगों को सांत्वना प्रदान करता है, जो इस बारे में अनिश्चित हैं कि उन्हें अपनी कहानी में उनका राजकुमार कब और कैसे मिलेगा।

दक्षिण का 'काला ताज' क्यों है सबसे अनोखा

आदिलशाही वंशावली के इब्राहिम आदिल शाह (1580-1627) सल्तनत के छठे सुल्तान थे। उनके मकबरे, जहां उनके स्वजनों के अवशेष भी हैं, को इब्राहिम रौजा नाम से जाना जाता है, जिसका मतलब है इब्राहिम का बगीचानुमा मकबरा। यह आदिलशाही वास्तुकला का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है। कर्नाटक राज्य के बीजापुर (वर्तमान विजयपुरा) में स्थित इस परिसर में विशेषकर घनी अलंकृत सतहें, बल्बनुमा गुंबद, पतली मीनारें और कोष्ठकों का व्यापक उपयोग किया गया हैं। इसका निर्माण इब्राहिम आदिल शाह द्वितीय की दूसरी रानी ताज सुल्तान ने करवाया था। यह परियोजना एक प्रसिद्ध फारसी वास्तुकार मलिक संदल के दिशा-निर्देशों से पूर्ण की गई व इसका निर्माण कार्य ताज सुल्तान की मृत्यु के बाद पूर्ण हुआ।

आदिलशाहियों ने 1489 से 1686 ईस्वी तक दक्कन क्षेत्र पर शासन किया और वे कला एवं वास्तुकला के प्रमुख संरक्षक थे। इब्राहिम आदिल शाह द्वितीय के शासनकाल में सर्वाधिक मस्जिदों का निर्माण हुआ। आदिलशाही वास्तुकला दक्कनी शैली की झलक देती है, जिसमें बड़े, पंखुड़ीदार गुंबद,

लटकती छतें, प्रचुर मीनारें, सजावटी छज्जे और गारे का इस्तेमाल है तो वहीं सूक्ष्म-वास्तुकला, पुष्प पदक (फ्लोरल मेडेलियन) और स्क्रालवर्क भी देखने को मिलते हैं। यह परिसर आदिलशाही कला का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसका निर्माण अरबी, फारसी और हिंदू तत्वों के मिश्रण से किया गया है।

गोलाकार आकृति बनी पहचानः इब्राहिम रौजा दो मुख्य ढांचों से मिलकर बना हैः एक मकबरा और एक मस्जिद, जो एक ही चबूतरे पर स्थित हैं। मकबरे के भीतर का कमरा साधारण है, जिसमें दीवारों पर छोटे मेहराबदार गड्ढे बने हैं। इसमें बेसाल्ट पत्थर का प्रयोग हुआ है और छत पर गुंबद नहीं है, बल्कि छत को सहारा देने के लिए मोर्टार का उपयोग किया गया है। छत पर एक बड़ा मंडलाकार पैनल है जिसके केंद्र में एक फूल जैसी रचना है, जो इब्राहिम आदिल शाह द्वितीय की कब्र के ठीक ऊपर है। कुल छह कब्रें हैं, जिनमें सुल्तान के अलावा ताज सुल्तान और जुहरा सुल्तान की कब्रें भी शामिल हैं।

लंबे सफर में रिलैक्स रहने के लिए कुछ टिप्स

लंबी फ्लाइट्स अक्सर थका देती हैं। इस दौरान क्या खाएं, कैसे बैठें जैसी चीजों पर ध्यान दिया जाए, तो आप काफी हद तक रिलैक्स रहेंगे। जानते हैं इस बारे में कुछ टिप्स...

ट्रैवल करना किसी को भी अच्छा लग सकता है, लेकिन लंबे सफर में आपको थकान महसूस होने के साथ ही बोरियत भी हो सकती है। यह बात एयर ट्रैवल पर भी लागू होती है। साथ ही, मैटर यह भी करता है कि 10 या 12 घंटे की लंबी फ्लाइट में आप क्या खाते हैं और कैसे रिलैक्स रहते हैं। वैसे, कुछ बातों को ध्यान में रखकर आप अच्छा फील कर सकते हैं।

कैसा हो फूडः आप ट्रैवल के दौरान क्या खाते हैं, ये आपको बहुत प्रभावित करता है। बोर्डिंग से पहले हैवी मील लेना अवॉइड करें। ब्रेड, मीट, वाइट सॉस, बर्गर जैसे चीजें ठीक नहीं है। इनमें कार्बोहाइड्रेट्स ज्यादा होते हैं, जिससे स्वेलिंग हो सकती है। इसके अलावा, हाई शुगर आपको हाइपरऐक्टिव बना सकती है। साल्टी फूड से वाटर रिटेंशन हो सकता है। आप ऐसी हल्की डाइट लें, जिसमें प्रोटीन ज्यादा हो। अल्कोहल और कैफीन बेस्ड ड्रिंक्स अवॉइड करें। इनसे डिहाइड्रेशन की प्रॉब्लम हो सकती है।

मॉइश्चर फ्रीः अगर आपकी स्किन ड्राई है, तो सफर के दौरान इसके और ड्राई होने के चांसेज हैं। अगर स्किन ऑयली है, तो ब्रेकआउट्स हो सकते हैं। बेहतर है कि आप कम मेकअप लगाएं या ना लगाएं। एक मॉइश्चराइजर और लिप बाम कैरी करना ठीक रहेगा।

एक्टिव रहेंः लंबी फ्लाइट में एक ही पॉजिशन में बैठे रहने से प्रॉब्लम हो सकती है। बेस्ट रहेगा कि आप मूव करते रहें। अपने पैरों को इधर-उधर घुमाएं। उंगलियों को थोड़ा मोड़ते रहें। कुछ घंटों बाद अपनी सीट से उठें भी। अगर आपका सोने का मन है, तो सही पोजिशन में सोएं। गर्दन को मोड़कर ना सोएं। इससे बाद में दर्द हो सकता है। खूब पानी पीएं, जो हाइड्रेशन में भी आपकी हेल्प करेगा।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. देवेन्द्र सिंह द्वारा द इंडियन एक्सप्रेस प्रा.लि. सी-26 अमौसी इंडस्टियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोन : 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादकः डॉ. देवेन्द्र सिंह। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।